शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 05 | गुवाहाटी | शनिवार, 29 जुलाई, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

एआईयूडीएफ के कार्यक्रम में कांग्रेस की हुई आलोचना पेज 3
जलवायु एक्शन अंत्योदय का अनुसरण करें : प्रधानमंत्री पेज 4
विकास को ध्यान में रखकर हो बुंदेलखंड और पूर्वांचल विकास निधि... पेज 5
पंजाब सरकार ने बारह हजार अस्थायी अध्यापकों को किया नियमित पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

वृद्ध सेवा अर्थात ज्ञानियों की सेवा से ही ज्ञान प्राप्त होता है।
- आचार्य चाणक्य

लव जिहाद की जांच के लिए पुलिस करे एसओपी विकसित : मुख्यमंत्री

बंगाईगांव। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को पुलिस से राज्य में *लव-जिहाद* के मामलों की जांच के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) विकसित करने का आग्रह किया। शर्मा ने बंगाईगांव में एक सम्मेलन में पुलिस अधीक्षकों को अपने संबोधन में दावा किया कि लव जिहाद का मूल कारण जबरन धर्म परिवर्तन है। इसके अलावा, राज्य में जल्द ही एक अधिनियम लागू किया जाएगा, जिसके माध्यम से सभी समुदायों के लिए विवाह योग्य आयु कानूनी रूप से तय की जाएगी, एकाधिक विवाह रोके जाएंगे और अधिक विधायी कदम उठाए जाएंगे ताकि मानदंडों का उल्लंघन करने पर आरोपियों की गिरफ्तारी की जाए और उनको जमानत न मिल पाए। उन्होंने आगे कहा कि कुछ पुरानी हरकतें हैं जो हमारे संज्ञान में आई हैं। हम उन्हें निरस्त कर देंगे क्योंकि यह बाल विवाह के खिलाफ कार्रवाई के रास्ते में आएगा। मुख्यमंत्री दावा कर रहे हैं कि गोलाघाट में ट्रिपल मर्डर केस लव जिहाद का मामला था। जहां 25 वर्षीय मुस्लिम व्यक्ति ने सोमवार को अपनी हिंदू पत्नी और उसके माता-पिता की हत्या कर दी थी। मुस्लिम पुरुष हिंदू महिलाओं को शादी के जरिए धर्म परिवर्तन के लिए लालच देते हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि लव जिहाद की शिकार लड़कियों द्वारा आत्महत्या की कई दुखद घटनाएं हुई हैं। शर्मा ने इससे पहले गुरुवार को दावा किया था कि अगर हिंदू और मुस्लिम पुरुष अपने-अपने समुदाय की महिलाओं से शादी करेंगे तो देश में शांति होगी। मुख्यमंत्री ने सम्मेलन में कहा कि राज्य में बाल विवाह से निपटने के लिए सितंबर में एक और अभियान शुरू किया जाएगा और बहुविवाह और बाल विवाह के लिए पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ मुकदमा चलाने को सुनिश्चित करने के लिए विधायी समर्थन दिया जाएगा। शर्मा ने राज्य के सभी एसपी से सितंबर में और अधिक गिरफ्तारियों के लिए तैयार रहने का आग्रह किया क्योंकि -शेष पृष्ठ दो पर

डॉ. शर्मा ने एसपी सम्मेलन में असम पुलिस के विशेष कार्य बल के लोगो का किया अनावरण

बंगाईगांव। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बंगाइगांव में दो दिवसीय पुलिस अधीक्षक (एसपी) सम्मेलन के उद्घाटन दिवस की शोभा बढ़ाई, जहां उन्होंने राज्य की सुरक्षा और नागरिक सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण विकास का अनावरण किया। नए उद्घाटन किए गए असम पुलिस कन्वेंशन सेंटर में आयोजित सम्मेलन में, सीएम शर्मा ने असम पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) का लोगो जारी किया। उम्मीद है कि कानून प्रवर्तन के सामने आने वाली विशेष चुनौतियों से निपटने में एसटीएफ महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। कार्यक्रम के दौरान, मुख्यमंत्री ने माइक्रोसॉफ्ट, नेशनल साइबर पीस फाउंडेशन और इंडिया फ्यूचर फाउंडेशन सहित प्रमुख संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। ये सहयोग राज्य के -शेष पृष्ठ दो पर

घुसपैठ के लिए रोहिंग्या राज्य का कर रहे इस्तेमाल : सीएम

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आज कहा कि बांग्लादेश के *रोहिंग्या घुसपैठिये* त्रिपुरा के कुछ दलालों की मदद से दिल्ली या कश्मीर जाने के लिए राज्य का इस्तेमाल गलियारे के रूप में कर रहे हैं। हिमंत ने बंगाईगांव में पुलिस अधीक्षकों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले कई वर्षों के दौरान, बांग्लादेश से असम में घुसपैठ लगभग शून्य थी, लेकिन करीमगंज जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर हाल की कुछ गतिविधियां देखी गई हैं। असम को अब रोहिंग्याओं द्वारा दिल्ली या कश्मीर जाने के लिए गलियारे के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि हमारी जांच से पता चला है कि त्रिपुरा के कुछ दलाल इस घुसपैठ को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस महानिदेशक ने इसे रोकने के लिए पहले ही कुछ कदम उठाए हैं, जबकि करीमगंज के पुलिस अधीक्षक को घुसपैठ रोकने के लिए निगरानी बढ़ाने के लिए कहा गया है। शर्मा ने कहा कि बराक घाटी के तीन जिलों कछार, करीमगज और हैलाकांदी के अधिकारियों को सक्रिय रहना चाहिए और हमें केवल पहचाने गए घुसपैठियों को निर्वासित करके ही खुद को सीमित नहीं करना चाहिए, बल्कि त्रिपुरा जाना चाहिए, दलालों को गिरफ्तार करना चाहिए और इस सिंडिकेट की रीढ़ तोड़नी चाहिए। उन्होंने कहा कि रोहिंग्या घुसपैठियों, तस्करों और असम के बाहर के विद्रोहियों को अन्य राज्यों में जाने के लिए राज्य को गलियारे के रूप में -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

बिहार में मोहर्रम जुलूस के दौरान करंट से 10 झुलसे

पटना (हि.स.)। बिहार के गोपालगंज जिले के उचकागांव थाना क्षेत्र अंतर्गत हरपुर धर्मपुर में मोहर्रम के जुलूस के दौरान शुक्रवार को एक बड़ा हादसा हो गया। इस दौरान हाईटेंशन तार के संपर्क में आने से 10 लोग झुलस गए। सभी घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें दो युवकों की गंभीर स्थिति को देखते हुए गोरखपुर रेफर कर दिया गया। बताया जा रहा है कि ताजिया जुलूस में हरपुर सफी टोला के युवक हाथों में डंडा-लाठी और -शेष पृष्ठ दो पर

दल-बदल विरोधी कानून में नहीं होगा कोई बदलाव : केंद्र

नई दिल्ली। सरकार ने शुक्रवार को लोकसभा को बताया कि दल बदल विरोधी कानून में संशोधन का कोई प्रस्ताव नहीं है। लोकसभा में धर्मेंद्र कश्यप के प्रश्न के लिखित उत्तर में विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने यह जानकारी दी। सदस्य ने पूछा था कि क्या सरकार दल बदल विरोधी कानून को मजबूत करने की योजना बना रही है। विधि एवं न्याय मंत्री मेघवाल ने कहा कि भारतीय संविधान की दसवीं अनुसूची अर्थात दल परिवर्तन रोधी कानून में संशोधन का कोई प्रस्ताव नहीं -शेष पृष्ठ दो पर

भूपेन बोरा के खिलाफ 283 प्राथमिकी दर्ज

गुवाहाटी (हि.स.)। भारतीय जनता युवा मोर्चा ने असम प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा के खिलाफ 283 प्राथमिकियां दर्ज कराई हैं। ज्ञात हो कि कांग्रेस अध्यक्ष बोरा ने कल लव जिहाद की वकालत करते हुए सार्वजनिक रूप से भगवान श्रीकृष्ण की तुलना लव जिहादियों से कर दी थी। भाजपा ने आरोप लगाया है कि लव जिहाद को महाभारत के स्रोत से जोड़ने वाली उनकी भद्दी टिप्पणी ने कांग्रेस पार्टी की भारतीय संस्कृति, सनातन सभ्यता और भारत विरोधी चरित्र को उजागर कर दिया। भारतीय जनता युवा मोर्चा -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस अध्यक्ष ने मांगी माफी

गुवाहाटी (हि.स.)। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के अध्यक्ष भूपेन बोरा ने लव जिहाद को लेकर दिए गए अपने विवादित बयान पर सार्वजनिक रूप से माफी मांग ली है। दरअसल, गुरुवार को कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा ने भगवान कृष्ण और रुक्मिणी के प्रेम को लव जिहाद के साथ जोड़ दिया था। उनके बयान में लव जिहाद के संदर्भ में महाभारत का भी जिक्र किया गया था। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बोरा की इस -शेष पृष्ठ दो पर

जनसंपर्क विभाग ने राज्य भर में मनाया देशभक्ति दिवस

गुवाहाटी (हि.स.)। मंत्री पीयूष हजारिका ने कहा है कि अगर तरुणराम फूकन और गोपीनाथ बरदलै जैसे नेताओं ने सैयद सादुल्ला के षड्यंत्रकारी इरादों का कड़ा विरोध नहीं किया होता तो असम आज पाकिस्तान का हिस्सा होता। ये बातें आज राज्य के सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पीयूष हजारिका ने असम सरकार के सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय द्वारा राजधानी के भरलुमुख स्थित देश भक्त तरुणराम फूकन उद्यान में आयोजित तीसरे राज्यव्यापी *देशभक्ति दिवस* कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कही। मंत्री ने सबसे पहले पार्क में देशभक्त तरुणराम फूकन की प्रतिमा पर देशभक्त तरुणराम फूकन के परिवारिक प्रतिनिधियों और जनसंपर्क विभाग के सचिव और निदेशक के साथ श्रद्धांजलि अर्पित की। देशभक्ति दिवस के अवसर पर बोलते हुए मंत्री पीजूष हजारिका ने देशभक्त तरुणराम फूकन के संघर्ष, देशभक्ति और राजनीतिक ज्ञान पर प्रकाश डाला, जिन्होंने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में असम का नेतृत्व किया। जनसंपर्क मंत्री ने कहा कि अंग्रेजों के खिलाफ भारत के स्वतंत्रता आंदोलन की मुख्यधारा में असम को शामिल करने का मुख्य श्रेय हम नि:संदेह देशभक्त तरुणराम फूकनदेव को दे सकते हैं। अपने राजनीतिक -शेष पृष्ठ दो पर

लोस अध्यक्ष आज शिलांग में संसदीय संघ के सम्मेलन का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली (हि.स.)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला शनिवार से मेघालय और असम के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह शिलांग में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) भारत क्षेत्र जोन-थ्री के 20वें वार्षिक सम्मेलन और गुवाहाटी में असम विधानसभा के नए भवन का उद्घाटन करेंगे। लोकसभा सचिवालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला 29 जुलाई, शनिवार को शिलांग, मेघालय में सीपीए, भारत क्षेत्र जोन-थ्री के 20वें वार्षिक सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा, -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर हिंसा : अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं जांच करने में भी सीबीआई को आ रही मुश्किलें

नई दिल्ली। मणिपुर में हिंसा से जुड़े छह मामलों की जांच कर रही सीबीआई ने अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं की है। प्रक्रिया के अनुसार, संघीय एजेंसी ने पिछले महीने राज्य पुलिस से एफआईआर ले ली थी। मामले की जांच जारी है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने उन नाजुक परिस्थितियों को देखते हुए, जिनमें वह इन मामलों की जांच कर रही है, एफआईआर को दोबारा दर्ज करने के एक महीने बाद भी सार्वजनिक नहीं किया है। अधिकारियों ने कहा कि एजेंसी ने केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा भेजे गए छह मामलों की जांच के लिए जून में एक डीआइजी-रैंक अधिकारी के तहत एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया था। अधिकारियों ने कहा कि एजेंसी की टीमें कठिन परिस्थितियों में मामलों की जांच कर रही हैं। उन्होंने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

अपमान : अशोक चक्र की जगह चांद तारे बनाकर फहराया गया तिरंगा

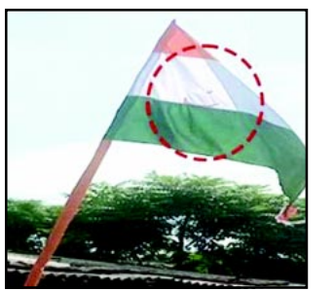

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर में एक झंडे को लेकर काफी विवाद हो गया है। दरअसल, सड़क किनारे लगे झंडे में अशोकचक्र की जगह चांद तारा लगाया गया। वहीं इस झंडे के फहराने का वीडियो वायरल हुआ है। जानकारी के अनुसार, घटना बरियार ओपी क्षेत्र के खालीकनगर गौरिहार पंचायत के गंज गौरिहार गांव के वार्ड 4 निवासी बदरुल हसन के घर के पासक है, जहां सड़क किनारे लगे झंडे में अशोकचक्र की जगह चांद तारा लगाया गया। इस झंडे के फहराने का वीडियो वायरल हुआ है। वीडियो वायरल होने के बाद बरियारपुर ओपी प्रशासन अलर्ट -शेष पृष्ठ दो पर

केरल में कचरा उठाने वाली 11 महिलाओं ने जीता 10 करोड़ रुपए का जैकपॉट

मलप्पुरम। स्थानीय नगर पालिका की प्लास्टिक कचरा बीनने वाली इकाई में काम कर रही ग्यारह महिला कामगारों को कभी यह सपने में भी उम्मीद नहीं रही होगी जिस लाटरी टिकट को उनमें से प्रत्येक ने 25 रुपए से भी कम धन देकर खरीदा था, वह उन्हें 10 करोड़ रुपए का जैकपॉट दिलवा देगी। इन 11 महिलाओं ने कुल 250 रुपए देकर लाटरी का टिकट खरीदा था। बुधवार को जब यह खबर आई तो उस समय ये 11 महिलाएं अपने हरे ओवरकोट और रबर के दस्ताने पहने हुए थीं और परप्पनंगडी नगरपालिका गोदाम में घरों से एकत्र किए गए प्लास्टिक कचरे को अलग कर रही थीं। केरल लॉटरी विभाग ने घोषणा की कि महिलाओं द्वारा पैसे इकट्ठा करने के बाद खरीदे गए टिकट पर उन्हें मानसून बंपर के रूप में 10 करोड़ रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा। इन महिलाओं के पास इतनी सामर्थ्य नहीं थी कि उनमें से कोई अकेले ही 250 रुपए का लाटरी का टिकट खरीद सके। लॉटरी विजेताओं से मिलने और उन्हें बधाई देने के लिए गुरुवार को बड़ी संख्या में लोग -शेष पृष्ठ दो पर

अल-कायदा के रडार में जम्मू-कश्मीर : संरा

संरा। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, आतंकवादी समूह अल-कायदा जम्मू-कश्मीर, बांग्लादेश और म्यांमार में अपने अभियान फैलाने के लिए भारतीय उपमहाद्वीप में अपने क्षेत्रीय सहयोगी को आकार दे रहा है। इस सप्ताह जारी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1267 आईएसआईएल (दाएश) और अल-कायदा प्रतिबंध समिति की विश्लेषणात्मक सहायता और प्रतिबंध निगरानी टीम की 32वीं रिपोर्ट में कहा गया है कि एक सदस्य राज्य ने आकलन किया कि अल-कायदा एक्यूआईएस को आकार दे रहा है। पड़ोसी बांग्लादेश, जम्मू-कश्मीर और -शेष पृष्ठ दो पर

अवैध निर्माण पर प. बंगाल एचसी की सख्त टिप्पणी

जरूरत पड़े तो किराये पर लें योगी का बुलडोजर

कोलकाता। हमेशा अपनी टिप्पणियों को लेकर सुर्खियों में रहने वाले कलकत्ता हाई कोर्ट के न्यायाधीश अभिजीत गंगोपाध्याय ने शुक्रवार को अवैध निर्माण से जुड़े एक मामले पर सुनवाई करते हुए कोलकाता पुलिस और कोलकाता नगर निगम को सलाह दी कि जरूरत पड़ने पर वे योगी का बुलडोजर किराये पर लें। दरअसल, कोलकाता के मानिकतला थाना क्षेत्र में अवैध निर्माण के विरोध में एक महिला ने कलकत्ता हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि अवैध निर्माण में बाधा डालने के बाद उनकी मुवक्किल असुरक्षा से पीड़ित हैं। घर से निकल भी नहीं पा रही हैं। यह सुनने के बाद जस्टिस अभिजीत गंगोपाध्याय काफी नाराज हुए। उन्होंने कहा कि अवैध निर्माण के मामले में कोई भी बदमाशी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

मानव इतिहास में जुलाई 2023 सबसे गर्म महीना

2024 होगा और भी भयावह

नई दिल्ली। वैज्ञानिकों के एक नए विश्लेषण के अनुसार, इस साल का जुलाई महीना रिकॉर्ड के अनुसार अब तक का सबसे गर्म महीना होने वाला है जिसका औसत तापमान जुलाई 2019 की तुलना में काफी अधिक है। वहीं वैज्ञानिकों के मुताबिक अगर ऐसा ही रहा तो 2024 में स्थिति और भी भयावह हो सकती है। जर्मनी के लिपजिक विश्वविद्यालय ने दुनिया भर के कई जगहों पर पड़ रहे भीषण गर्मी का धरातल और और सेटेलाइट से लिए गए आंकड़ों का अध्ययन किया है। आंकड़ों के अनुसार पिछला सबसे गर्म महीना जुलाई 2019 था। एक नए विश्लेषण के अनुसार, जुलाई 2023 के पहले 23 दिन के दौरान वैश्विक औसत तापमान 16.95 डिग्री सेल्सियस था जो जुलाई 2019 के पूरे महीने के लिए दर्ज 16.63 डिग्री से काफी अधिक है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि इस स्तर पर, यह लगभग निश्चित है कि जुलाई 2023 का मासिक औसत तापमान जुलाई 2019 से काफी अधिक हो जाएगा, जिससे यह रिकॉर्ड के अनुसार सबसे गर्म जुलाई और सबसे गर्म महीना बन जाएगा। यूरोपीय संघ द्वारा वित्तपोषित कॉपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस (सीएक्सएस) और विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) ने गौर किया कि तापमान में वृद्धि उत्तरी अमेरिका, एशिया और यूरोप के बड़े हिस्सों में भीषण गर्मी के कारण हुई है। इससे कनाडा और यूनान सहित कई देशों में दावानल के साथ ही लोगों के स्वास्थ्य, पर्यावरण और अर्थव्यवस्थाओं पर भी खासा प्रभाव पड़ा है। डब्ल्यूएमओ के महासचिव पेटेरी तालास ने एक बयान में कहा कि जुलाई में जिस प्रतिकूल मौसम ने लाखों लोगों को प्रभावित किया है।

अंजू को बुर्का में देख भड़के पिता, कहा–

भूलकर भी मेरे पास न आए... मैं उसे गोली मार दूंगा

नई दिल्ली। पाकिस्तान गई अलवर के भिवाड़ी की अंजू के लिए वतन वापसी आसान नहीं है। वहीं अंजू के पिता भी बेटी की इस हरकत पर काफी नाराज है। पाकिस्तान में प्रेमी से मिलने गई बेटी को बुर्का में देख पिता गया प्रसाद थॉमस ने अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि बेटी अंजू ने मेरे साथ धोखा किया है, मेरी इज्जत के साथ खेला है, अब वह मेरे लिए मर चुकी है, मेरे गांव और मेरे देश के साथ उसने जो किया है, उसके लिए मैं बहुत शर्मिंदा हूं। अंजू के पिता गया प्रसाद थॉमस ने कहा कि मेरी बेटी मेरे लिए मर गई है। अब मैं जिंदगी में कभी भी उसकी शक्ल देखना पसंद नहीं करूंगा। अगर वह भूलकर भी मेरे पास आती है तो मैं उसको गोली मार दूंगा या मैं खुद मर जाऊंगा। वहीं, अंजू ने पाकिस्तान जाने के लिए जिस तरह की प्रक्रिया अपनाई है उससे उसका संकट दूर होता नजर नहीं आ रहा है। अपने प्रेमी से मिलने पाकिस्तान गई भिवाड़ी की अंजू के पति ने आज कहा कि वह कानूनी राय लेकर उसे तलाक देंगे और सरकार से उसके वीजे पर साइन के बारे में जांच की मांग करेंगे। उन्होंने यह बात आज पत्रकारों के समक्ष कही।

आग में आंगनबाड़ी केंद्र के दो घर जलकर खाक

गोलाघाट (हिंस)। गोलाघाट नगर के चानमारी के वार्ड नंबर 10 में लगी आग में एक आंगनबाड़ी केंद्र के साथ दो घर जलकर राख हो गया। पुलिस ने आज बताया कि यह आग गुरुवार को की देर रात लगी। जानकारी के अनुसार बाबा नायक नामक एक व्यक्ति के घर से अचानक आग की ऊंची लपटें उठते देखकर चारों तरफ से लोग इसे बुझाने के लिए दौड़े। लेकिन, आग की लपटें इतनी तेज थी कि देखते ही देखते दोनों घर पूरी तरह से जलकर खाक हो गए। घर के बगल में स्थित आंगनबाड़ी केंद्र भी जलकर राख हो गया। बताया जाता है कि घर की सारी संपत्ति के साथ ही घर और आंगनबाड़ी केंद्र के सभी दस्तावेज भी जलकर राख हो गए। लोगों ने इसकी सूचना तत्काल ही पुलिस को दी। हालांकि, दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया। आग लगने के सही कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस इस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

सड़क दुर्घटना में 7 लोग घायल

धेमाजी (हिंस)। जिले के जोनाई के अपर बिजयपुर में राष्ट्रीय राजमार्ग-515 पर हुई एक सड़क दुर्घटना में 7 लोग घायल हो गए। घायलों में से दो की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार यह दुर्घटना गुरुवार की रात उस समय हुई जब एक यात्री मैजिक (एएस-07एसी-4861) और स्विफ्ट डिजायर (एएस-06टी-8707) की आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में दोनों वाहनों में सवार कुल सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और घायलों को बाहर निकाला। मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने 108 एंबुलेंस सेवाओं की मदद से उन्हें जोनाई के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और रोनासा के दिवजनी नर्सिंग होम में भर्ती कराया। जोनाई पुलिस मौके पर पहुंचकर आगे की कार्रवाई कर रही है।

सीआरपीएफ ने मनाया अपना 85वां स्थापना दिवस

लखनऊ। लखनऊ के विभूति खंड गोमती नगर में स्थित मध्य सेक्टर, सीआरपीएफ कार्यालय के प्रांगण में 27 जुलाई 2023 को शौर्य, पराक्रम, बलिदान एवं मानवीय मूल्यों के स्वर्णिम व गौरवमयी इतिहास से परिपूर्ण विश्व के सबसे बड़े एवं पुराने अर्द्धसैनिक बल के रूप में स्थापित सीआरपीएफ का 85वां स्थापना दिवस समारोह पूरे जोश, हर्षोल्लास एवं उत्साहपूर्वक मनाया गया। सीआरपीएफ के महानिरीक्षक सतपाल रावत ने सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दी तथा उपस्थित अधिकारियों एवं जवानों को देश सेवा के लिए सदैव तत्पर रहने का आह्वान किया। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) भारत का प्रमुख केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल है। अंग्रेजी शासनकाल में 27 जुलाई 1939 को *काउन रिप्रेजेन्टेटिवस पुलिस* (सीआरपी) के नाम से इस बल का गठन वर्तमान मध्य प्रदेश के मालवा क्षेत्र में स्थित नीमच नामक स्थान पर किया गया था, जिसका मुख्य उद्देश्य उस समय की देशी रियासतों में आंदोलनों एवं राजनीतिक अशांति को नियंत्रित कर कानून-व्यवस्था बनाए रखना था। स्वतंत्रता पश्चात इस सुरक्षा बल ने देशी रियासतों के भारत संघ में विलय की प्रक्रिया में सबसे अहम भूमिका निभाई। स्वतंत्र भारत के प्रथम गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल ने अपनी दूरदर्शिता से इस सुरक्षा बल के बहुआयामी अस्तित्व को समझते हुए देश की अखण्डता एवं आंतरिक सुरक्षा के हित में इसे आजादी के बाद भी अक्षुण्ण बनाए रखने का अहम निर्णय लिया। तदनुसार, 28 दिसम्बर 1949 को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल अधिनियम के लागू होने के साथ ही यह सुरक्षा बल अपने वर्तमान स्वरूप में आ गया। श्री रावत ने बताया कि इस बल के शौर्य तथा बलिदान की अनेकों वीर गाथाएं इतिहास के पन्नों में सुनहरे अक्षरों में दर्ज है। 21 अक्टूबर, 1959 को हॉट स्प्रिंग लद्दाख में सीआरपीएफ के 10 वीरों ने चीन की सेना का मुकाबला करते हुए अपने प्राणों का बलिदान दिया था, जिनकी याद में प्रत्येक वर्ष 21 अक्तूबर को देश के सभी पुलिस बल पुलिस स्मृति दिवस के रूप में मनाते है। 9 अप्रैल 1965 को सरदार पोस्ट कच्छ गुजरात में सीआरपीएफ की मात्र दो कंपनियों ने पाकिस्तानी सेना की 51वीं इंफैंट्री ब्रिगेड द्वारा किए गए हमले को विफल कर शौर्य की अद्वितीय मिसाल प्रस्तुत की। इस युद्ध में सीआरपी एफ के एक छोटे दल ने बहादुरी से लड़ते हुए न सिर्फ 34 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया बल्कि 4 सैनिकों को बंदी भी बनाया था। इस युद्ध में सीआरपीएफ के 8 वीरो ने भी अपने प्राणों की आहुति दी। इस दिन को *शौर्य दिवस* के रूप में मनाया जाता है। केरिपु बल ने देश के बाहर भी विश्व में शांति की स्थापना के प्रयासों में

अपना अमूल्य योगदान दिया है। 1987 में श्रीलंका के जाफना में भारतीय शांति सेना के रूप में पहले अर्द्धसैनिक बल के रूप में तैनात रही संयुक्त राष्ट्र संघ के अधीन चलने वाले अन्तर्राष्ट्रीय अभियानों में हैती, कोसोवो तथा लाइबेरिया में शांति की स्थापना हेतु अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। 13 दिसम्बर, 2001 को पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा संसद भवन पर किए गए आतंकी हमले को इस बल के वीर जवानों ने विफल किया तथा पांचों आतंकवादियों को मार गिराया। इस वीरता पूर्ण कृत्य को अंजाम देते हुए चल की वीरांगना महिला सिपाही कमलेश कुमारी ने अदम्य साहस और सूझ-बूझ का परिचय देते हुए कर्तव्य पालन करते हुए अपने जीवन का बलिदान दिया। अयोध्या के श्री राम जन्म भूमि तथा जम्मू के रघुनाथ मंदिर पर हुए आतंकी हमले को भी इस बल के वीर जवानों ने न केवल विफल किया बल्कि सभी हमलावरों को ढेर कर दिया। भारत सरकार द्वारा जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटाने के बाद पूरे कश्मीर घाटी में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आतंकवादियों के सफाए के लिए इस बल ने जिस बहादुरी एवं धैर्य के साथ अपने ड्यूटी को अंजाम दिया, उसी का परिणाम रहा कि पूरे घाटी में कानून-व्यवस्था तथा शांति बनी रही। अपने स्वर्णिम अस्तित्व के 84 वर्षों में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने देश सेवा के पथ पर शौर्य और साहस के अनगिनत कीर्तिमान स्थापित किए हैं। इस बल के जाबांज देश की सीमाओं की सुरक्षा से लेकर देश के भीतरी हिस्सों में आंतरिक सुरक्षा, शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने का कर्तव्य पूरी निष्ठा से निभाते आएं है। इस बल की कार्यदक्षता, कर्तव्यनिष्ठा एवं देश पर सर्वस्व न्यौछावर करने के जज्बे का परिणाम है कि 02 बटालियन से प्रारंभ होकर आज 247 बटालियनों के साथ विश्व के सबसे बड़े अर्द्धसैनिक बल होने का इसे गौरव प्राप्त है। राष्ट्र की सेवा में अभी तक सी.आर.पी.एफ. के 2200 से अधिक बहादुर जवानों ने अपने प्राणों की आहुति दी है। उन्होंने बताया कि सीआरपीएफ के शौर्य एवं पराक्रम को सर्वोच्च मान्यता देते हुए अब तक इस बल को वर्ष 2023 के गणतंत्र दिवस तक कुल 2200 वीरता के पदक प्रदान किये गये हैं जो कि इस बल की परिचालनिक सफलताओं का परिचायक है।

पृष्ठ एक का शेष

लव जिहाद की जांच...

तब बाल विवाह के खिलाफ कार्रवाई का एक और दौर होगा। उन्होंने कहा कि जब भी कोई बाल विवाह हमारे संज्ञान में आता है तो हमें आरोपी पर पॉस्को के तहत मुकदमा चलाना होगा क्योंकि यह एक धर्मनिरपेक्ष अधिनियम है और किसी भी धर्म से संबंधित नहीं है। पॉस्को अधिनियम बच्चों के खिलाफ यौन अपराध करने वाले सभी धर्मों के नागरिकों पर समान रुप से लागू होता है। शर्मा ने कहा कि 2021 में राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध 29,046 मामलों की तुलना में 2022 में 14,030 मामलों में भारी कमी आई है, जो 2017-21 के बीच 27,240 मामलों के वार्षिक औसत से काफी कम है। राज्य में बच्चों के खिलाफ अपराध भी पिछले वर्षों के 5,282 के मुकाबले घटकर 4,084 हो गए हैं। उन्होंने कहा कि हाई प्रोफाइल मामलों की सुनवाई विशेष अदालतों में की जानी चाहिए, विशेष लोक अभियोजकों को नियुक्त किया जाना चाहिए और भ्रविष्य में निवारक के रूप में काम करने के लिए निर्धारित अवधि के भीतर आरोप पत्र दायर किया जाना चाहिए।

डॉ. शर्मा ने एसपी ...

साइबर सुरक्षा उपायों और पुलिसिंग में तकनीकी प्रगति को बढ़ाने के लिए तैयार हैं। इस अवसर पर ग्राम रक्षा संगठन (वीडीओ) के लिए नए लोगो का भी शुभारंभ हुआ, जो ग्रामीण क्षेत्रों में जमीनी स्तर की सुरक्षा के महत्व पर जोर देता है। नागरिकों के लिए पासपोर्ट सत्यापन को आसान बनाने के उद्देश्य से, सीएम शर्मा ने एम-पासपोर्ट एप्लिकेशन पेश किया। यह अभिनव समाधान पासपोर्ट सत्यापन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने और तेज और अधिक कुशल सेवाओं की सुविधा प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। डिजिटलीकरण को आगे बढ़ाते हुए, मुख्यमंत्री ने सम्मेलन के दौरान वस्तुत: दो साइबर पुलिस स्टेशनों का उद्घाटन किया, जो साइबर अपराधों से निपटने और ऑनलाइन स्थानों की सुरक्षा के लिए राज्य की प्रतिबद्धता का संकेत देता है।

घुसपैठ के लिए...

इस्तेमाल करने से रोकने के लिए सक्रिय कदम उठाए जाने चाहिए। यह एक नया उभरता हुआ अपराध है और घुसपैठिए ज्यादातर रेल मार्ग का उपयोग करते हैं और रेलवे पुलिस को इस संबंध में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि बराक घाटी से लेकर असम की पश्चिमी सीमा तक सभी रेलवे स्टेशनों पर खुफिया जानकारी बढ़ाई जानी चाहिए ताकि रोहिंग्याओं को रोका जा सके और उनके खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की जा सके। शर्मा ने कहा कि अगर स्थिति सही हो तो असम पुलिस को दोनों स्रोत राज्यों में कार्रवाई शुरू करनी चाहिए और रेलवे और बस स्टेशनों पर भी निगरानी बढ़ानी चाहिए। रोहिंग्या मूल रूप से म्यांमार के रहने वाले हैं। अगस्त 2017 में रखाइन राज्य में मुख्य रूप से मुस्लिम जातीय समूह को उनकी मातृभूमि से बाहर निकालने के लिए सैन्य कार्रवाई शुरू होने के बाद से उनमें से लाखों लोग देश से भागकर बांग्लादेश चले गए। उनमें से कई बांग्लादेश से भारत में प्रवेश कर चुके हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने ...

अजीबोगरीब टिप्पणी पर पूरे राज्य में कड़ी प्रतिक्रिया हुई। भारतीय जनता युवा मोर्चा असम प्रदेश ने उसी दिन होजाई जिले के लंका पुलिस स्टेशन में भूपेन बोरा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा ने एक संवाददाता सम्मेलन में अपनी विवादास्पद टिप्पणी के लिए जनता से माफी मांगी। उन्होंने कहा कि मैं मुख्यमंत्री से नहीं डरता। उनके दादा ने उनसे अपनी गलती के लिए जनता से माफी मांगने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि मेरे दादा ने मुझे नामघर जाकर दो बेतुकी बातें कहने के लिए माफी मांगने को कहा। दूसरी ओर, जब एक सत्राधिकर ने उन्हें नामघर में प्रवेश करने से रोका, तब उन्हें बहुत बुरा लगा। इसलिए उन्होंने गलती के लिए माफी मांगी। उन्होंने असम की जनता से इसके लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है। भारतीय जनता युवा मोर्चा असम प्रदेश ने उनके खिलाफ असम के सभी थानों में एफआईआर दर्ज कराने की बात कही। असम प्रदेश भाजपा युवा मोर्चा शुक्रवार को दिसपुर थाने में कांग्रेस अध्यक्ष बोरा के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करवाने की तैयारी कर ली थी। इसी मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने भी भूपेन बोरा की ऐसी टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी को भी सनातनी व्यक्ति को धर्म के बारे में ऐसी टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। चाहे इस्लाम हो या ईसाई धर्म, किसी भी धर्म के बारे में इस प्रकार की टिप्पणी करना अच्छी बात नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर कोई ऐसे लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराता है तो पुलिस उसे गिरफ्तार कर लेगी।

भूपेन बोरा के खिलाफ ...

ने कहा कि भूपेन बोरा की टिप्पणी महापुरुष, गुरुजन की कृष्ण संस्कृति से प्रेरित असमिया लोगों के जीवन के लिए बड़ा खतरा है। युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सिद्धांकु बरुवा ने भूपेन बोरा को चेतावनी देते हुए कहा कि भूपेन बोरा और कांग्रेस पार्टी आने वाले दिनों में अपनी सभ्यता और संस्कृति को महत्वहीन बना देगी। इसके अलावा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष ने मांग की है कि भूपेन बोरा को गिरफ्तार कर कानून के के अनुसार उनपर कार्रवाई की जाए।

जनसंपर्क विभाग ने ...

कौशल और देशभक्ति के लिए महात्मा गांधी के चहेते बने तरुणराम फूकन के भारत के स्वतंत्रता सेनानियों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखने की बात कहते हुए मंत्री हजारिका ने कहा कि तरुणराम फूकन ने 30 के दशक में असम में बहुत ही संवेदनशील समय में दूरदर्शी निर्णयों के साथ राज्य के भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। 1937 में असम में विधान सभा के गठन के बाद सैयद सादुल्ला के नेतृत्व में सरकार बनी। बाद में सैयद सादुल्ला, जो बाद में मुस्लिम लीग में शामिल हो गए, ने शुरू से ही एक तरह से साजिश रची और बंगाल से असम आए मुस्लिम लोगों को अपने साथ ले आए। मंत्री ने भाषण में कहा कि तरुणराम फूकन और गोपीनाथ बरदलै जैसे नेता असम को मुस्लिम बहुल राज्य बनाने की सैयद सादुल्ला की इच्छा के बारे में शुरू से ही समझते थे और उन्होंने इसका कड़ा विरोध किया। मंत्री हजारिका ने आगे कहा कि यह तरुणराम फूकन और बाद में गोपीनाथ बरदलै जैसे नेताओं की राजनीतिक दूरदर्शिता और मजबूत नेतृत्व के कारण हमारा असम राज्य वर्तमान पाकिस्तान का हिस्सा बनने से बच गया। अगर असम में देशभक्त तरुणराम फूकन और लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै जैसे नेताओं की मौजूदगी नहीं होती तो आज पूरे दक्षिण पूर्व एशिया का नक्शा बदल गया होता। सैयद सादुल्ला के इरादों के मुताबिक असम पाकिस्तान और आज में शामिल हो गया होता। देशभक्ति दिवस के अवसर पर, जनसंपर्क मंत्री ने घोषणा की कि अगले वर्ष के देशभक्ति दिवस से पहले विभाग की पहल पर राज्यव्यापी निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा और इस प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ विजेता को केंद्रीय रूप से आयोजित देशभक्ति दिवस समारोह में सम्मानित किया जाएगा। मंत्री ने यह भी घोषणा की कि इस निबंध प्रतियोगिता के चयनित कार्यों को विभाग की पहल पर पुस्तकों के रूप में संकलित और प्रकाशित किया जाएगा। मंत्री ने आशा व्यक्त की कि विभाग के इस प्रयास के माध्यम से अगली पीढ़ी को देशभक्त तरुणराम फूकन की निस्वार्थ देशभक्ति, राजनीतिक कौशल और विद्वता के बारे में बौद्धिक चर्चा करने का अवसर मिलेगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में 2021 में सरकार गठन के बाद मंत्रिमंडल की बैठक के निर्णय के अनुसार राज्य सरकार ने देशभक्त तरुणराम फूकन की पुण्यतिथि, 28 जुलाई को देशभक्ति दिवस के रूप में घोषित किया था और सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की पहल पर पूरे असम में मनाया जा रहा है। शुक्रवार को देशभक्ति दिवस समारोह में स्वागत भाषण देते हुए जनसंपर्क विभाग की ओर से देशभक्त तरुणराम फूकन के पारिवारिक प्रतिनिधियों, पौत्र जितेंद्रराम फूकन, डॉ. हेमेंद्रराम फूकन, विक्रम फूकन, पोती रानी गोस्वामी, इंद्राणी बरुवा, पौत्रबधु अरूपा फूकन और डॉ. रुनजुन फूकन को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में असम राज्य परिवहन निगम के उपाध्यक्ष प्रणव ज्योति लहकर, सूचना, जनसंपर्क, मुद्रण और लेखन सामग्री विभाग की सचिव अरुंधति चक्रवर्ती और विभागीय अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

लोस अध्यक्ष आज ...

राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश, मेघालय विधानसभा के अध्यक्ष थॉमस ए संगमा, अरुणाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष और सीपीए इंडिया रीजन जोन-थ्री के चेयरमैन पसांग डी सोना, संसद सदस्य, मेघालय विधानसभा के सदस्य और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे। सम्मेलन के दौरान प्रतिनिधि प्राकृतिक आपदाएं और इन आपदाओं के प्रबंधन के लिए उत्तर पूर्व क्षेत्र के विशेष संदर्भ में रणनीतियां और पूर्वोत्तर क्षेत्र को मुख्यधारा में लाने के लिए क्षेत्रीय कनेक्टिविटी विषयों पर मंथन करेंगे। सम्मेलन का समापन 30 जुलाई को मेघालय के राज्यपाल फागू चौहान के भाषण के साथ होगा। बयान में कहा गया है कि 30 जुलाई को लोकसभा अध्यक्ष बिरला गुवाहाटी में असम विधानसभा के नए भवन का उद्घाटन करेंगे। इस मौके पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा, केंद्रीय आयुष मंत्री सर्वानंद सोनोवाल, असम विधानसभा अध्यक्ष विश्वजीत दैमारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे।

मणिपुर हिंसा : अब...

उन्हें अक्सर शत्रुतापूर्ण भीड़, नाकाबंदी और विरोध प्रदर्शन का सामना करना पड़ता है और गवाहों को ढूंढना मुश्किल है। एक अधिकारी ने कहा, अब तक, सीबीआई ने मणिपुर हिंसा मामलों से संबंधित छह एफआईआर के संबंध में किसी को गिरफ्तार नहीं किया है। जांच जारी है। अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मैतेई समुदाय की मांग के विरोध में तीन मई को पूर्वोत्तर राज्य के पहाड़ी जिलों में *आदिवासी एकजुटता मार्च* आयोजित किए जाने के बाद मणिपुर में हिंसा भड़क गई। हिंसा में सैकड़ों लोगों की जान चली गई और कई लोग घायल हुए। झड़पों से पहले कुकी ग्रामीणों को आरक्षित वन भूमि से बेदखल करने को लेकर तनाव था, जिसके कारण कई छोटे आंदोलन हुए थे। मणिपुर की आबादी में मैतेई लोगों की संख्या लगभग 53 प्रतिशत है और वे ज्यादातर इम्फाल घाटी में रहते हैं। नागा और कुकी सहित आदिवासी आबादी का 40 प्रतिशत हिस्सा हैं और पहाड़ी जिलों में रहते हैं।

अपमान : अशोक चक्र ...

हो गई। वहीं मामला संज्ञान में आने के बाद पूरा पुलिस महकमा हरकत में आया। पहले वीडियो और फोटो की सत्यता की जांच की गई, जिसमें इसे सही पाया गया। बता दें कि इस संबंध में बरियारपुर ओपी प्रभारी चांदनी कुमारी सांवरिया का कहना है कि विकृत झंडा लगाए जाने का मामला आया है। इस मामले में विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

केरल में कचरा ...

यहां नगर निगम गोदाम परिसर में उमड़ पड़े। विजेताओं में से एक राधा ने कहा कि जब हमें अंतत: पता चला कि हमने जैकपॉट हासिल कर लिया है तो हमारे उत्साह और खुशी का कोई ठिकाना नहीं रहा। हम सभी जीवन में कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं और यह पैसा कुछ हद तक हमारी समस्याओं को हल करने में मदद करेगा। परप्पनंगडी नगर पालिका द्वारा शुरू की गई हरित पहल-हरित कर्म सेना के तहत कार्यरत इन महिलाओं को उनके काम के अनुसार 7,500 रुपए से 14,000 रुपए के बीच वेतन मिलता है। हरित कर्म सेना घरों और प्रतिष्ठानों से जैविक रूप से अपघटित नहीं होने वाले कचरे को इकट्ठा करती हैं जिसे बाद में पुनर्चक्रण के लिए विभिन्न इकाइयों में भेजा जाता है। नगर पालिका में हरित कर्म सेना की अध्यक्ष शीजा ने कहा कि भाग्य ने इस बार सबसे योग्य लोगों पर कृपा की है। उन्होंने कहा कि सभी पुरस्कार विजेता बहुत मेहनती हैं और अपने परिवार के भरण-पोषण करती हैं। उन्होंने बताया कि इनमें से कई लोगों को कर्ज चुकाना है, बेटियों की शादी करनी है या अपने प्रियजनों के इलाज का खर्च उठाना है। उन्होंने कहा कि वे सब बहुत ही साधारण घरों में रहती हैं और जीवन की कठोर वास्तविकताओं से जूझ रही हैं। दिलचस्प बात है कि यह दूसरी बार है जब महिलाओं ने टिकट खरीदने के लिए आपस में पैसे जुटाए थे। विजेताओं में से एक महिला ने कहा कि हमने पिछले साल भी इसी तरह पैसा इकट्ठा करने के बाद ओणम बंपर खरीदा था और 7,500 रुपए जीते थे। हमने राशि को आपस में बराबर-बराबर बांट लिया था। इससे हमें इस साल मानसून बंपर टिकट खरीदने का हौसला मिला।

अल-कायदा के रडार ...

म्यांमार में अपना अभियान फैलाएगा। सदस्य राज्य ने यह भी नोट किया कि एक्यूआईएस के कुछ सीमित तत्व आईएसआईएल-के (इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड द लेवांत-खोरासन) में शामिल होने या उसके साथ सहयोग करने के लिए तैयार हैं। अफगानिस्तान में अल-कायदा का कोर 30 से 60 सदस्यों पर स्थिर है, जबकि देश में इसके लड़ाकों की संख्या 400 होने का अनुमान है, जो परिवार के सदस्यों और समर्थकों सहित 2,000 तक पहुंच गई है। भारतीय उपमहाद्वीप में अल-कायदा के लगभग 200 लड़ाके हैं, जिसका अमीर ओसामा महमूद है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कुछ सदस्य देशों ने सैफ अल-अदल को अल कायदा प्रमुख के रूप में ऐमान अल-जवाहिरी का उत्तराधिकारी माना है और कथित तौर पर अभी भी ईरान में हैं। सदस्य देशों ने आईएसआईएल-के को अफगानिस्तान और व्यापक क्षेत्र में सबसे गंभीर आतंकवादी खतरे के रूप में मूल्यांकन किया, जिससे अफगानिस्तान के अंदर बढ़ी हुई परिचालन क्षमताओं से लाभ हुआ। अनुमान है कि आईएसआईएल-के में परिवार के सदस्यों सहित 4,000 से 6,000 सदस्य हैं।

जरूरत पड़े तो ...

गैंगस्टरों को कैसे अनुशासित किया जाता है, पता है। कोलकाता नगर निगम के वकील को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अगर जरूरत पड़े तो उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से कुछ बुलडोजर किराये पर लें। हालांकि, इसके साथ-साथ जस्टिस गंगोपाध्याय ने कोलकाता पुलिस और नगर निगम की तारीफ भी की। उन्होंने अवैध निर्माण से जुड़े मामले में कोलकाता के मानिकतला थाने को भी शामिल करने का आदेश दिया। जस्टिस गंगोपाध्याय ने शुक्रवार को अवैध निर्माण मामले की सुनवाई करते हुए कोलकाता पुलिस की गुंडा दमन शाखा की तारीफ की। उन्होंने कहा कि कोलकाता पुलिस के इस डिवीजन के अधिकारी जानते हैं कि गैंगस्टरों को कैसे अनुशासित किया जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि मैं पुलिस और नगर निगम के बारे में कुछ नहीं कहूंगा। मैं जानता हूं कि उन्हें किन बाहरी दबावों के साथ काम करना पड़ता है। इस मामले की अगली सुनवाई अगले शुक्रवार को है।

बिहार में मोहर्रम...

पेड़ की टहनियां लेकर चल रहे थे। धर्मचक की ओर जाते समय युवकों के हाथों के हरे बांस ग्यारह हजार केवीए बिजली के तार के संपर्क में आ गए, जिससे 10 युवक मूर्छित हो गए। इससे वहां अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही उचकागांव थानाध्यक्ष सुभाष कुमार सिंह मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को सदर अस्पताल पहुंचाया। दो युवकों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें गोरखपुर रेफर कर दिया गया। एसपी स्वर्ण प्रधान के अनुसार अभी यहां स्थिति सामान्य है।

दल-बदल विरोधी ...

है। भारतीय संविधान की दसवीं अनुसूची में निर्वाचित एवं मनोनीत जन प्रतिनिधियों को उनके राजनीतिक दल से दल बदल करने पर रोकथाम और इस बुराई पर लगाम लगाने के लिए सख्त प्रावधान किए गए हैं। पिछले वर्ष जुलाई में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अध्यक्षता में हुई पीठासीन पदाधिकारियों की बैठक में कानून में संशोधन को लेकर कोई आम-सहमति नहीं बनी थी।

स्वर्वेद भाष्य

पंचम मंडल **द्वितीय अध्याय**

(क्षर)

विकृत विकार जड़त्व में, पञ्चभूत संसार।
स्थावर जंगम सृष्टि है, क्षर माया विस्तार॥ 01॥

शब्दार्थ : (जड़त्व) प्रकृति का धर्म (क्षर) नाशमान (माया) प्रकृति (विस्तार) फैलाव।

भाष्य : माया जड़ एवं नित्य वस्तु है, परंतु उसमें परिणाम, विकार होते हैं इसलिए वह परिणामी नित्य है। प्रकृति में विकृति अर्थात त्रिगुणों के भाव से पंचभूत स्थावर, जंगम जगत का विस्तार होता है। प्रकृति विकृति, क्षर हैं। नाशवान एवं अनित्य पदार्थ को क्षर कहते हैं। जड़-जगत माया का विस्तार है।

क्षर आकाश क्षर वायु है, क्षर अगिनी जल जान।
क्षर पृथिवी आधार में, रचना सकल महान॥ 02॥

शब्दार्थ : (क्षर) नाशमान।

भाष्य : आकाश, वायु, अग्नि, जल एवं पृथ्वी क्षर पदार्थ हैं। इन्हीं के द्वारा इस विशाल सृष्टि की रचना होती है।

एआईयूडीएफ के कार्यक्रम में कांग्रेस की हुई आलोचना

दक्षिण सालमारा (हिंस)। जिले के मानकचार में आज आयोजित एक कार्यक्रम में एआईयूडीएफ नेताओं द्वारा सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी की नहीं, बल्कि कांग्रेस पार्टी की ही आलोचना की गई। दरअसल, एआईयूडीएफ के वोट बैंक को अपने पक्ष में करने के लिए कांग्रेस सभी प्रकार का हथकंडा अपना रही है। यहां तक कि मुस्लिम तुष्टिकरण करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा ने भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मणी के प्रेम को लव जिहाद तक कह डाला। राज्य के मुस्लिम मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए कांग्रेस कोई कसर बाकी नहीं रखी है। कांग्रेस के इस हरकत से एआईयूडीएफ के नेता सकते में आ गए हैं। क्योंकि, एआईयूडीएफ का जन्म ही खुले तौर पर मुस्लिम मतदाताओं के एकजुट वोट से हुआ है। वहीं, कांग्रेस किसी भी कीमत पर एआईयूडीएफ के साथ चुनावी गठबंधन करने को राजी नहीं हो रही है। दूसरी ओर, राज्य के मुस्लिम मतदाताओं के सामने दुविधा की स्थिति बनी हुई है। भाजपा को राज्य की सत्ता से उखाड़ने के लिए मुस्लिम

मतदाताओं को कांग्रेस के साथ जाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। क्योंकि, एआईयूडीएफ कभी भी अपने बदौलत भाजपा सरकार को उखाड़ने में सक्षम नहीं हो सकेगी। यही वजह है कि एआईयूडीएफ के नेता भाजपा की जगह कांग्रेस को अधिक निशाना बना रहे हैं। आज मानकचार के झालरचर ग्राम पंचायत के अगप नेता अबुल कासेम के आवास पर हुई बैठक में एआईयूडीएफ के नेता ने जो कुछ कहा वह गौर करने की बात है। बैठक के बीच में एआईयूडीएफ के प्रखंड सचिव मनीम हुसैन मुन्ना की धमाकेदार टिप्पणी सामने आई। उन्होंने कहा कि भाजपा के दिनों में नहीं, मुसलमानों की केवल कांग्रेस के दिनों में ही क्षति हुई है। कांग्रेस के शासनकाल में नेल्ली हत्याकांड, बीटीएडी जैसी कई घटनाएं हुई हैं। मुस्लिम आज कांग्रेस के कारण ही डी-वोटर के रूप में डिटेंशन कैंपों में नारकीय जीवन जीने को बाध्य हैं। उधर, एआईयूडीएफ की बैठक में शामिल होने के बाद पार्टी के विधायक अमीनुल इस्लाम ने गोलाघाट में ट्रिपल मर्डर के बर्बर कृत्य के खिलाफ सख्त सजा की मांग की। एआईयूडीएफ के केंद्रीय संगठन मंत्री के विधायक अमीनुल इस्लाम की उपस्थिति में पार्टी में शामिल होने का समारोह आयोजित किया गया। अबुल कासेम सहित असम गण परिषद के सैकड़ों नेता और कार्यकर्ता एआईयूडीएफ में आज शामिल हुए।

महिला समेत तीन ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के वरिष्ठ पुलिस ने दो और पल्टन बाजार पुलिस ने एक ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया है। गुवाहाटी के पुलिस कमिश्नर ने शुक्रवार को मीडिया को बताया कि वशिष्ठ पुलिस की टीम ने 33.14 ग्राम हेरोइन समेत दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान मोफीज अली (24, मुकालमुआ) और दीपांकर हजारिका के रूप में की गई है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से ड्रग्स के अलावा एक स्कूटी (एएस-01एफएन-2234) छह मोबाइल फोन और नगद 1 लाख 02 हजार 8 सौ रुपए जब्त किए गए। वहीं, पल्टन बाजार पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर एक अभियान चलाकर 43 ग्राम हेरोइन के साथ अविरन बेगम (30) को उलुबारी क्रॉसिंग से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपित हेरोइन को 4 साबुनदानी में छुपा कर रखे थे। पुलिस दोनों मामलों में एनडीपीएस एक्ट के तहत अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार तस्करों से सघन पूछताछ कर रही है।

बंगाईगांव में पुलिस अधीक्षक सम्मेलन में मुख्यमंत्री

बंगाईगांव (हिंस)। राज्य के बंगाईगांव जिला मुख्यालय में नवनिर्मित पुलिस कन्वेंशन सेंटर में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा का राज्य के सभी पुलिस अधीक्षकों के साथ एक सम्मेलन आयोजित किया गया है। इस सम्मेलन में मुख्यमंत्री के साथ असम के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह तथा राज्य के सभी जिलों के पुलिस अधीक्षक मौजूद हैं। ज्ञात हो कि मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा अपने दो दिवसीय बंगाईगांव यात्रा के दूसरे दिन आज पुलिस कन्वेंशन सेंटर में आयोजित इस सम्मेलन में भाग ले रहे हैं। इस कंन्वेंशन सेंटर का उद्घाटन मुख्यमंत्री के हाथों हुआ है। इसका निर्माण 18 करोड़ रुपए की लागत से किया गया है। इससे पूर्व कल मुख्यमंत्री ने जिले में 555 करोड रुपए की योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास आदि किया। रात्रि का भोजन उन्होंने बंगाईगांव स्थित बीआरपीएल के गेस्ट हाउस में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ किया। अपने इस दो दिवसीय यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री ने जिले में चल रही विभिन्न योजनाओं को लेकर बैठकें की। समाचार लिखे जाने तक पुलिस अधीक्षकों का सम्मेलन जारी है।

रन फॉर योर लिवर रैली को मंत्री केशव मंहत ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

गुवाहाटी। नॉर्थ ईस्ट डाइजेस्टिव एंड लिवर फाउंडेशन ने विश्व हेपेटाइटिस दिवस को चिह्नित करने के लिए *रन फॉर योर लिवर* का आयोजन किया, जो हर साल 28 जुलाई को आयोजित किया जाता है। असम सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री केशव महंत ने रैली को लताशील प्लेग्राउंड से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अपने संबोधन में केशव महंत ने कहा कि वह डॉ. बीडी गोस्वामी के प्रयासों के साक्षी रहे हैं, जो हर साल ईमानदारी से विश्व हेपेटाइटिस दिवस मना रहे हैं और एक सच्चे योद्धा की तरह इस बीमारी के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व कर रहे हैं। इस रैली में समाज के कुछ प्रमुख व्यक्तियों के साथ 2000 से अधिक लोगों की भागीदारी देखी गई, जैसे डॉ. समुज्जल भट्टाचार्य- सलाहकार, आसू; चेतना दास, अभिनेत्री; नरेश कलिता- संपादक, नियामिया बार्टा; सत्येन शर्मा- वरिष्ठ अधिवक्ता, गुवाहाटी उच्च न्यायालय; डॉ. प्रतुल शर्मा, डॉ. अमिताव गोस्वामी और कई अन्य। गुवाहाटी के वरिष्ठ गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट और हेपेटोलॉजिस्ट डॉ. बीडी गोस्वामी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हम 2008 से इस दिन को मना रहे हैं। हमें उम्मीद है कि हम हेपेटाइटिस, विशेष रूप से हेपेटाइटिस बी और सी के बारे में अपने समुदायों के बीच जागरूकता पैदा करने में सक्षम हैं। मैं आज हमारे साथ जुड़ने और हमारी पहल को सफल बनाने के लिए सभी को धन्यवाद देना चाहता हूं। हमें उम्मीद है कि हम इसे आगे ले जा सकेंगे और बीमारी को खत्म करने में सफल होंगे। हेपेटाइटिस यकृत की सूजन है, जो आमतौर पर एक वायरल संक्रमण के कारण होता है। यह एक वैश्विक स्वास्थ्य समस्या है जहां हर 30 सेकंड में, वायरल हेपेटाइटिस से संबंधित बीमारी से किसी की मृत्यु हो जाती है। हालांकि, मौजूदा रोकथाम,

परीक्षण और उपचार सेवाओं के साथ जो उपलब्ध हैं, हेपेटाइटिस से संबंधित हर मौत को रोका जा सकता है। रैली में मौजूद आसू के सलाहकार डॉ. समुज्जल भट्टाचार्य ने कहा कि मैं डॉ. गोस्वामी के प्रयासों की सराहना करता हूं। यदि हम अपने पड़ोसियों, निकटतम समुदायों के बीच हेपेटाइटिस के बारे में जागरूकता फैलाने का बीड़ा उठाते हैं, तो हम इस उद्देश्य का समर्थन करने में सफल होंगे। 2008 से जुड़े चेतना दास ने इस तथ्य पर प्रकाश डाला कि प्रत्येक व्यक्ति को समय पर बीमारी का पता लगाने के लिए नियमित रूप से अपनी जांच करवानी चाहिए। हेपेटाइटिस को दुनिया भर में एक खतरनाक बीमारी माना जाता है और इसलिए उचित जागरूकता पैदा की जानी चाहिए। नेहरू स्टेडियम में रैली का समापन हुआ और एनडीआरएफ, बीएसएफ, असम पुलिस, स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया, स्काउट्स एंड गाइड्स, दिसपुर अस्पताल नर्सिंग स्कूल, दिसपुर पॉलीक्लिनिक नर्सिंग स्कूल, रहमान अस्पताल नर्सिंग स्कूल, आर्य अस्पताल नर्सिंग स्कूल आदि की सक्रिय भागीदारी देखी गई। प्रतिभागियों को स्वच्छ और हरित वातावरण बनाने में मदद करने के लिए आयोजन टीम द्वारा पेड़ के पौधे भी सौंपे गए।

नव नियुक्त 44 जूनियर इंजीनियरों को कृषि यंत्र संस्थान में मिला प्रशिक्षण

बिश्वनाथ (विभास)। विश्वनाथ महकमा के महकमाधिपति व अतिरिक्त उपायुक्त जय शिबानी ने भारत सरकार के अधीनस्थ विश्वनाथ में कृषि यंत्र प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संस्थान में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे असम सरकार के कृषि विभाग के 44 जूनियर इंजीनियरों से मुलाकात की और उनके साथ विचारों का आदान-प्रदान किया। संस्थान के निदेशक डॉ. पीपी राव ने प्रशिक्षु

इंजीनियरों से कृषक समुदाय को लाभ पहुंचाने के लिए प्राप्त अनुभव को प्रत्येक किसान के साथ साझा करने का आग्रह किया। महकमाधिपति ने आज प्रशिक्षण पूरा करने वाले इंजीनियरों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए। निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ कृषि अभियंता पीसी मेश्राम, कृषि अभियंता एसजी पवार, एम और पाटिल एवं संस्थान के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

152 बटालियन, ग्वालपाड़ा ने मनाया अपना 85वां स्थापना दिवस

ग्वालपाड़ा। ग्वालपाड़ा जिले में कानून व्यवस्था एवं शांति स्थापित करने हेतु सीआरपीएफ की 152 बटालियन के तैनाती है जोकि लगातार अपनी सेवाएं प्रदान कर रही है। शहर के शास्त्री नगर स्थित मुख्यालय में सीआरपीएफ का 85 वां स्थापना दिवस मनाया गया है। सीआरपीएफ की स्थापना 27 जुलाई 1939 को *क्राउन रिप्रजेंटेटिव पुलिस* के रूप में की गई और बल के कई बहादुर जवानों ने अपने प्राणों की आहुतियां भारत मां की रक्षार्थ दी है और सीआरपीएफ ने कई कीर्तिमान भी हासिल किए हैं। कार्यक्रम के शुभारंभ में सर्वप्रथम शहीदों को सलामी एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई एवं इसके पश्चात क्वार्टर गार्ड पर सेरेमोनियल गार्ड द्वारा कमांडेंट -

152 को सम्मान दिया गया। इस दौरान सभी अधिकारियों एवं जवानों में मिठाई वितरित की गई व एक दूसरे को शुभकामनाएं प्रेषित की गई। तत्पश्चात परेड ग्राउंड में सभी अधिकारियों एवं जवानों की उपस्थिति में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसके दौरान 1300 पौधे रोपित किए गए एवं मुख्यालय कैम्प के आसपास स्वच्छता अभियान चलाया गया और सभी अधिकारियों, जवानों व परिवार के सदस्यों ने उत्सुकता से भाग लिया। सांयकाल के दौरान वाहिनी मुख्यालय में खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें दोनों पक्षों की टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया और अन्य जवानों ने खेल का भरपूर आनन्द उठाया एवं संध्या के समय बड़े खाने का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजनों का जवानों ने भरपूर आनन्द उठाया। इस कार्यक्रम के दौरान श्री राकेश रंजन तिवारी द्वि कमां अधि, कमांडेंट -152 (एओएल), बाबू साहेब उप कमांडेंट, इंस्पेक्टर अशोक कुमार शर्मा (एसएम) अधीनस्थ अधिकारी, परिवार के सदस्य एवं जवान उपस्थित रहे।

विधायक तांती ने रखी कई योजनाओं की आधारशिला

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिलांतर्गत रंगापाड़ा क्षेत्र के विधायक कृष्ण कमल तांती ने आज कई योजनाओं की आधारशिला रखी। इस दौरान भाजपा के कार्यकर्ता और स्थानीय लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम के अनुसार इस योजना में फुलुगुड़ी गांव पंचायत के दुर्गा मंदिर का निर्माण, घोईराली चाय बगान स्थित श्मशान घाट, बोरझुली गांव पंचायत स्थित सोनाली प्राथमिक विद्यालय में अतिरिक्त श्रेणी कक्ष, नामोनी गांव पंचायत स्थित बेजबरुवा संघ में अनामय शौचागार, रंगापाड़ा उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय में-पथ पक्की करण, विष्णुपुर डिपुटा नदी के नजदीक श्मशान घाट, इसके अलावे कछारी गांव चाय बगान स्थित काली मंदिर की पक्की दीवार आदि का आज शुभ मुहूर्त और मांगलिक परिवेश के साथ आधारशिला रखी गई।

सीआरपीएफ की 175वीं बटालियन ने मनाया स्थापना दिवस

गुवाहाटी। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 175वीं वाहिनी द्वारा दिनांक 27/07/2023 को वाहिनी मुख्यालय, रानी, कामरुप में केरिपु बल का 85वां स्थापना दिवस बड़े धूमधाम व हर्षोउल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर स्वच्छता अभियान चलाया गया और राजीव कुमार झा, कमांडेंट 175वीं वाहिनी एवं बटालियन के अन्य अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों व जवानों द्वारा यूनिट के 04 शहीदों के साथ-साथ बल के अन्य शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। तत्पश्चात कमांडेंट 175 बटालियन, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल द्वारा सैनिक सम्मेलन को सम्बोधित किया गया। सैनिक सम्मेलन में उपस्थित अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों तथा जवानों को संबोधित करते हुए

कमांडेंट महोदय द्वारा स्थापना दिवस की महत्ता, केरिपु बल का इतिहास, इसकी तैनाती व उपलब्धियों के बारें में विस्तारपूर्वक बताया गया। केरिपु बल के स्थापना दिवस को यादगार बनाने के लिए वृक्षारोपण व सफाई अभियान चलाया गया, साथ ही अंतर कंपनी खेल-कूद प्रतियोगिता आयोजित की गई तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम व बड़ा खाना का भी आयोजन किया गया। भिन्न-भिन्न स्पर्धाओं के विजेताओं, उप विजेताओं को सांस्कृतिक कार्यक्रम के उपरांत मुख्य अतिथि द्वारा पारितोषिक देकर सम्मानित किया गया। बटालियन में आयोजित किए गए समस्त कार्यक्रमों में बटालियन में उपस्थित अधिकारीगण, जवान व उनके परिवार के सदस्य शामिल हुए। अंत में अपने धन्यवाद भाषण में राजीव कुमार झा, कमांडेंट 175वीं वाहिनी द्वारा इस आयोजन में उपस्थित यूनिट के अधिकारियों, कार्मिकों, परिवारजनों को धन्यवाद दिया व सांस्कृतिक टीम व प्रबंधकों को भव्य व मनोरंजक कार्यक्रम प्रस्तुत करने हेतु उनकी प्रशंसा की गई।

हेरोइन समेत दो गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के गोरचुक पुलिस ने हेरोइन समेत दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। गुवाहाटी के पुलिस कमिश्नर ने शुक्रवार को बताया कि गोरचुक पुलिस द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर शनिवार बाजार में चलाए गए अभियान के दौरान दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार ड्रग्स तस्करों की पहचान शनीदुल इस्लाम (24) और जीतू राजवंशी (21) के रूप में की गई है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों के पास से 18 प्लास्टिक के छोटे-छोटे सीसी में भर कर रखे गए हेरोइन बरामद किया गया है। गिरफ्तार दोनों आरोपी इलाके में हेरोइन को बेचने के लिए पहुंचे थे। जिसका वजन 2.18 ग्राम आंकी की गई है।

सामाजिक कार्यकर्ता रमेश बेरीवाल के निधन से क्षेत्र में शोक

होजाई (निसं)। आदर्श दुर्गा पूजा समिति के सक्रिय सदस्य व विशिष्ट व्यवसाई रमेश बेरीवाल (63) के निधन के समाचार से उनके शुभचिंतकों व परिवार के सदस्यों में शोक की लहर छा गई। गौरतलब है की बेरीवाल का निधन वृहस्पतिवार को गुवाहाटी के एक प्राइवेट अस्पताल में हुआ। वे कई दिनों से अस्वस्थ थे। बेरीवाल कई सामाजिक संगठनों से जुड़े हुए थे। वे मारवाड़ी युवा मंच होजाई शाखा के कार्यक्रमों में अहम भूमिका निभाया करते थे व मंच द्वारा आयोजित नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविरों में निरंतर सेवाएं प्रदान करने हेतु उन्हें कई बार पुरस्कृत किया जा चुका है। वे समाज के हर कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया करते थे। श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में आयोजित श्री हनुमान जन्मोत्सव में तकरीबन एक दशक तक उन्होंने व उनके परिवार के सदस्यों ने सजीव झांकियों को सजाने हेतु अपनी महत्वपूर्ण सेवाएं

दी जिसके लिए उन्हें कई बार पुरस्कृत किया गया। सन 1980 से ही उन्होंने आदर्श दुर्गा पूजा समिति में सक्रिय सदस्य के रूप में अपनी सेवाएं देना शुरू की। सन 2017 में उन्होंने आमतोला गांव में श्री श्री हनुमान मंदिर का निर्माण कर स्थानीय भक्तों को समर्पित किया। वे सहारा इंडिया परिवार से भी जुड़े हुए थे जिससे पूरे अंचल के लोगों में उनकी एक अच्छी पहचान थी।

मुख्यमंत्री ने दी मंगलदै के युवक को रेसिंग साइकिल

दरंग (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलदै के एक साइकिल रेसर पराग बरुवा को एक रेसिंग साइकिल दी है। ज्ञात हो कि पराग बरुवा नामक युवक ने मुख्यमंत्री से बेहतर गुणवत्ता वाली साइकिल की मांग की थी। मुख्यमंत्री ने उदीयमान खिलाड़ी को 1 लाख 80 हजार रुपए की साइकिल दी। दरंग के अंतर्राष्ट्रीय साइकिलिस्ट पराग बरुवा ने कुछ दिन पहले रेसिंग साइकिल के लिए मुख्यमंत्री के पास आवेदन किया था। याचिका के आधार पर मुख्यमंत्री ने एथलीट को अच्छी गुणवत्ता की साइकिल दी। कल शाम पराग बरुवा ने दरंग जिले के जिलाधिकारी कार्यालय से मुख्यमंत्री द्वारा दी गई रेसिंग साइकिल प्राप्त की।

देश भक्ति दिवस के अवसर पर आज 28/07/23 को ब्लॉक-ए, जनता भवन के सामने पुष्पांजलि समारोह आयोजित किया गया। सैयदेन अब्बासी, आईएएस, अतिरिक्त। असम सरकार के मुख्य सचिव, अविनाश जोशी, आईएएस, असम सरकार के प्रधान सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

NO. CE/H&UA/TECH-17/PT-III/2022-23/81

NOTICE INVITING TENDER

E-Tenders are invited from the intending Class-I contractors/firms for execution of **"Construction & Beautification of Rajmaw Pukhuri, Hatigarh Shiv Doul Pukhuri, Jorhat for the year 2023-24"** required in the Department of Housing and Urban Affairs, Technical Cell, Rajgarh Main Road, with an estimated amount of INR 1,64,98,000.00. An amount of INR 3,30,000.00 to be submitted as EMD/Bid Security. Tender documents can be downloaded from www.assamtenders.gov.in from 28/07/2023 (14:00 hours).

- The Last date of submission of tender documents is 10.08.2023, 14:00 Hours.
- The bid will be opened online on the e-procurement portal on 11.08.2023, 15:00 Hours.

The TIA reserve the right to accept or reject any bid/tender, and to cancel/annul the bidding process and reject all the bids at any time prior to contract award.

Sd/-
Chief Engineer (Technical Cell)
Department of Housing & Urban Affairs
55-Rajgarah Main Road
Guwahati

-- Janasanyog /C/8018/23

जलवायु एक्शन अंत्योदय का अनुसरण करें : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि धरती मां का संरक्षण और उसकी देखभाल हमारी बुनियादी जिम्मेदारी है। वर्तमान में यह जिम्मेदारी जलवायु परिवर्तन को रोकने की दिशा में हमें अपने कर्तव्यों का ध्यान कराती है। इन कर्तव्यों को हम काफी लंबे समय तक से नजरअंदाज करते आए हैं। उन्होंने यह आह्वान वीडियो संदेश के माध्यम से जी-20 की पर्यावरण एवं जलवायु सस्टेनेबिलिटी मंत्री स्तरीय बैठक के संबोधन में किया। उन्होंने कहा कि जलवायु एक्शन को अंत्योदय का अनुसरण करना चाहिए। इसका अर्थ है कि हमें इस बात को सुनिश्चित करना चाहिए समाज के आखिरी व्यक्ति का उत्थान और विकास सुनिश्चित हो। वैश्विक दक्षिण से जुड़े देशों का जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय संकट से सबसे ज्यादा प्रभावित है। हमें संयुक्त राष्ट्र जलवायु कन्वेंशन और पेरिस समझौते के तहत अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने में तेजी लानी चाहिए। इससे वैश्विक दक्षिण के देश अपनी विकास से जुड़ी आकांक्षाओं को जलवायु अनुरूप पूरा कर सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन्हें गर्व है कि भारत अपने उदाहरण को सामने रखकर यह बात कह रहा है। हमने अपनी जलवायु प्रतिबद्धता को तेजी से पूरा किया है। आज भारत अपनी अक्षय ऊर्जा क्षमता के आधार पर दुनिया के पांच शीर्ष देशों में है। साथ ही अमृत सरोवर के माध्यम से हम वर्षा जल संचयन का काम कर रहे हैं। इसके तहत केवल एक साल में 63 हजार जलाशयों का निर्माण हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत की परंपरागत सीख यही रही है कि नदियां कभी अपना जल नहीं पीतीं और वृक्ष कभी अपना फल नहीं खाते। साथ ही बादल जो वर्षा करते हैं वह भी उस से उत्पन्न होने वाले अनाज को नहीं खाते। प्रकृति हमें केवल देती है। ऐसे में हमारा भी कर्तव्य बनता है कि हम उसको कुछ दें। उन्होंने कहा, "मैं एक टिकाऊ और लचीली नीली और महासागर आधारित अर्थव्यवस्था के लिए जी20 के उच्च स्तरीय सिद्धांतों को अपनाने के लिए उत्सुक हूं। इस संदर्भ में, मैं जी20 से प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने के लिए एक प्रभावी अंतरराष्ट्रीय कानूनी-बाध्यकारी उपकरण के लिए रचनात्मक रूप से काम करने का भी आग्रह करता हूं।"

भारत सेमीकंडक्टर उद्योग के लिए रेड कार्पेट बिछा रहा है: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भारत सेमीकंडक्टर उद्योग के लिए आज रेड कार्पेट बिछा रहा है। भारत के पास तकनीक, जनसांख्यिकी, लोकतंत्र और रिफोर्म्स के प्रति समर्पित सरकार है। ऐसे में कहा जा सकता है कि भारत सेमीकंडक्टर क्षेत्र के लिए गुड कंडक्टर बन रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज गांधीनगर के महात्मा मंदिर में सेमीकॉनइंडिया 2023 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने सभा को भी संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज की वैश्विक परिस्थिति में दुनिया के देशों को चिप मुहैया कराने के लिए एक विश्वसनीय सहयोगी की जरूरत है। ऐसे में दुनिया का सबसे बड़े लोकतंत्र से ज्यादा विश्वसनीय भागीदार कौन हो सकता है। सम्मेलन का विषय है - 'भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को उत्प्रेरित करना।' इसका उद्देश्य उद्योग जगत, शिक्षा जगत और अनुसंधान संस्थानों से जुड़े विश्व स्तर के अग्रणी व्यक्तियों को एक साथ लाना है। यह भारत की सेमीकंडक्टर रणनीति और नीतियों को प्रदर्शित करता है, जो भारत को सेमीकंडक्टर के डिजाइन, विनिर्माण और प्रौद्योगिकी विकास के लिए एक वैश्विक केंद्र बनाने की परिकल्पना करते हैं। सेमीकॉनइंडिया 2023 में माइक्रोन टेक्नोलॉजी, एप्लाइड मैटेरियल्स, फॉक्सकॉन, एसईएमआई, कैडेंस और एएमडी जैसी प्रमुख कंपनियों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।

सामूहिक प्रयास से 2030 तक हो सकता है हेपेटाइटिस का खत्मा : डॉ. मनसुख मांडविया

अजय त्यागी

नई दिल्ली। विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर शुक्रवार को संसद परिसर में जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर केन्द्रीय स्वास्थ्यमंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, आईएलबीएस के निदेशक डॉ. सरीन सहित कई विशेषज्ञ मौजूद रहे। इस मौके पर डॉ. मांडविया ने कहा कि हेपेटाइटिस एक रोकथाम योग्य और उपचार योग्य बीमारी है। सामूहिक प्रयास से हम 2030 तक इस घातक बीमारी को खत्म कर देंगे। उन्होंने आह्वान किया कि देश को हेपेटाइटिस मुक्त भारत बनाने के लिए लोगों को साथ आना चाहिए और इसे जन आंदोलन बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि देश में लिवर संबंधित बीमारियों से 4-5 करोड़ लोग पीड़ित हैं, इसके इलाज के लिए 700 से अधिक अस्पतालों में सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि लिवर रोग के बारे में लोगों में जागरूकता बेहद जरूरी है। स्वास्थ्य के प्रति लोगों में जागरूकता जरूरी है। क्या है हेपेटाइटिसः हेपेटाइटिस इतनी खतरनाक बीमारी है कि अगर समय रहते इस पर ध्यान न दिया जाए तो यह शरीर के हर अंग को प्रभावित करती है। यह एक संक्रामक बीमारी है, जो लिवर को प्रभावित करता है। लिवर में सूजन ही हेपेटाइटिस का कारण बनता है। कई दूसरे कारणों से भी यह रोग शरीर में लग सकता है। इसकी चपेट में आने के बाद किसी व्यक्ति की सेहत और जीवन काफी समस्याओं से भर सकता है। हेपेटाइटिस के कई प्रकार हैं जिसमें हेपेटाइटिस बी, सी शामिल है। क्यों मनाया जाता है हेपेटाइटिस दिवसः नोबेल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक डॉ बारूक ब्लमबर्ग ने हेपेटाइटिस बी वायरस की खोज करने के बाद इस वायरस के इलाज के लिए डायगोनस्टिक टेस्ट और वैक्सीन का भी विकास किया गया। डॉ ब्लमबर्ग के इस खोज के सम्मान में उनके जन्म दिवस 28 जुलाई को वर्ल्ड हेपेटाइटिस डे मनाया जाता है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन की ओर से वर्ष 2008 में पहली बार वर्ल्ड हेपेटाइटिस डे को मनाया गया।

लोकसभा ने खान और खनिज संशोधन विधेयक पारित किया

नई दिल्ली, (हि.स.)। लोकसभा ने शुक्रवार को खान और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक, 2023 पारित कर दिया। इसमें महत्वपूर्ण खनिजों के लिए निजी क्षेत्र को अन्वेषण का लाइसेंस देने का प्रावधान है। खान और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक, 2023, केंद्र सरकार को कुछ महत्वपूर्ण खनिजों के लिए विशेष रूप से खनन पट्टे और समग्र लाइसेंस की नीलामी करने का अधिकार देता है। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री प्रह्लाद जोशी ने लोकसभा में विचार और पारित करने के लिए विधेयक पेश किया। इस दौरान विपक्षी सदस्य मणिपुर मुद्दे पर सदन में विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। संक्षिप्त चर्चा का उत्तर देते हुए जोशी ने कहा कि पहले देश कोयले के आयात पर काफी हद तक निर्भर था लेकिन अब कोयला उत्पादन में वृद्धि के साथ स्थिति बदल गयी है। उन्होंने विधेयक में संशोधन को गेम चेंजर बताते हुए कहा कि हम 1 अरब टन कोयले का उत्पादन करने जा रहे हैं और भारत को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाएंगे। जोशी ने कहा कि हमने 2025-26 तक कोयला आयात बंद करने का निर्णय किया है। उन्होंने कहा कि विधेयक में अन्वेषण (एक्सप्लोरेशन) लाइसेंस का प्रस्ताव रखा गया है जोकि निर्दिष्ट खनिजों के लिए पूर्व परीक्षण या पूर्वेक्षण, या दोनों गतिविधियों के लिए अधिकृत करेगा। यह पूरी तरह से पारदर्शी माध्यम से होगा। अन्वेषण लाइसेंस राज्य सरकार द्वारा प्रतिस्पर्धी बोली के माध्यम से प्रदान किया जाएगा। केंद्र सरकार नियमों के जरिए अन्वेषण लाइसेंस के लिए नीलामी के तरीके, नियम, शर्तें और मानदंड जैसे विवरण निर्धारित करेगी। बाद में विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी के बीच विधेयक को ध्वनि मत से पारित कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि खान और खनिज (विकास एवं रेगुलेशन) संशोधन बिल, 2023 को लोकसभा में 26 जुलाई को पेश किया गया था। बिल खान और खनिज (विकास एवं रेगुलेशन) एक्ट, 1957 में संशोधन करता है। विधेयक के अनुसार सातवीं अनुसूची में निर्दिष्ट 29 खनिजों के लिए अन्वेषण लाइसेंस जारी किया जाएगा। इसमें सोना, चांदी, तांबा, कोबाल्टन, निकल, सीसा, पोटाश और रॉक फास्फो रस शामिल हैं।

रामनवमी हिंसा मामले में एनआईए जांच रोकने फिर हाईकोर्ट पहुंची ममता सरकार

कोलकाता, (हि.स.)। रामनवमी के दौरान राज्य के विभिन्न हिस्सों में हुई हिंसा की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) फिलहाल कर रही है। इसे रोकने के लिए एक बार फिर पश्चिम बंगाल सरकार ने कलकत्ता हाई कोर्ट का रुख किया है। इसी हफ्ते सुप्रीम कोर्ट ने घटना की एनआईए जांच में हस्तक्षेप करने से इनकार किया था। इसके बाद एनआईए ने हाईकोर्ट में एक याचिका दायर कर दावा किया है कि मामले की जांच में पश्चिम बंगाल सरकार सहयोग नहीं कर रही है। इसके बाद शुक्रवार को राज्य सरकार ने नए सिरे से याचिका लगाकर एनआईए कानून को अवैध घोषित करने की मांग की है। शुक्रवार को ममता बनर्जी की सरकार ने कलकत्ता हाई कोर्ट के जस्टिस सब्यसाची भट्टाचार्य की बेंच में एनआईए एक्ट को अवैध घोषित करने की मांग करते हुए केस दायर किया। हालांकि न्यायमूर्ति भट्टाचार्य ने तुरंत मामले से हटने की घोषणा की। याचिका में कोर्ट के आदेश के आधार पर केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी निर्देश को भी खारिज करने की मांग की गई है। पिछले मार्च में उपद्रवियों ने राज्य के विभिन्न हिस्सों में रामनवमी जुलूसों को निशाना बनाया था।

हावड़ा, रिषड़ा, दालखोला समेत राज्य के विभिन्न इलाके सांप्रदायिक हिंसा की चपेट में थे। विपक्षी नेता शुभेंदु अधिकारी ने घटना की एनआईए जांच की मांग करते हुए कलकत्ता उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने याचिका स्वीकार कर ली और एनआईए जांच का आदेश दिया। राज्य इस आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट गया। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के फैसले में दखल देने से इनकार कर दिया। इसके बाद केंद्र सरकार ने रामनवमी हिंसा की एनआईए जांच के लिए अधिसूचना जारी कर दी। हालांकि एनआईए का दावा है कि पिछले कुछ महीनों में राज्य सरकार उन्हें जांच में सहयोग नहीं कर रही है।

मैहर में बच्ची से दुष्कर्म को लेकर गर्माई राजनीति, कांग्रेस ने सरकार को घेरा

भोपाल, (हि.स.)। सतना जिले के मैहर मे 11 वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म के मामले को लेकर प्रदेश की राजनीति गमार्ने लगी है। विपक्षी दल कांग्रेस ने इसे लेकर शिवराज सरकार को घेरा है और सरकार पर बेटियों को सुरक्षा देने में असफल होने का आरोप लगाया है। वहीं, मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने दोषियों को बख्शे न जाने की बात कही है। मैहर की घटना को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने ट्विटर के जरिए मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान पर हमला बोला है। उन्होंने ट्वीट किया है- मैहर में छोटी बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना अत्यंत निंदनीय है। बच्ची के साथ निर्भया कांड की तरह अमानवीय व्यवहार किये जाने की बात भी सामने आ रही है। प्रदेश में आए दिन बच्चियों के साथ अत्याचार की घटनाओं ने साबित कर दिया है कि शिवराज सरकार बहन-बेटियों को सुरक्षा देने में पूरी तरह नाकाम हो चुकी है। मैं मुख्यमंत्री से मांग करता हूं कि बेटी को अच्छे से अच्छा उपचार उपलब्ध कराया जाए और उसे तत्काल एक करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता दी जाए। वहीं, इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने भी ट्वीट किया है। उन्होंने कहा कि मैहर में बेटी के साथ दुष्कर्म की जानकारी मिली है। मन पीड़ा से भरा हुआ है, व्यथित हूं। मैंने पुलिस को निर्देश दिए हैं कि कोई भी अपराधी बचना नहीं चाहिए। पुलिस ने अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि बेटी के समुचित इलाज की व्यवस्था की जाए। कोई भी अपराधी बचेगा नहीं, कठोरतम कार्रवाई की जाएगी।

शुभेंदु ने लगाया भतीजे को 152 करोड़ रुपये देने का आरोप

कोलकाता, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी और पश्चिम बंगाल सरकार पर गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया है कि मुख्यमंत्री के अधिनस्थ गृह विभाग के ग्रीवांस सेल में इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने के नाम पर 152 करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार हुआ है जो सीधे तौर पर भतीजे के पास गई है। राज्य विधानसभा में मीडिया से मुखातिब शुभेंदु ने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विभाग से संबंधित ग्रीवांस सेल के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट हेतु सूचना और संस्कृति विभाग से टेंडर जारी किया गया था। कई संस्थाओं ने टेंडर भरा था। दिल्ली की एक संस्था से सहमति बन गई थी। उसके अधिकारियों के साथ सूचना और संस्कृति विभाग के अधिकारियों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग बैठक हो गई थी लेकिन उसके बाद ही आईपैक (प्रशांत किशोर की संस्था) की ओर से इस पर आपत्ति जताई गई। क्योंकि संबंधित संस्था उनकी पसंदीदा नहीं थी। बाद में आईपैक की पसंदीदा संस्था को टेंडर दिया गया। उन्होंने कहा कि वेबेल को पहले टेंडर दिया गया था लेकिन बाद में इसे बदलकर डब्ल्यूबीटीएल नाम की संस्था को टेंडर दिया गया जो सीधे तौर पर भतीजे से संबंधित है। कुल 152 करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार हुआ है जो गृह मंत्रालय से संबंधित है।

महाराष्ट्र के बाढ़ पीड़ितों के बैंक खातों में सीधे भेजी जाएगी मदद की रकम : एकनाथ शिंदे

मुंबई, (हि.स.)। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि महाराष्ट्र के बाढ़ पीड़ितों की राज्य सरकार बढ़-चढ़कर मदद करेगी। जून से अब तक भारी बारिश से हुए नुकसान को देखते हुए जल्द मदद की रकम लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजी जाएगी। सीएम शिंदे ने कहा कि पूरे राज्य में बारिश की रफ्तार तेज हो गई है और कुछ इलाकों में भारी बारिश और बाढ़ के पानी से नागरिकों के घरों और संपत्तियों को नुकसान पहुंचा है। राज्य सरकार ने ऐसी स्थितियों में आपदा पीड़ितों की मदद के लिए हमेशा हाथ बढ़ाया है और पीड़ितों को 5000 रुपये की अतिरिक्त मदद दी जाने वाली है। यह बढ़ी हुई मदद जून से अक्टूबर तक चालू मानसून सीजन के दौरान प्राकृतिक आपदाओं के लिए प्रदान की जाएगी। सीएम शिंदे ने कहा कि घर के जलमग्न होने, पूरी तरह से बह जाने या पूरी तरह ढह जाने पर कपड़ों के नुकसान के लिए प्रति परिवार 2500 रुपये और घरेलू बर्तनों, वस्तुओं के नुकसान के लिए प्रति परिवार 2500 रुपये वर्तमान में प्रदान किए जाते हैं।

राज्य सरकार ने अब यह राशि दोगुनी कर दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कपड़े और घरेलू बर्तनों के नुकसान पर अब 10,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। राज्य आपदा कोष से दुकानदारों को भी आर्थिक मदद देने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि दुकान पानी में डूब जाए, दुकान पूरी तरह बह जाए या दुकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो जाए तो ऐसे दुकानदारों को नुकसान का 75 प्रतिशत या अधिकतम 5000 रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी। इसी तरह टपरी धारकों को भी पंचनामे के आधार पर वास्तविक नुकसान का 75 प्रतिशत अथवा अधिकतम 10 हजार रुपये तक की विशेष आर्थिक सहायता दी जायेगी। यह आर्थिक मदद आधिकारिक तौर पर पंजीकृत और लाइसेंस प्राप्त पीड़ितों को प्रदान की जाएगी, जो स्थानीय निवासी हैं, जिनका नाम स्थानीय मतदाता सूची में है और जो राशन कार्ड धारक हैं।

जयशंकर ने कहा, क्वाड के भविष्य को लेकर बहुत आशावादी हैं

नई दिल्ली (ईएमएस)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने क्वाड के काम करने के नए तरीके को लचीला और खुले विचारों वाला बताकर शुक्रवार को कहा कि महत्वपूर्ण रिश्तों का भविष्य इसी रास्ते पर चलने वाला है, वे 1945-50 वाले रास्ते पर नहीं चलने वाले हैं। अपने जापानी समकक्ष योशिमासा हयाशी के साथ मीडिया को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि वह क्वाड के भविष्य को लेकर बहुत आशावादी हैं, क्योंकि काम करने का नया तरीका अधिक लचीला और खुले विचारों वाला है। जयशंकर ने कहा कि क्वाड के भविष्य के लिए मैं वास्तव में बहुत आशावादी हूं। क्वाड की हर बैठक एजेंडे पर निर्भर होती है और हमें काम करने के लिए मुद्दे देती है। हम कहां जा रहे हैं, इसके बारे में और भी कई विचार हैं। जयशंकर ने कहा कि 2017 में क्वाड को फिर से शुरू किया। हर छह महीने में लोग क्वाड को डेड बताते हैं। हर बार जब इसका पुनर्जन्म हुआ, तब यह और अधिक मजबूत हुआ। उन्होंने कहा कि मुद्दे बहुत व्यावहारिक हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि यह हमें काम करने के लिए कई और मुद्दे दे रहा है। और हर बैठक के बाद मुझे लगता है कि वास्तव में इस बारे में कई और विचार हैं कि हम कहाँ जा रहे हैं। इसलिए मैं आज इस बात से बहुत सहमत हूं कि काम करने का यह नया तरीका बहुत लचीला, बहुत खुले दिमाग वाला, बहुत अधिक लेन-देन वाला है। भारत और जापान ने 1952 में राजनयिक संबंध स्थापित किए।

'इंडिया' का प्रतिनिधिमंडल करेगा मणिपुर का दौरा : राघव चड्ढा

अजय कुमार

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने शुक्रवार को कहा कि विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) का एक प्रतिनिधिमंडल जल्द ही मणिपुर का दौरा करेगा। चड्ढा ने मीडियाकर्मियों से कहा कि मणिपुर में हजारों लोग बेघर हो गए हैं। सैकड़ों लोगों की जान चली गई और महिलाओं के खिलाफ जघन्य अपराध हुए हैं। संसद के दोनों सदनों में मणिपुर को लेकर हम चर्चा की मांग कर रहे हैं। विपक्ष चाहता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी खुद इस मुद्दे पर सदन में जवाब दें। उन्होंने कहा कि विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव को लोकसभा अध्यक्ष की ओर से स्वीकार किए जाने के बाद जब तक उस प्रस्ताव पर बहस और मतदान नहीं हो जाता, नियमतः तब तक कोई अन्य विधायी कार्य नहीं किया जा सकता, लेकिन भाजपा सरकार इन नियमों का उल्लंघन कर रही है। नियमित कामकाज कर रही है। मणिपुर की एक वीडियो की जांच सीबीआई द्वारा अपने हाथ में लेने के मामले पर चड्ढा ने कहा कि इसपर कार्रवाई करने में काफी देर हो चुकी है। भाजपा को 80-85 दिन लग गए कार्रवाई करने में जबकि राज्य सरकार की निष्क्रियता के कारण लोग हर दिन परेशान हो रहे हैं।

चीन के अवैध कब्जे वाले अक्साई चिन क्षेत्र के पास मेगा लाइव फायरिंग करेगी सेना

- एलएसी पर 31 जुलाई से 5 अगस्त तक प्रशिक्षण अभ्यास के लिए नो फ्लाई जोन जारी
- सेना प्रमुख चीन और पाकिस्तान की सीमाओं के अग्रिम इलाकों की कर रहे हैं समीक्षा

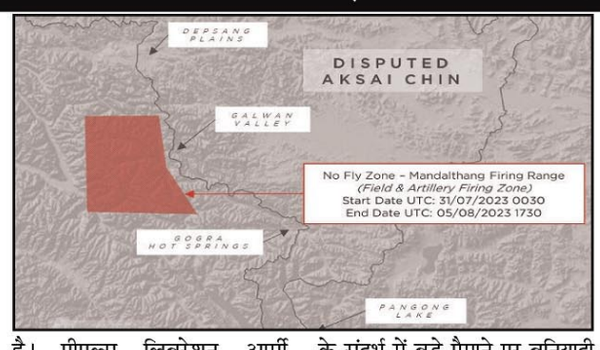

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारत ने 1962 के युद्ध के बाद से चीन के अवैध कब्जे वाले विवादित अक्साई चिन क्षेत्र के आसपास मेगा लाइव फायरिंग और प्रशिक्षण अभ्यास के लिए वास्तविक नियंत्रण रेखा पर (एलएसी) पर नो फ्लाई जोन जारी किया है। यह अभ्यास 31 जुलाई से 5 अगस्त तक होगा। इधर, मौजूदा समय में पूर्वी लद्दाख से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक फैली एलएसी पर चीन की सैन्य गतिविधियों में वृद्धि देखी जा रही है। इसीलिए सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे इस समय चीन और पाकिस्तान की सीमाओं पर जाकर अग्रिम इलाकों की समीक्षा कर रहे हैं। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने गुरुवार को लेह में 14 कोर मुख्यालय का दौरा करके परिचालन स्थिति की समीक्षा की। जनरल मनोज पांडे ने लद्दाख के उपराज्यपाल ब्रिगेडियर (डॉ.) बीडी मिश्रा (सेवानिवृत्त) से मुलाकात की और केंद्र शासित प्रदेश की विकासात्मक पहल और नागरिक-सैन्य तालमेल बढ़ाने के उपायों से संबंधित पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने पाकिस्तान के मोर्चे पर सियाचिन ग्लेशियर का भी दौरा किया। जनरल मनोज पांडे ने लद्दाख के अग्रिम इलाकों का दौरा किया और उन्हें परिचालन तैयारियों के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने सैनिकों के साथ बातचीत करते हुए उन्हें अत्यधिक व्यावसायिकता और सकारात्मक भावना के साथ काम करना जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। शुक्रवार को चीन के सामने एलएसी के कुछ आगे के इलाकों का दौरा करने की योजना है।

भारत के साथ 23 अप्रैल को हुई कोर कमांडर स्तर की बैठक के दौरान चीन ने एक बार फिर रणनीतिक डेप्सांग मैदानों के साथ-साथ पूर्वी लद्दाख के डेमचोक में चार्डिंग निंगलुंग नाला ट्रैक जंक्शन पर सेना हटाने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद कोर कमांडर स्तरीय वार्ता का 19वां दौर अभी नहीं हुआ है। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने पूर्वी लद्दाख में सैन्य टकराव को हल करने के लिए अभी तक कोई झुकाव नहीं दिखाया है, जबकि चीनी सेना सिस्टम, रडार साइटें और गोला-बारूद भंडारण, बंकरों, चौकियों, तोपखाने की स्थिति, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल के मामले में अपनी सैन्य स्थिति को लगातार मजबूत कर रही है। इतना ही नहीं, पीएलए ने नए हेलीपैड, सड़कों, पुलों, सीमावर्ती गांवों और अंतिम-मील कनेक्टिविटी के संदर्भ में बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे का विकास जारी रखा है, जिसमें पिछले कुछ महीनों से तेजी आई है। चीन ने भारत के सामने अपने सभी हवाई अड्डों जैसे हॉटन, काशगर, गर्गुंसा, शिगात्से, होपिंग, लिंगजी और ल्हासा-गोंगगर को नए और विस्तारित रनवे, कठोर आश्रयों और अतिरिक्त लड़ाकू विमानों, बमवर्षकों, अवाक्स, ड्रोन और टोही के लिए ईंधन भंडारण सुविधाओं के साथ बड़े पैमाने पर उन्नत किया है। इसके अलावा अब सात से आठ नए हवाई क्षेत्र और हेलिपोर्ट भी आ रहे हैं। भारत के साथ लगी 3,488 किलोमीटर लंबी एलएसी के सभी तीन सेक्टरों पश्चिमी (लद्दाख), मध्य (उत्तराखंड, हिमाचल) और पूर्वी (सिक्किम, अरुणाचल) में जमीन पर पीएलए की गतिविधि तेज हो गई है। पैन्गोंग झील के उत्तरी छोर से दोनों सेनाओं की वापसी के बाद पीएलए ने फरवरी, 2021 में बनाए गए 'नो पेट्रोल बफर जोन' के पास सैन्य आश्रयों, हथियार प्रणालियों और आक्रमण नौकाओं की संख्या में वृद्धि की है।

साथ ही उत्तरी तट पर 'फिंगर-8' और पूर्व में सिरिजाप-क और क्क पर चीनी सैन्य ठिकानों के बीच बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे का विकास हुआ है। उत्तराखंड में बाराहोती के सामने और मध्य क्षेत्र में लिपुलेख दर्रे के आसपास के दोहरे उपयोग वाले गांवों का निर्माण हुआ है। पूर्व में सियांग, कामेंग और अरुणाचल प्रदेश के अन्य हिस्सों में पीएलए निर्माण गतिविधि चल रही है।

अब शिक्षकों को भी डिजिटली स्मार्ट बना रही योगी सरकार

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के साथ-साथ योगी सरकार प्राइमरी के शिक्षकों को भी स्मार्ट वर्किंग स्टाइल अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। इसी क्रम में राज्य परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा उत्तर प्रदेश द्वारा प्रेरणा पोर्टल पर डिजिटल रजिस्टर्स नाम से नए मॉड्यूल का विकास किया जा रहा है। इस मॉड्यूल के आधार पर डिजिटल रजिस्टर्स के उपयोग के संबंध में शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद ये शिक्षक स्मार्ट तरीके से विद्यालय से जुड़े रोजमर्रा के काम को डिजिटली अपडेट कर पाएंगे। उन्हें मैनुअली रजिस्टर नहीं भरना होगा, बल्कि मोबाइल पर ही उनके ये सारे काम हो जाएंगे। शिक्षकों के प्रशिक्षण के संबंध में विभाग द्वारा जल्द ही नियमावली जारी की जाएगी। उल्लेखनीय है कि प्राथमिक विद्यालयों में मैनुअल रजिस्टर के बजाए अब शिक्षक डिजिटल रजिस्टर का उपयोग करेंगे। इसके लिए सरकार की ओर 12 रजिस्टर्स को डिजिटल करने का निर्देश दिया गया है। आगे चलकर इन पर ऑनलाइन रियल टाइम अपडेशन भी किया जाएगा। राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद के निदेशक डॉ. पवन कुमार ने इस संबंध में उप शिक्षा निदेशक और समस्त जिलों के जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य को टाइम एंड मोशन स्टडी के आधार पर विद्यालय रजिस्टर्स के डिजिटाइजेशन और शिक्षकों के प्रशिक्षण के संबंध में पत्र जारी करके जानकारी दी है। इसके अनुसार डिजिटल रजिस्टर्स का उपयोग विद्यालयों में प्रभावी होने के पहले के समस्त रजिस्टर विद्यालय स्तर पर अभिलेख के रूप में संरक्षित किए जाएंगे। डिजिटल रजिस्टर्स के प्रभावी होने पर इन रजिस्टर्स का अवलोकन खंड शिक्षा अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, जिलाधिकारी एवं राज्य उच्चाधिकारियों द्वारा प्रेरणा एप पर किया जाएगा एवं प्रेरणा पोर्टल के नए डिजिटल रजिस्टर्स मॉड्यूल में डिजिटल किए गए रजिस्टर्स में अंकित विवरण ही प्रमाणित माने जाएंगे। राज्य सरकार के प्रवक्ता के मुताबिक विद्यालयों में बच्चों को शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ शिक्षकों को दिनभर की तमाम गतिविधियों के लिए कई सारे रजिस्टर पर भी काम करना होता है।

इसमें शिक्षकों का काफी समय चला जाता है। योगी सरकार का प्रयास है कि शिक्षक इस समय का सदुपयोग बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में करें। इसीलिए डिजिटल रजिस्टर के कांसेप्ट पर काम किया जा रहा है। जो रजिस्टर डिजिटल किए जाने हैं, उनमें उपस्थिति रजिस्टर, प्रवेश रजिस्टर, कक्षावार छात्र उपस्थिति रजिस्टर, एमडीएम रजिस्टर, समेकित निःशुल्क सामग्री वितरण रजिस्टर, स्टॉक रजिस्टर शामिल हैं। इसके अलावा आय-व्यय व चेक जारी करने वाला रजिस्टर, बैठक रजिस्टर, निरीक्षण रजिस्टर,पत्र व्यवहार रजिस्टर, बाल गणना रजिस्टर, पुस्तकालय व खेलकूद रजिस्टर को भी डिजिटाइज किया जाएगा।

अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार ने भी रजिस्टर्स के डिजिटाइजेशन के विषय में निर्देश दिए थे। निर्देश में कहा गया था कि शिक्षक एवं प्रधानाध्यापक डिजिटल रजिस्टर ऐप का प्रयोग अपने मोबाइल या स्मार्टफोन से करते हुए सभी सूचनाओं को अपलोड करेंगे। बीईओ, बीएसए, सीडीओ, डीएम एवं राज्यस्तर के अधिकारी इससे संबंधित सूचनाओं को प्रेरणा ऐप पर देख सकेंगे। रजिस्टर के डिजिटल होने के बाद किसी भी तरह के रजिस्टर का प्रयोग विद्यालय या अन्य स्तर पर नहीं किया जाएगा। डिजिटल रजिस्टर में दर्ज सूचनाएं ही प्रामाणिक मानी जाएंगी। इससे पारदर्शिता आएगी और डाटा में किसी तरह की छेड़छाड़ नहीं हो सकेगी।

विकास को ध्यान में रखकर हो बुंदेलखंड और पूर्वांचल विकास निधि का उपयोग : मुख्यमंत्री

-आकांक्षात्मक जनपदों में उत्तर प्रदेश का सराहनीय प्रयास, प्रथम 10 जनपदों में उत्तर प्रदेश के 06 जनपद

लखनऊ, (हि. स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को नियोजन विभाग के कार्यों की समीक्षा की और प्रदेश में सेक्टरवार पोटेंशियल को प्रोत्साहित करने के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में हुए नियोजित और समन्वित प्रयासों का परिणाम है कि प्रदेश की वार्षिक आय में सतत बढ़ोतरी हो रही है। वित्तीय वर्ष 2020-21 में सकल राज्य घरेलू उत्पाद 16,45,317 करोड़ रुपये थी, जो 2021-22 में लगभग 20 फीसद की बढ़ोतरी के साथ 19,74,532 करोड़ हो गई है। वहीं, 2022-23 के लिए तैयार अग्रिम अनुमानों के आधार पर राज्य आय 21.91 लाख करोड़ से आंकलित हुई है। यह स्थिति संतोषप्रद है। एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य के साथ सतत प्रयास जारी रखा जाए। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड और पूर्वांचल में विकास की अपार संभावनाएं हैं। हमें इन संभावनाओं को एक्सप्लोर करना होगा। विश्वविद्यालयों, तकनीकी संस्थाओं को इस महत्वपूर्ण कार्य से जोड़ें। कहाँ कौन से सेक्टर में प्रयास की आवश्यकता है, किस प्रकार की सहायता दी जानी चाहिए, इन सबका गहन अध्ययन कराया जाए। यह अध्ययन रिपोर्ट नियोजन विभाग में संकलित हों और उपयोगिता अनुसार उन्हें कार्ययोजना में शामिल किया जाए। बुंदेलखंड और पूर्वांचल के विकास के लिए आवंटित निधि का उपयोग बहुआयामी एवं दीर्घकालिक विकास को ध्यान में रखकर स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि आकांक्षात्मक जनपद कार्यक्रम अंतर्गत प्रदेश के सभी चिन्हित जिलों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। नीति आयोग द्वारा डैशबोर्ड चैम्पियन्स आफ चेंज पर मई 2023 की सूचना के अनुसार समग्र रूप से देश के प्रथम 10 जनपदों में उत्तर प्रदेश के 06 जनपद आये हैं। बलरामपुर (01), सिद्धार्थनगर (02), सोनभद्र (04), चन्दौली (05), फतेहपुर (08) तथा बहराईच (09) वें स्थान पर हैं। इसी प्रकार, स्वास्थ्य एवं पुष्टाहार विषयगत क्षेत्र में देश के प्रथम 10 जनपदों में उत्तर प्रदेश के 05 जनपद आये हैं। इसमें बलरामपुर (03), सिद्धार्थनगर (04), चन्दौली (05), सोनभद्र (07), एवं श्रावस्ती (08) वें स्थान पर है। शिक्षा विषयगत क्षेत्र में देश के प्रथम 10 जनपदों में उत्तर प्रदेश के 05 जनपद आये हैं। बलरामपुर (01), सोनभद्र (07), श्रावस्ती (08), सिद्धार्थनगर (09) एवं चित्रकूट (10) वें स्थान पर हैं। वित्तीय समावेशन एवं कौशल विकास विषयगत क्षेत्र में देश के प्रथम 10 जनपदों में उत्तर प्रदेश के 02 जनपद आये हैं। सिद्धार्थनगर (05) एवं फतेहपुर (10) वें स्थान पर हैं। कार्यक्रम में अच्छी रैंक प्राप्त होने पर नीति आयोग द्वारा प्रदेश के 08 महत्वाकांक्षी जनपदों को अतिरिक्त वित्तीय प्रोत्साहन भी प्राप्त हुआ है। यह प्रयास सतत जारी रखा जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आकांक्षात्मक विकास खंड कार्यक्रम शासन की प्राथमिकता में है। शासन स्तर से हर विकास खंड का सतत अनुश्रवण किया जा रहा है। मार्च 2022 से मार्च 2023 तक ओवरऑल डेल्टा रैंकिंग में जनपद कुशीनगर का बिशुनपुरा विकास खंड सर्वश्रेष्ठ रहा है। इसी प्रकार, विषयगत क्षेत्र-वार डेल्टा रैंकिंग के अंतर्गत चिकित्सा एवं पोषण में मझगवां (बरेली), शिक्षा में वजीरगंज (बदायूँ), कृषि एवं जल संसाधन में भीटी (अम्बेडकर नगर), वित्तीय समावेशन एवं कौशल विकास में फतेहगंज (बरेली) और इंफ्रास्ट्रक्चर डिवेलपमेंट के इंडिकेटर पर सोहांव (बलिया) विकास खंड प्रथम स्थान पर रहा है। ओवरऑल डेल्टा रैंकिंग में सर्वश्रेष्ठ विकास खंड को दो करोड़ विषयगत क्षेत्र में प्रथम स्थान पर रहे विकास खंडों को 60-60 लाख का वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा आकांक्षात्मक विकास खंडों में तैनात सीएम फेलो अच्छा कार्य कर रहे हैं। इनके प्रदर्शन की मासिक रैंकिंग तैयार की जाए। आवश्यकतानुसार इनकी ट्रेनिंग भी कराई जाए। इस कार्यक्रम से शोधार्थियों को विकास के विभिन्न क्षेत्रों को समझने तथा उनमें सहयोग करने का सुअवसर प्राप्त हो रहा है जो उनके भविष्य निर्माण में भी सहायक होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हर परिवार के कम से कम एक सदस्य को नौकरी, रोजगार, सेवायोजन से जोड़ने के लागू फैमिली आईडी कार्यक्रम के बारे में आमजन के बीच जागरूकता बढ़ाई जाए। अब तक प्राप्त 98,046 आवेदनों में से 41440 फैमिली आई.डी. निर्गत की जा चुकी है। फैमिली आईडी के आधार पर योजनाओं की मैपिंग कर परिवारों को प्रदान की जा रही योजनाओं को सम्मिलित करते हुए परिवार कल्याण ई-पासबुक जारी करने की तैयारी करें। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रदेश के विकास के संबंध में दीर्घकालिक नियोजन के लिए स्टेट ट्रांसफार्मेशन कमीशन का सृजन किया गया है। कमीशन में सभी महत्वपूर्ण पदों पर योग्य विशेषज्ञों का चयन यथाशीघ्र कर इसे क्रियाशील किया जाए।

यूपी की अर्थव्यवस्था एक ट्रिलियन डॉलर बनाना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता : जिलाधिकारी

फतेहपुर (हि.स.)। जिले में शुक्रवार को सांख्यिकीय आंकड़ों का संग्रहण की कार्यशाला का आयोजन कलेक्ट्रेट महात्मा गांधी सभागार में जिलाधिकारी श्रुति की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यशाला के दौरान जिलाधिकारी ने उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर बनाने के संबंध में कार्यशाला में व्यापारियों व उपस्थित अधिकारियों से विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 01 ट्रिलियन डॉलर बनाना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता में है। विभिन्न सेक्टर का सकल मूल्य वर्धित (जीवीए) आंकलन करने के लिए प्रदेश में विभिन्न प्रकार के सर्वेक्षण संचालित है। प्रदेश में संचालित योजनाओं में हो रहे निवेश के दृष्टिगत विनिर्माण व्यापार एवं अन्य सेवा क्षेत्र में परिलक्षित हो रहे विकास की वास्तविक स्थिति के अनुरूप सर्वेक्षणों से आंकड़े संग्रहित किए जाए, जिससे शासन की मंशानुरूप प्रदेश की अर्थ व्यवस्था को 01 ट्रिलियन डॉलर बनाने और राष्ट्र निर्माण में सहायक होगी। कार्यशाला और जागरूकता अभियानों का अयोजन करके प्रदेश में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय भारत सरकार और अर्थ एवं संख्या प्रभाग उत्तर प्रदेश द्वारा कराए जा रहे सर्वेक्षणों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए कदम उठाना अति आवश्यक है। सांख्यिकी रूप से सही आंकड़े उपलब्ध कराने के उपरांत ही प्रदेश की अर्थ व्यवस्था को बढ़ाया जा सकता है। केन्द्र तथा राज्य सरकार द्वारा समय समय पर कराने जाने वाले सर्वेक्षण कार्यों में सही आंकड़े उपलब्ध कराने हेतु सहयोग की अपील की। उन्होंने उद्यमियों और अधिकारियों से कहा कि आंकड़ों को पारदर्शिता से संग्रहीत किया जाय जिससे कि देश के विकास के अनुरूप नीतियां बनाई जा सके।

भारत सरकार के वरिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी राजीव कुमार ने कार्यशाला में बताया कि भारत की आजादी के अमृत काल में प्रधानमंत्री के एक भव्य एवं विकसित भारत निर्माण के प्रण तथा प्रदेश को वन ट्रिलियन डालर अर्थव्यवस्था बनाये जाने की मुख्यमंत्री की संकल्पना को ध्यान में रखते हुये प्रदेश में विकास के अलग-अलग आयामों को बल प्रदान किया जाना चाहिए। जिनका वास्तविक प्रतिबिम्ब विभिन्न सर्वेक्षणों के माध्यम से प्राप्त होने वाले ऑकड़ों में भी होना परम आवश्यक है।

स्वामी नरेन्द्रानंद सरस्वती ने काशी को मांस-मदिरा से मुक्त करने की सरकार से की मांग

वाराणसी, (हि.स.)। अस्सी डुमरावबाग स्थित काशी सुमेरु पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती ने पंचक्रोशी यात्रा मार्ग को मांस-मदिरा की दुकानों से मुक्त करने की मांग सरकार से की है। काशी सुमेरूपीठ में भक्तों के बीच सत्संग के दौरान शंकराचार्य स्वामी नरेन्द्रानंद सरस्वती ने शुक्रवार को कहा कि अयोध्या, मथुरा की तरह काशी को भी मांस-मदिरा मुक्त क्षेत्र घोषित किया जाए। उन्होंने कहा कि आज सावन के अधिक मास में काशी की पंचक्रोशी यात्रा श्रद्धालु कर रहे है। लेकिन दुख की बात है कि पंचक्रोशी मार्ग में मांस-मदिरा की दुकानें खुली हुई है। वहां पर खुलेआम मांस-मदिरा बिक रहा है। पंचक्रोशी यात्रा मार्ग में मांस मदिरा की बिक्री बंद होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यहां के अधिकारियों ने पंचक्रोशी यात्रा की परंपरा तोड़कर बहुत ही बड़ा पाप किया है। पंचक्रोशी यात्रा में श्रद्धालु मणिकर्णिकाघाट पर संकल्प लेकर नाव से आते हैं। वहीं से पंचक्रोशी यात्रा पैदल शुरू होती है। लेकिन यहां के अधिकारियों ने गंगा में नौकायन पर प्रतिबंध लगाकर पंचक्रोशी यात्रा की परंपरा को तोड़ा है। जो बहुत ही बड़ा पाप है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को चाहिए था कि वह अगर गंगा में बाढ़ आया था तो यात्रियों को नाव से सुरक्षित मणिकर्णिका से असिघाट जाने की व्यवस्था कराते। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया और काशी की पंचक्रोशी यात्रा की परंपरा को तोड़ा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वह इस पाप से मुक्ति के लिए पंचक्रोशी यात्रा कर प्रायश्चित करें। स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती ने जिला प्रशासन से कहा कि वह काशी को मांस मदिरा मुक्त क्षेत्र घोषित करने के लिए नगर निगम के माध्यम से एक प्रस्ताव लाए। एक प्रस्ताव 20 वर्ष पूर्व भी नगर निगम में लाया गया था। लेकिन वह पूरा नहीं हो पाया उस प्रस्ताव को पुनः नगर निगम में पास करा करके काशी को मांस-मदिरा मुक्त क्षेत्र घोषित करने की आवश्यकता है।

पदयात्रा करके लोगों को जागरूक कर रहा पर्वतारोहियों का दल

मेरठ, (हि.स.)। पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए पर्वतारोहियों का दल विश्व पदयात्रा पर निकला है। शुक्रवार को इस दल ने मेरठ मण्डल की आयुक्त और मेरठ के जिलाधिकारी से मुलाकात की। मेरठ मण्डल की आयुक्त सेल्वा कुमारी जे. से कमिश्नरी कार्यालय में तथा जिलाधिकारी दीपक मीणा से कलक्ट्रेट स्थित कार्यालय कक्ष में लखनऊ के डैन्जर्स एडवेंचर्स अन्तर्वेद स्पोर्ट्स लांगेस्ट वर्ल्ड टूर बाई ऑन फुटजर्नी के प्रतिनिधियों ने भेंट की। आयुक्त ने उनके द्वारा किए जा रहे जागरूकता कार्यक्रमों की प्रशंसा करते हुए उनकी हौसला अफजाई की। आयुक्त और जिलाधिकारी ने दल को उनकी यात्रा सफल और सकुशल होने की शुभकामनाएं भी दी। पर्वतारोही एंड गिनिजेज बुक, लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर टीम के पर्वतारोहियों में शामिल महेंद्र प्रताप, गोविंद आनंद, निश्चल मौर्य और जितेंद्र प्रताप ने बताया कि विश्वशांति विश्वपदयात्रा की शुरूआत 30 जुलाई 1980 को लखीमपुर खीरी निवासी अवध बिहारी लाल ने की थी। 1995 में हम इस टीम का हिस्सा बने थे, यह संख्या अब बढ़कर 20 हो गई है। जिलाधिकारी से मुलाकात के दौरान पर्वतारोहियों ने बताया कि इस यात्रा का उद्देश्य लोगों को जागरूक करना है। इस दल में 20 सदस्य हैं, जो पांच हिस्सों में बटे हैं। हर दल में चार सदस्य हैं, जो अलग-अलग स्थानों पर जाकर लोगों को जागरूक करते हैं। उन्होंने बताया कि दल अब तक विश्व के 11 देशों में चार लाख 37 हजार किलोमीटर की विश्व पदयात्रा पूरी कर चुका है। विश्व पदयात्रा के दौरान अब तक 14 करोड़ 50 लाख पौधों का रोपण किया गया। उत्तराखंड के 13 व राजस्थान के 33 जिलों की यात्रा के बाद अगला लक्ष्य उत्तर प्रदेश के 75 जिलों की यात्रा पूरा करना है। इसी क्रम में मेरठ 19वां जिला है। जनपद में दल के सदस्य मुख्य चौराहों व सार्वजनिक स्थानों पर सड़क सुरक्षा और सिंगल यूज प्लास्टिक को लेकर लोगों को जागरूक करेंगे। दल के लीडर ने बताया कि उनका दल बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, भारत को स्वर्ग बनाओ, बिजली की खपत कम करो, सौर ऊर्जा का इस्तेमाल करो, सिंगल यूज प्लास्टिक अपने घर आंगन हटाएं, अपने परिवार व पशुओं को बीमारी से बचाएं, बाजार से सामान लाना है, घर से कपड़े का थैला लेकर जाना है आदि विषय पर लोगों के बीच जाकर जागरूक कर रहें है।

मुख्यमंत्री ने पर्यटन स्थलों के विकास और स्टेडियम का निर्माण जल्द कराने का दिया निर्देश

रांची, (हि.स.)। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने शुक्रवार को राज्य के पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों के विकास और खेल स्टेडियम के निर्माण को लेकर सभी जिलों के उपायुक्तों को निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने इससे संबंधित परियोजनाओं को जल्द पूरा करने को कहा है। मुख्यमंत्री ने पिछले दिनों इस निमित उपायुक्त रांची को वन क्षेत्रों में आने वाले पर्यटन स्थलों के विकास का प्रस्ताव व प्राक्कलन संबंधित वन प्रमण्डल पदाधिकारी से प्राप्त कर उपलब्ध कराने, डीपीआर तैयार करने में भवन निर्माण विभाग द्वारा सूचीबद्ध परामर्शी की सेवा लेने और इको टूरिज्म के मानकों का ध्यान रखते हुए प्राकृतिक सौंदर्य से मेल रखने वाले संरचनाओं की प्रधानता रखने का निर्देश दिया है। उन्होंने गेतलसुद डैम के पास पर्यटन विकास के लिए उपयुक्त भूमि चिन्हित कर भूमि प्रतिवेदन विभाग को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। रांची के गेतलसूद में चिन्हित भूमि पर रिसोर्ट बनाने के लिए डीपीआर और आगे की आवश्यक कार्रवाई जल्द पूरी करने का निर्देश मिला है।

इसको लेकर उपायुक्त रांची द्वारा भूमि चिन्हित कर उसके हस्तांतरण की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है। मुख्यमंत्री ने उपायुक्त रामगढ़ को रजरप्पा में पर्यटकों की सुविधा के लिए आवश्यक सुविधाओं एवं जरूरतों का आकलन तथा उसके लिए भूमि चिन्हित कर आवश्यक अनापत्ति प्राप्त कर विभाग को प्रस्ताव उपलब्ध कराने को कहा है। उन्होंने रजरप्पा पर्यटन क्षेत्र को साफ-सुथरा रखने के लिए विशेष तंत्र विकसित करते हुए क्षेत्र को स्वच्छ रखने को प्राथमिकता देने की बात कही है। इस कार्य हेतु आवश्यकतानुसार कंसल्टेंट की सहायता लेने का निर्देश दिया है।

भाजपा विधायकों ने विधि व्यवस्था के सवाल पर सदन के बाहर किया विरोध प्रदर्शन

रांची, (हि.स.)। झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन शुक्रवार को सुभाष मुंडा हत्याकांड का मुद्दा गर्म रहा। झारखंड की विधि व्यवस्था को लेकर भाजपा विधायक सदन के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। धरना दे रहे विधायकों ने सरकार से सुभाष मुंडा हत्याकांड की जांच सीबीआई से कराये जाने की मांग की। विधायक अमर कुमार बाउरी ने कहा कि सुभाष मुंडा की हत्या की सीबीआई जांच हो। आज झारखंड की विधि व्यवस्था चरमराई हुई है। एक तरफ लोग डर के साये में जी रहे हैं, दूसरी तरफ अपराधी अपराध कर बड़ी आसानी से निकल जा रहे हैं। सुभाष मुंडा की हत्या सरेआम उनके घर के कार्यालय में होने से राज्य की राजधानी की विधि व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। दूसरी तरफ, धनबाद और चंदनकियारी जैसी जगहों पर भी अपराधियों का बोलबाला लगातार बढ़ रहा है। ऐसी निकम्मी सरकार को सत्ता में रहने का कोई औचित्य नहीं है, मुख्यमंत्री को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। कांग्रेस विधायक राजेश कच्छप ने विपक्षी दलों पर जम कर बरसे। उन्होंने कहा कि वे लोग 18 साल सत्ता में रहे और राज्य को केवल लूटने का काम किया। ये लोग आदिवासियत की बात करते हैं, तो स्थानीयता के मामले में क्यों चुप हो जाते हैं। जहां तक सुभाष मुंडा की हत्या की बात है तो सरकार सुभाष के हत्यारे को ढूंढ़ कर सजा देगी। प्रदर्शन के दौरान मांडू से भाजपा विधायक जेपी भाई पटेल ने कहा कि राज्य की विधि व्यवस्था सभी देख रहे हैं। राजधानी रांची जैसे शहर में दिनदहाड़े हत्या, लूटपाट, गोलीबारी हो रही है। मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि गृहकारा विभाग के मंत्री मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खुद है, लेकिन ऐसे हालात में भी राज्य की विधि व्यवस्था पूरी तरह से चौपट हो गई है। राज्य सरकार की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े करने पर मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने भाजपा के बयानों का पलटवार किया। उन्होंने कहा कि हम मानते हैं कि अपराध हुआ है, लेकिन मणिपुर में क्या हो रहा है यह भी भाजपा के लोग देखें। उन्होंने कहा कि देश के दूसरे राज्यों के मुकाबले हमारे राज्य में अपराध का ग्राफ नीचा है और कानून व्यवस्था भी अच्छी है।

पलामू के 104वें उपायुक्त बने शशि रंजन, निवर्तमान डीसी आंजनेयुलु दोड्डे ने सौंपा कार्यभार

पलामू, (हि.स.)। पलामू के 104वें उपायुक्त के पद पर शशि रंजन ने शुक्रवार को पदभार ग्रहण किया। समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय में उन्होंने निवर्तमान उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे से पदभार ग्रहण किया। पदभार सौंपने के पश्चात निवर्तमान उपायुक्त ने उन्हें शुभकामनाएं दी। पलामू के नये उपायुक्त शशि रंजन ने कहा कि सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का बेहतर प्रयास होगा। उन्होंने कहा कि जिले में संचालित विकासात्मक योजनाओं को सफलतापूर्वक संचालित रखना और उसे ससमय पूर्ण करना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। पदभार ग्रहण करने के पश्चात उन्होंने जिले के सभी अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया और जिले में संचालित योजनाओं की जानकारी ली। इस मौके पर उप विकास आयुक्त रवि आनंद, अपर समाहर्ता सुरजीत सिंह सहित, जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रीति किस्कु, जिला परिवहन पदाधिकारी अनवर हुसैन, जनसंपर्क विभाग के उपनिदेशक आनंद सहित अन्य पदाधिकारियों ने बुके देकर नवपदस्थापित उपायुक्त का स्वागत किया।

मोदी जानते हैं कि देश तभी आगे बढ़ेगा, जब सभी वर्ग के युवा आगे बढ़ेंगे : तुषार

बगहा, (हि.स.)। इतिहास गवाह है कि दुनिया में सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक क्षेत्र में जितने परिवर्तन हुए हैं, उसके मुख्य आधार युवा ही रहें हैं। भारत में युवाओं का एक समृद्ध इतिहास है। प्राचीनकाल से आधुनिक काल तक युवाओं का नेतृत्व चाणक्य, राजाराम मोहन राय, स्वामी विवेकानंद और आज के दौर में प्रधानमंत्री मोदी युवा वर्ग का नेतृत्व कर रहें हैं। उक्त बातें बगहा पुलिस जिला के युवा नेता तुषार सिंह उर्फ श्वेतमणि सिंह ने शुक्रवार को यहां कहा । उन्होंने कहा है कि भारत के पुनर्जागरण काल में राजा राममोहन राय, स्वामी दयानंद सरस्वती के साथ विवेकानंद जैसे युवा विचारक ने धर्म और समाज सुधार आंदोलन का नेतृत्व किया। इतिहास ने युवाओं की शक्ति का प्रभाव देखा है। उदाहरण के तौर पर आज के दौर में प्रधानमंत्री मोदी भारत में धर्म और समाज सुधार आंदोलन छेड़ रखा है। मुस्लिम समाज में महिलाओं की बराबरी के अधिकार की बात हो या हिन्दू समाज में पिछड़ी या अगड़ी हो, सभी को संविधान में बराबरी का अधिकार देने के लिए मोदी ने संसद में कानून लाया और बनाया। सभी समाज के युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए स्टार्ट अप किया। मोदी जानते हैं कि देश तभी आगे बढ़ेगा जब, सभी वर्ग के युवा आगे बढ़ेंगे, वो जानते हैं कि किसी भी वर्ग का युवा पिछे छुटेगा, तो देश पीछे छूट जायेगा, इस सोच के साथ सबका साथ सबका विकास वो कर रहें हैं, यही कारण हैं कि अर्थ, टेक्नालॉजी में विश्व में भारत का स्थान तीसरा आ गया है। बगहा पुलिस जिला के क्षेत्र चौतरवा, नड्डा, लघुनाहा, भैरोगंज, बांसगांव, मंझरिया, सिंघाड़ी आदि जगहों पर भाजपा का प्रचार प्रसार, केंद्र सरकार के उपलब्धि को नुकड़ सभा, डोर टू डोर के माध्यम से लोगों के बीच पहुंचा रहें है। असहाय और गरीबों के बीच केंद्र योजना के माध्यम से ऑटो रिक्शा, डेयरी फॉर्म, मछली पालन, पेंशन योजना का लाभ दिलाने में सदैव जुटे रह रहें हैं। तुषार सिंह इस क्षेत्र के युवाओं में एक अलग पहचान बनाने में कामयाब हैं, इनसे युवा और समाज के लोगों की अपेक्षा जुटती नजर आ रही है, बहरहाल तुषार सिंह इस क्षेत्र के ब्रांड युवा नेता बन गये हैं।

मुंशी पर जानलेवा हमला कर पैक्स अध्यक्ष ने 308 क्विवंटल फर्जी तरीके से धान कराया इंट्री, प्राथमिकी दर्ज

नवादा, (हि. स.)। नवादा जिले के नारदीगंज में स्थित प्रसिद्ध तिरुमला राइस मिल के मुंशी आशुतोष कुमार पर मुफस्सिल थाने के तेतरिया गांव के पैक्स अध्यक्ष अविनाश कुमार ने प्राण लेवा हमला कर जख्मी कर दिया तथा उसके मोबाइल छीन कर 308 किंवटल धान फर्जी तरीके से मिल में देने की एंट्री कर दी ।इस धोखाधड़ी तथा प्राणघातक हमले के विरुद्ध नगर थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। नवादा सदर अस्पताल में शुक्रवार को घायल मुंशी आशुतोष ने पुलिस के सामने दिए गए बयान में कहा कि वे लोहानी बीघा के पैक्स अध्यक्ष उमेश यादव के घर धान का हिसाब करने गए थे। इसी बीच पैक्स अध्यक्ष अवनीश कुमार अपने दो लोगों के साथ पहुंचे तथा जबरदस्ती उन्हें घसीट कर गांव की ओर ले गए । जहां पिटाई कर उनका मोबाइल जबरन छीन लिया तथा मोबाइल ऐप के माध्यम से 308 क्विंटल धान आपूर्ति किए जाने का फर्जी मामला एंट्री कर दी। प्राथमिकी में यह भी लिखा गया है कि दो ट्रकों के माध्यम से धान आपूर्ति किए जाने की बात कही गई है। दोनों ट्रकों पर 770 बोरा धान लाए जाने का फर्जी मामला एंट्री किया गया। नवादा के पुलिस निरीक्षक अरुण कुमार सिंह ने गंभीर मामले के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई के निर्देश दिए ।थाने में दर्ज प्राथमिकी संख्या 1188 / 23 अंकित करते हुए भारतीय दंड विधान की धारा 342, 323 ,307 ,386 ,387 ,504 ,324/ 34 के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। पैक्स अध्यक्ष द्वारा इस तरह की गुंडई किए जाने पर मिल मालिकों में रोष देखा जा रहा है। अगर पुलिस ने पैक्स अध्यक्ष विरुद्ध सख्त कार्रवाई नहीं की तो मिल मालिक हड़ताल कर सरकारी धान अधिप्राप्ति करना भी बंद कर देंगे। फिल्म आल कोने नवादा एसपी से गुंडई करने वाले पैक्स अध्यक्ष के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है।

मुजफ्फरपुर में तिरंगे के साथ छेड़छाड़

पटना, (हि.स.)। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के बरियारपुर ओपी क्षेत्र स्थित खालीकनगर गौरिहार पंचायत के वार्ड 4 में सड़क किनारे लगाये गये तिरंगे को लेकर मामला गरमा गया है। इस तिरंगे की तस्वीर भी सामने आई है। तस्वीर साफ तौर पर देखा जा रहा है कि तिरंगे में अशोक चक्र की जगह चांद-तारे लगाकर फहराया गया है। इस तरह के तिरंगे लगाये जाने की तस्वीर और वीडियो सामने आने के बाद प्रशासन भी अलर्ट हो गया है। बरियारपुर ओपी प्रभारी चांदनी कुमारी सांवरिया ने बताया कि मामले की जानकारी मिली है। विकृत झंडा लगाये जाने का मामला सामने आया है। तस्वीर को सही पाया गया है। विधिसम्मत कार्य की जा रही है। झंडे को प्रशासन ने कब्जे में ले लिया है। पुलिस जांच में जुटी है। जल्द ही कार्रवाई की जायेगी। उल्लेखनीय है कि शनिवार को मुहर्रम का पर्व है। इसे देखते हुए बिहार के सभी जिलों में प्रशासन किसी अप्रिय घटना को लेकर अलर्ट मोड में है।

संपादकीय

तीसरी अर्थव्यवस्था की गारंटी

विपक्ष की तर्ज पर प्रधानमंत्री मोदी ने भी 'चुनावी गारंटी' परोसना शुरू कर दिया है। इधर उन्होंने दो खास गारंटियां दी हैं। पहली गारंटी भाजपा और एनडीए के नेताओं-सांसदों को दी है कि 2024 में भी उनकी जीत तय है और 50 फीसदी से अधिक जनमत मिलने का विश्वास है। ऐसे दावे तो विपक्ष भी कर रहा है कि मोदी सरकार का सफाया तय है। कमोबेश चुनावों तक ऐसे दावे और गारंटियां जारी रहेंगी। जनादेश ही सच को सत्यापित करेगा। बहरहाल प्रधानमंत्री की दूसरी गारंटी यह है कि उनकी सत्ता के तीसरे कार्यकाल के दौरान भारत की अर्थव्यवस्था विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी। फिलहाल भारत 5वीं अर्थव्यवस्था है। जापान और जर्मनी क्रमशः तीसरे-चौथे स्थान पर हैं। देश की अर्थव्यवस्था का कुल श्रेय प्रधानमंत्री या सत्ताधीशों को नहीं दिया जा सकता। सीधा गणित है कि देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) और आर्थिक विकास दर कितनी हैं। देश की वस्तुओं और सेवाओं का सकल मूल्य कितना है। जब 2014 में नरेन्द्र मोदी देश के प्रधानमंत्री चुने गए थे, तब भारत की जीडीपी 2039 अरब अमरीकी डॉलर की थी और हम 10वें स्थान की अर्थव्यवस्था थे। चूंकि उसके बाद आर्थिक विकास दर 5-6 फीसदी से भी अधिक रही, कभी 8 फीसदी को भी छुआ और अन्य कथित बड़े देशों की औसत आर्थिक बढ़ोतरी कम रही, नतीजतन भारत 2023 में 3737 अरब डॉलर की जीडीपी के साथ 5वें स्थान पर है। यानी भारत आज भी कुल 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था वाला देश नहीं है। जापान और जर्मनी 4 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की अर्थव्यवस्थाएं हैं। दरअसल जीडीपी में देश के आकार, आबादी, बाजार, खरीद-क्षमता, उत्पादन आदि की भी महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। भारत, जापान और जर्मनी की तुलना में, कई गुना विशाल और व्यापक देश है। अमरीका की आबादी करीब 33 करोड़ है, लेकिन वह 26 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की अर्थव्यवस्था है। चीन विश्व का सबसे ज्यादा आबादी वाला देश है, जिसकी अर्थव्यवस्था 19 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की है। जब भारत 2027 में 5153 अरब डॉलर, अर्थात 5 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा, के साथ तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा, तब अमरीका 31 ट्रिलियन डॉलर से अधिक और चीन 25 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा अर्थव्यवस्था वाले देश होंगे। पहले और दूसरे स्थान पर उन्हीं का कब्जा और वर्चस्व रहेगा। चीन की अर्थव्यवस्था हमसे पांच गुना ज्यादा है। फिलहाल कोई मुकाबला नहीं किया जा सकता। यह सुखद और गौरवपूर्ण एहसास हो सकता है कि 2027 में, प्रधानमंत्री मोदी के संभावित तीसरे कार्यकाल में, भारत की अर्थव्यवस्था जापान, जर्मनी समेत ब्रिटेन, फ्रांस, ब्राजील, कनाडा, इटली और रूस सरीखे देशों की अर्थव्यवस्था से आगे और बेहतर होगी। दरअसल अर्थव्यवस्था एक नियमित और निरंतर प्रवाह है। उसमें सत्ता का ज्यादा दखल या श्रेयात्मक भूमिका नहीं होती। आयात और निर्यात में सरकारी नीतियों का लगातार हस्तक्षेप रहता है। फिर भी यह सवाल स्वाभाविक है कि बड़े देशों और कथित विकसित अर्थव्यवस्थाओं को पछाड़ कर भारतीय अर्थव्यवस्था आगे क्यों बढ़ती रही है? 2014-23 के दौरान भारत की जीडीपी करीब 83 फीसदी बढ़ी है। इसी अवधि के दौरान चीन की बढ़ोतरी करीब 84 फीसदी रही है। अमरीका ने 54 फीसदी ही बढ़ोतरी की है। इन तीन अर्थव्यवस्थाओं को छोड़ कर दुनिया की सबसे बड़ी 10 अर्थव्यवस्थाएं सिकुड़ रही हैं। 2027 में भारत की जीडीपी 2023 से करीब 38 फीसदी अधिक होगी, जबकि जापान, जर्मनी का यही औसत करीब 15 फीसदी होगा। तथ्य है कि 2004-14 की तुलना में भारत की आर्थिक बढ़ोतरी की गति 2014-23 के दौरान धीमी पड़ी है। उस दौर में, जब डॉ. मनमोहन सिंह देश के प्रधानमंत्री थे, जीडीपी कुल 183 फीसदी बढ़ी। दूसरे, 10वें स्थान से 5वें स्थान तक आना अपेक्षाकृत आसान होता है, क्योंकि देशों की जीडीपी में आपसी अंतर एक ट्रिलियन डॉलर या उससे भी कम होता है। अब तीसरी और पहली दो अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापक फासला है, लिहाजा अब भारत का आगे बढ़ना चुनौतीपूर्ण होगा।

> जनादेश ही सच को सत्यापित करेगा। बहरहाल प्रधानमंत्री की दूसरी गारंटी यह है कि उनकी सत्ता के तीसरे कार्यकाल के दौरान भारत की अर्थव्यवस्था विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी। फिलहाल भारत 5वीं अर्थव्यवस्था है। जापान और जर्मनी क्रमश: तीसरे-चौथे स्थान पर है। देश की अर्थव्यवस्था का कुल श्रेय प्रधानमंत्री या सत्ताधीशों को नहीं दिया जा सकता। सीधा गणित है कि देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) और आर्थिक विकास दर कितनी हैं। देश की वस्तुओं और सेवाओं का सकल मूल्य कितना है। जब 2014 में नरेन्द्र मोदी देश के प्रधानमंत्री चुने गए थे, तब भारत की जीडीपी 2039 अरब अमरीकी डॉलर की थी और हम 10वें स्थान की अर्थव्यवस्था थे। चूंकि उसके बाद आर्थिक विकास दर 5-6 फीसदी से भी अधिक रही, कभी 8 फीसदी को भी छुआ और अन्य कथित बड़े देशों की औसत आर्थिक बढ़ोतरी कम रही, नतीजतन भारत 2023 में 3737 अरब डॉलर की जीडीपी के साथ 5वें स्थान पर है।

बोधि वृक्ष

जीवन में चिंताओं और परेशानियों से मुक्ति के लिए सबसे पहले करें यह काम

भगवद्गीता में भगवान श्री कृष्ण कहते हैं कि आत्मा न कट सकती है और न जल सकती है। आत्मा न पानी में घुल सकती है और न हवा से सूख सकती है। आत्मा अमर है, अटल है, स्थिर और सनातन है। श्री कृष्ण हमें बता रहे हैं कि हमारा असली अस्तित्व आत्मा है, जो शुद्ध और पवित्र है। चाहे हमारे साथ जो भी हो जाए, लेकिन हमारी आत्मा, हमारा केंद्र हमेशा पवित्र और पावन रहता है। यह अंदर ईश्वर का कण है। दूसरी ओर से देखा जाए, तो हम आत्मा से ईश्वर के साथ जुड़े रहते हैं। क्योंकि आत्मा ईश्वर की उस रचनात्मकता का प्रमाण है, जिससे भगवान ने हम सब को बनाया है। आत्मा इस बात का प्रमाण है कि भगवान ने सोचा कि दुनिया को कहीं न कहीं हमारी जरूरत है और उस जरूरत को पूरा करने के लिए उन्होंने हमारी रचना की। जिंदगी में कई बार हमें लगता है कि हम जैसे दिखते हैं उससे हमारी पहचान होती है। हमें लगता है कि चेहरे से या शरीर से हमारा अस्तित्व है। पर भगवान श्री कृष्ण के अनुसार शरीर वह है, जो हमें दिखता है, लेकिन हमारे अस्तित्व का सच्चा आधार आत्मा है। इसलिए कि यह भगवान का अंश है। इसी तरह, हमें कई बार यह लगता है कि हमारी सोच, हमारा दिमाग और हमारी बुद्धि, हमारे अस्तित्व का प्रमाण हैं। लगता है बुद्धि से धन-समृद्धि या सफलता प्राप्त करते हैं। सभी उपलब्धियां जीवन में सफल होने का मार्ग देती हैं। तो फिर सोचने लगते हैं कि जो बुद्धि हमें सब दिलाती है, वही हमारे जीवन का आधार है। पर भगवान श्रीकृष्ण के अनुसार आत्मा का स्तर बुद्धि से कहीं ऊंचा है, क्योंकि बुद्धि ईश्वर की देन का एक पहलू है, पर आत्मा तो पूरा का पूरा ईश्वर का कण है। अब आप जानना चाहेंगे कि अगर आत्मा श्रेष्ठ है, तो फिर जीवन में शरीर और बुद्धि का क्या स्थान है? भगवान श्रीकृष्ण हमें समझाते हैं कि ये जीवन जीने के औजार हैं। जैसे अगर फल काटना हो, तो छुरी लेकर काट सकते हैं। शरीर और बुद्धि का सही उपयोग करना सीख लेना चाहिए। शरीर से हम भगवान की बनाई दुनिया को देख सकते हैं, महसूस कर सकते हैं और इसमें जी सकते हैं। दिमाग से अच्छा सोचते या बुरा सोचते हैं। आपका दिमाग या तो आपको सकारात्मकता की तरफ ले जाता है या नकारात्मकता की अंधेरी घाटियों में धकेल देता है। या तो आप इन औजारों का सही इस्तेमाल कर सकते हैं या इनके हाथों की कठपुतली बनकर रह सकते हैं। इस बात का चुनाव हमेशा आपके हाथों में होगा। तो अपने शरीर और दिमाग को ऐसा औजार बनाइए, जो इस दुनिया में सही काम करे। भगवान श्री कृष्ण कहते हैं कि आप इन औजारों से सही काम करें या गलत, यह चुनने की शक्ति हमेशा आपके पास होगी। देखिए, जैसे आप कुछ लिखने के लिए कलम का इस्तेमाल करते हैं, वैसे ही आपको अपने शरीर और बुद्धि का सही इस्तेमाल करना सीखना होगा। जैसे लिखने के लिए आप कलम को उठाते हैं और लिखने के बाद उसे रख देते हैं। उसी तरह जब शरीर का इस्तेमाल हो तब उसका इस्तेमाल कीजिए और फिर उसे आराम दीजिए। दिमाग का जितना काम हो, उतना काम उससे निकालिए फिर उसे भी आराम करने दीजिए। चिंता के गोल-गोल चक्कर में उसे घुमाना छोड़ दीजिए।

संविधान में कुछ समुदायों को ट्राइब का नाम देकर उन्हें अलग से अनुसूचित किया गया

मणिपुर में विवाद का मूल

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

मणिपुर में मैतेयी और कुकी समुदाय को लेकर पिछले दो महीनों से भी ज्यादा समय से विवाद चल रहा है। यह विवाद 3 मई को शुरू हुआ था। यह विवाद हिंसक हो गया है, इसलिए दोनों समुदायों के सौ से भी अधिक लोग मारे जा चुके हैं। सबसे दुख की बात यह है कि दोनों समुदायों के इस झगड़े में औरतों को अपमानित किया जा रहा है। इस विवाद के कारणों की अपने-अपने ढंग से मीमांसा की जा रही है। कुछ तात्कालिक कारण हैं और कुछ स्थायी कारण हैं। लेकिन इस झगड़े में मजहब कोई कारक नहीं है। परन्तु दुर्भाग्य से विदेशी मूल की ईसाई मिशनरियां इस विवाद को मजहब यानी रिलीजन से जोडक़र एक नया विवाद खड़ा करने का प्रयास कर रही हैं। हाल ही में सीरिया-मालाबार कैथोलिक चर्च की तेल्लीचेरी की आर्कडायकोजी के आर्कबिशप जोसफ पम्पलाणी ने आरोप लगाया कि इस विवाद के बहाने मणिपुर से ईसाइयों की नस्ल खत्म करने का प्रयास किया जा रहा है। केरल से एक आर्कबिशप जो काफी समय बेल्जियम में भी रहा है, का मणिपुर के इस विवाद में चाल की तरह कूद पडऩा आश्चर्यचकित करता है। वह भी उस समय जब मणिपुर के चर्च भी इस प्रकार का आरोप लगाने से संकोच कर रहे हैं। कुछ समय बाद तेल्लीच्री के इस आर्कबिशप की इस टिप्पणी का सहारा लेकर विदेशों में चर्च इस प्रकार के दोषारोपण में सक्रिय हो सकता है। वैसे कुछ सीमा तक हो ही चुका है। क्या यह विवाद सचमुच ही ईसाई-हिन्दू विवाद है? इसके उत्तर के लिए मणिपुर के समाजशास्त्र के साथ साथ वहां के भूगोल को भी समझना होगा। मणिपुर में इम्फाल घाटी चारों ओर से पर्वतीय श्रृंखलाओं से घिरी हुई है। जाहिर है घाटी का क्षेत्रफल पर्वतीय क्षेत्र के मुकाबले बहुत ही कम है। मणिपुर के कुल क्षेत्रफल का दस प्रतिशत हिस्सा घाटी है और बाकी 90 फीसदी हिस्सा पहाड़ी है। लेकिन जहां तक आबादी का प्रश्न है, राज्य की लगभग साठ प्रतिशत आबादी इम्फाल घाटी में रहती है और शेष 40 प्रतिशत आबादी पहाड़ों में रहती है। मणिपुर में मुख्य तौर पर तीन समुदायों के लोग रहते हैं। ये समुदाय मैतेयी, कुकी और नागा के नाम से जाने जाते हैं। स्पष्ट रूप से समझना हो तो मैतेयी मोटे तौर पर इम्फाल घाटी में रहते हैं और कुकी व नागा पहाड़ में रहते हैं। मैतेयी की जनसंख्या मणिपुर की कुल जनसंख्या का लगभग साठ प्रतिशत है और शेष चालीस प्रतिशत कुकी-नागा की जनसंख्या है। लेकिन इन आंकड़ों के सहारे भी राज्य की समस्या को समझा नहीं जा सकता। इससे आगे का सवाल मणिपुर की जनसंख्या के आपसे संबंधों या उसकी

भीतरी हदबन्दी का है। यह हदबन्दी किसने की और क्यों की? ऊपर से देखने पर लगता है कि मणिपुर के ये तीनों परस्पर विरोधी हैं। अभी जो चल रहा है, उसे देखकर तो कोई भी यही कहेगा कि तीनों एक-दूसरे की जान के दुश्मन हैं। फिलहाल मणिपुर में मैतेयी और कुकी में संघर्ष चल रहा है, उसमें नागा कहीं नहीं हैं। लेकिन अभी तक मोटे तौर पर यह झगड़ा कुकी और नागा के बीच में चलता था। 1993 में हुआ कुकी-नागा संघर्ष कई महीने चला था जिसमें 230 से भी ज्यादा लोग मारे गए थे। नागा-कुकी संघर्ष में मैतेयी का सीधा संबंध तो नहीं होता था, लेकिन उसका संताप मैतेयी को भी झेलना पड़ता था क्योंकि इम्फाल घाटी तक पहुंचने का रास्ता उसके पहाड़ों से होकर ही आता है। कुकी-नागा के संघर्ष में ये रास्ते अवरुद्ध हो जाते थे और इम्फाल घाटी में दैनिक जीवन की वस्तुओं का भी संकट आ जाता था। एक प्रकार से कुकी-नागा संघर्ष में इम्फाल घाटी की घेराबन्दी हो जाती थी। लेकिन इस बार भिड़न्त कुकी और मैतेयी के बीच हुई है। इसलिए यह सोचना जरूरी है कि क्या ये तीनों समुदाय सचमुच परस्पर विरोधी और एक-दूसरे की जान के दुश्मन हैं? मणिपुर के साथ ही असम वगैरह में भी बड़ी संख्या में मैतेयी रहते हैं। असम की बराक घाटी में बहुत से मैतेयी रहते हैं। इसी प्रकार कुकी असम के अतिरिक्त मिजोरम में बड़ी संख्या में रहते हैं। लेकिन असम में अंग्रेजों के आने से पूर्व इन समुदायों में आपस में कोई झगड़ा नहीं था। मणिपुर में प्रचलित एक कथा के अनुसार मैतेयी, कुकी और नागा तीनों आपस में भाई हैं। दरअसल अंग्रेजों के आने से पूर्व कुकी और नागा नाम भी प्रचलित नहीं थे। मणिपुर में मैतेयी के अतिरिक्त तांखुल, कबुई, माओ, मरींग, पुरम, मराम, चीरू मथोन, अंगामी समुदाय के लोग रहते हैं। अंग्रेजों ने अपने उपनिवेशवादी हितों के लिए इन सभी समुदायों को नया नाम नागा का दिया। इसी प्रकार मणिपुर के दक्षिणी पहाड़ी क्षेत्र में थादौ, पाइते, हमार, बाइफै, गाइते, सिमते, चोथे, रालते इत्यादि पहाड़ी समुदायों के लोग रहते हैं। इन सभी के लिए अंग्रेजों ने कुकी शब्द का प्रयोग करना शुरू किया। 1857 की आजादी की पहली लड़ाई में मणिपुर के मगांग, लुवांग, खुमान, अंगोम, मोयरंग, चेंगली, खा नगांबा मैतेयी समुदायों ने महत्वपूर्ण हिस्सा लिया और कई काला पानी यानी अंडेमान निकोबार में जलावतन भी हुए। इसी प्रकार कालान्तर में कुकी के नाम से जाने वाले समुदायों का बीसवीं सदी के शुरू में अंग्रेजों से लम्बा युद्ध हुआ। इसके परिणामस्वरूप अंग्रेजों ने नई प्रकार की फौज मणिपुर में उतारी। यह फौज ईसाई मिशनरियों की थी और दूसरी फौज नृविज्ञानियों यानि एंथ्रापोलोजिस्टों की थी। मिशनरियों ने इन समुदायों को मतान्तरित करना शुरू किया। नृविज्ञानियों ने कुछ समुदायों को एक साथ रख कर उनको कुकी की नई पहचान दी। इसी प्रकार शेष बचे समुदायों को एकत्रित कर नागा कहना लिखना शुरू किया। इस प्रकार सात समुदायों के लोग मैतेयी कहे जाने लगे। शेष 31 समुदायों के लोग दो हिस्सों में विभक्त होकर कुकी और नागा कहलाने लगे। लेकिन अभी भी इन तीनों समुदायों का मौखिक इतिहास इन्हें आपस में जोड़ता था। उस मौखिक इतिहास को ब्रिटिश इतिहासकारों और नृविज्ञानियों ने मिथक कह कर ख़ारिज करना शुरू कर दिया। ये सभी समुदाय अन्य लोगों की तरह प्रकृति के अनेक रूपों की पूजा उपासना करते थे। जैसे जल, अग्नि, वायु, आकाश और पृथ्वी के विविध रूपों की। आत्मा के अस्तित्व को लेकर इन समुदायों में अनेक अवधारणाएं थीं। लेकिन इनके लिए यूरोपीय भाषाओं में प्रचलित एनीमिस्ट शब्द का प्रयोग करना शुरू किया। मैतेयी समुदाय में तो ग्राम देवता की अवधारणा प्रचलित थी। किसी भी शुभ अवसर पर ग्राम देवता का आह्वान किया जाता था। उधर यूरोपीय मिशनरी मणिपुर के इन समुदायों को मतान्तरित करने में लगे थे, इधर उनके ही नृविज्ञानी मैतेयी, कुकी और नागा की अलग पहचान ही स्थापित नहीं कर रहे थे, बल्कि उनको एक दूसरे के विरोध में भी स्थापित कर रहे थे। जल्दी ही इसके परिणाम भी आने शुरू हो गए। मैतेयी तो इतनी ज्यादा संख्या में ईसाई नहीं बने (आज उनकी संख्या दो-तीन लाख के बीच है), लेकिन कुकी और नागा तो लगभग शत प्रतिशत ही ईसाई हो गए। अंग्रेजों के चले जाने के बाद सभी रियासतों पर देश का संविधान लागू हो गया। संविधान में कुछ समुदायों को ट्राइब का नाम देकर उन्हें अलग से अनुसूचित किया गया। बोलचाल की भाषा में इन समुदायों को एसटी कहा जाने लगा।

> मणिपुर में इम्फाल घाटी चारों ओर से पर्वतीय श्रृंखलाओं से घिरी हुई है। जाहिर है घाटी का क्षेत्रफल पर्वतीय क्षेत्र के मुकाबले बहुत ही कम है। मणिपुर के कुल क्षेत्रफल का दस प्रतिशत हिस्सा घाटी है और बाकी 90 फीसदी हिस्सा पहाड़ी है। लेकिन जहां तक आबादी का प्रश्न है, राज्य की लगभग साठ प्रतिशत आबादी इम्फाल घाटी में रहती है और शेष 40 प्रतिशत आबादी पहाड़ों में रहती है। मणिपुर में मुख्य तौर पर तीन समुदायों के लोग रहते हैं। ये समुदाय मैतेयी, कुकी और नागा के नाम से जाने जाते हैं। स्पष्ट रूप से समझना हो तो मैतेयी मोटे तौर पर इम्फाल घाटी में रहते हैं और कुकी व नागा पहाड़ में रहते हैं। मैतेयी की जनसंख्या मणिपुर की कुल जनसंख्या का लगभग साठ प्रतिशत है और शेष चालीस प्रतिशत कुकी-नागा की जनसंख्या है।

उफनती नदियां, ढहते पहाड़ और भ्रष्टाचार

आसमानी आफत ने कुल्लू घाटी समेत पूरे हिमाचल में बर्बादी के वो निशान छोड़े हैं जिन्हें चाह कर भी मिटाया नहीं जा सकता। आपदा के बीच कुछ सवाल हैं जिनका जवाब ढूंढना आवश्यक है। क्या इस त्रासदी से आम जनमानस और हमारी सरकारों ने सबक लिया है? क्या हम उन कार्ययोजनाओं, पाबंदियों पर काम कर रहे हैं जिन्हें ग्रीन ट्रिब्यूनल ने समय-समय पर अपने आदेशों के जरिए लगाया था। मानवीय भूलों और प्रकृति के प्रति अत्याचारों को दैवीय आपदा कहा जाना कहीं न कहीं इनसानों को गलत राह पर ले जाने का कार्य ही करता है। बेशक सरकारें प्लान बनाती हैं, नियम भी बनाती हैं, लेकिन भ्रष्ट समाज और सरकारी तंत्र में उनका कितना पालन होता है, सब जानते हैं। अब वक्त आ गया है जब सरकारों को इस विषय में दंडात्मक कार्रवाई करनी चाहिए। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेशों के अनुसार नदियों के किनारे से 25 मीटर की दूरी तक कोई निर्माण नहीं हो सकता, लेकिन रसूखदारों ने एनजीटी के नियमों के विरुद्ध बड़े-बड़े भवन खड़े कर लिए। ऐसा नहीं है कि इसकी जानकारी संबंधित विभागों को नहीं है, लेकिन फिर भी यह सब प्रकृति के विरुद्ध हुआ और हो रहा है। जिन विशाल पर्वतों को दुश्मन देशों के प्रहरी के रूप में मानकर उन पर जाने पर प्रतिबंध होना चाहिए था, आज उन पहाड़ों को पर्यटन के रूप में विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। जैसे कि सर्वविदित है, हिमाचल एक संवेदनशील राज्य है जिसकी सीमाएं शत्रु देशों से सटी हैं। बावजूद इसके हमारे राजनीतिक आकाओं और स्थानीय लोगों ने राज्य को पर्यटन के लिए अंधाधुंध खोल कर एक बड़ा खतरा मोल लिया है। लाहौल-स्पीति की लद्दाख और किन्नौर जिले की सीमा चीन से सटी है। पाकिस्तान से कारगिल युद्ध में मनाली-लेह मार्ग ने सेना को रसद और गोला-बारूद पहुंचाने में अहम भूमिका अदा की थी। हिमाचल की करीब 50 किलोमीटर सीमा चीन से लगती है। दो ढाई वर्ष पूर्व भी लद्दाख की गलवां घाटी में चीनी सैनिकों के साथ हिंसक झड़प में सेना के एक अधिकारी और दो जवानों की शहादत के बाद हिमाचल के दो जिलों लाहौल-स्पीति और किन्नौर में अलर्ट जारी कर दिया गया था। मनाली के पलचान और दालंग ट्रांजिट कैंप से सामरिक महत्व के लेह मार्ग पर भी सेना के वाहनों की मूवमेंट बढ़ा दी गई थी। इतनी हलचल होने के बावजूद देश और प्रदेश की सुरक्षा को ताक पर रख कर पर्यटन व्यवसाय को बढ़ावा दिया गया। मनाली फोरलेन और नौ किलोमीटर लंबी अटल टनल का निर्माण सेना एवं सुरक्षा की दृष्टि से अति महत्वपूर्ण था, परन्तु इस मार्ग और टनल का उपयोग पर्यटन व्यवसाय के उद्देश्य से करना शायद कुदरत को मंजूर न हुआ। अटल टनल भारतीय सेना को सामरिक रूप से मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से बनाई गई थी। अटल टनल के निर्माण से सेना को सीमा में पहुंचने के लिए 46 किलोमीटर की दूरी कम तय करनी पड़ती थी और कम समय में बर्फबारी के दौरान सैन्य सामान पहुंचाना भी आसान हुआ था। इसको कुदरत से छेड़छाड़ और बढ़ते मानवीय और गाडियों के बोझ से निकलती ऊष्मा, पिघलते ग्लेशियर, कूड़े-कचरे के अंबारों ने ग्रहण लगा दिया। आज चंडीगढ़-मनाली फोरलेन के एक बहुत बड़े हिस्से को ब्यास नदी अपने अंदर समा चुकी है। भगवान न करे अगर चीन को कोई शरारत सूझी और वो फिर अपने कदम इस दिशा में बढ़ाने लगा तो हमारी सेना को कितनी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा, यह किसी ने नहीं सोचा! हम अगर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेशों और नियमों की ही बात करें तो यह नियम कायदे हिमालय और यहां से निकलने वाली नदियों की अस्मिता पर प्रहार करने वालों के आगे बौने नजर आते हैं। हर वर्ष सडक़ निर्माण, होटल निर्माण, घर और भवन निर्माण का लाखों टन गर्दा, धूल, मिट्टी डंपिंग ग्राउंड में डालने के बजाय सीधे नदियों में गिरा दिया जाता है। इससे नदियों के प्राकृतिक मार्ग सिल्ट से अवरुद्ध होकर बाढ़, आपदा की संभावना को प्रबल करते हैं। प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन, अवैध खनन, भू-माफिया की सक्रियता, राजस्व विभाग में व्यापक भ्रष्टाचार प्राकृतिक आपदाओं के द्वार खोलने का कार्य करता है। अंधाधुंध भवन और होटल निर्माण, पर्यटन व्यवसाय का निजीकरण, ग्रामीण क्षेत्रों को टीसीपी के दायरे से बाहर रखना इत्यादि पर अब सरकार को अपना रुख बदलना पड़ेगा। अगर निजी भूमि पर पीपल, बरगद, आम, जामुन इत्यादि के हरे-भरे पेड़ों को काटने पर प्रतिबंध है तो निजी भूमि वाले पहाड़ों की अवैज्ञानिक तरीके से खुदाई पर प्रतिबंध क्यों नहीं? नब्बे डिग्री पर सीधे खड़े पहाड़ों वाली निजी भूमि पर खुदाई कर उन्हें समतल बनाने पर पूर्णतया प्रतिबंध होना चाहिए और यह आदेश सख्ती से लागू होना चाहिए। इस पर अधिकारियों की जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए। निजी क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देकर सरकारों ने पूंजीवाद को तो बढ़ावा दिया ही है, साथ में पर्यावरण को भी तहस नहस किया है। काली कमाई और काले धन की बुनियाद पर खड़ा होटल व्यवसाय न केवल पहाड़ी संस्कृति को बर्बाद कर रहा है, बल्कि नशा और व्यभिचार के लिए उत्तम स्थान भी बन चुका है। अधिकतर होटल बाहरी प्रदेशों से आए लोगों, भ्रष्ट अधिकारियों और नेताओं के हैं जबकि प्रदेश का युवा कामकाज की तलाश में बाहरी राज्यों को पलायन कर चुका है या कर रहा है।

> आपदा के बीच कुछ सवाल हैं जिनका जवाब ढूंढना आवश्यक है। क्या इस त्रासदी से आम जनमानस और हमारी सरकारों ने सबक लिया है? क्या हम उन कार्ययोजनाओं, पाबंदियों पर काम कर रहे हैं जिन्हें ग्रीन ट्रिब्यूनल ने समय-समय पर अपने आदेशों के जरिए लगाया था। मानवीय भूलों और प्रकृति के प्रति अत्याचारों को दैवीय आपदा कहा जाना कहीं न कहीं इनसानों को गलत राह पर ले जाने का कार्य ही करता है। बेशक सरकारें प्लान बनाती हैं, नियम भी बनाती हैं, लेकिन भ्रष्ट समाज और सरकारी तंत्र में उनका कितना पालन होता है, सब जानते हैं। अब वक्त आ गया है जब सरकारों को इस विषय में दंडात्मक कार्रवाई करनी चाहिए। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेशों के अनुसार नदियों के किनारे से 25 मीटर की दूरी तक कोई निर्माण नहीं हो सकता, लेकिन रसूखदारों ने एनजीटी के नियमों के विरुद्ध बड़े-बड़े भवन खड़े कर लिए।

देश दुनीया से

पहाड़ों, नदियों पर कचरा फैला रहे हैं टूरिस्ट

पिछले वीकेंड उत्तराखंड के एक शांत से हिल स्टेशन लैंसडाउन की शॉर्ट ट्रिप पर गए। मसूरी, नैनीताल, शिमला की तरह यहां न ट्रैफिक का शोर है, न कंक्रीट के जंगल। बेहद कम बसाहट और हरे-भरे पहाड़ों से घिरे लैंसडाउन की खूबसूरती मॉनसून सीज़न में देखने लायक थी। यहां की सुनसान सड़कों पर बादलों के बीच ड्राइव करने का अपना ही मज़ा है। हालांकि, यह मज़ा उस समय थोड़ा किरकिरा हुआ, जब कई जगह पर्यटकों की छोड़ी हुई निशानियां देखने को मिलीं। हिल टॉप पर बसा छावनी एरिया तो एकदम साफ-सुथरा था, लेकिन दूसरे पहाड़ी कई रास्तों के किनारे पड़ी बीयर की बोतलें और प्लास्टिक के कचरे को देख दुख हुआ कि कितना ही समझा लें, लोग नहीं सुधरेंगे। इतनी सुंदर जगह को गंदा करने का कोई सोच भी कैसे सकता है। खा-पीकर खाली रैपर्स और बोतलें वहीं फेंकी और आगे बढ़ गए। जिन दूसरे पर्यटकों के लिए ये गंदगी छोड़कर जा रहे हैं, क्या खुद इसी जगह बैठना पसंद करेंगे। दूसरों का नहीं, तो कम से कम इस प्रकृति का ही ख्याल कर लें, जिसे निहारने इतनी दूर से वहां पहुंचते हैं। खाली बोतलों और कचरे को अपनी गाड़ी में ही रखें और जहां डस्टबिन दिखे, वहां उसमें डाल दें। यह हाल हर पॉपुलर हिल स्टेशन का है। अभी हाल में नैनीताल का एक ऐसा ही विडियो काफी वायरल हुआ, जिसमें सफाई अभियान के दौरान हज़ारों की संख्या में निकलीं शराब की खाली बोतलों को एक दीवार पर लाइन से रखा हुआ है। नीचे ज़मीन पर प्लास्टिक कचरे समेत पर्यटकों की फेंकी हुई ढेर सारी गंदगी बिखरी पड़ी है। समझ नहीं आता कि लोग घर से इतनी दूर पहाड़ों पर या नदियों के किनारे क्या सिर्फ पीने के लिए ही आते हैं? उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के कई लोकप्रिय पर्यटन स्थलों से भी नदी किनारे शराब की बोतलों के ढेर मिलने की तस्वीरें आती रहती हैं। नदी में बैठकर लोग नशा करते हैं और बोतलें या कैन पानी में ही फेंक चले जाते हैं। नशा करने के बाद ये न सिर्फ गंदगी फैला रहे हैं, बल्कि उसी हालत में ड्राइव कर खुद के साथ ही दूसरों की जिंदगी भी खतरे में डाल रहे हैं। इस बीच, उत्तराखंड के चारों पवित्र धाम एक दूसरे तरह के कचरे से जूझ रहे हैं। गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में पिछले दो महीनों में चले सफाई अभियान के दौरान भागीरथी और यमुना नदी से सात क्विंटल कपड़े निकले हैं, जिनमें सबसे अधिक संख्या साड़ियों की थी। यहां आने वाले तीर्थयात्री स्नान के बाद पुराने गीले कपड़े नदी में ही बहा दे रहे हैं। सभी घाटों पर नदी में कपड़े न बहाने से संबंधित चेतावनी बोर्ड लगे हैं और लाउडस्पीकर से अनाउंसमेंट भी किया जाता है, तब भी लोग लगातार कपड़े और अन्य कचरा नदी में बहाए जा रहे हैं। ऐसा करते पकड़े जाने पर एक हज़ार रुपये के जुर्माने का प्रावधान है, पर उसका भी कोई असर नहीं दिख रहा। घाटों पर प्लास्टिक और अन्य कचरा भी भारी मात्रा में मिला है। साफ-सफाई को लेकर हमारा रवैया इतना बेपरवाह सा क्यों है कि जहां बैठे, वहीं गंदगी फैला दी। सावन की शुरुआत में अभी जगह-जगह राहगीरों को मीठा शरबत पिलाने के स्टॉल लगे देखे। कई जगह नियमों के विपरीत प्लास्टिक के गिलासों में शरबत पिलाया जा रहा था और डस्टबिन रखे होने के बावजूद सभी लोग गिलास सड़क पर ही फेंक कर चले जा रहे थे। उस भले काम की पवित्रता कितनी बढ़ जाए, अगर हम साफ-सफाई का भी ध्यान रखें। अक्सर यह हाल प्रमुख त्योहारों के समय हमारे धर्मस्थलों का भी हो जाता है। धार्मिक कार्यक्रम के बाद बची हुई पूजन सामग्री प्लास्टिक की पन्नियों में भरकर नदियों में डाल दी जाती हैं। प्रतिबंध के बावजूद इस पर रोक नहीं लग पा रही है।

> हिल टॉप पर बसा छावनी एरिया तो एकदम साफ-सुथरा था, लेकिन दूसरे पहाड़ी कई रास्तों के किनारे पड़ी बीयर की बोतलें और प्लास्टिक के कचरे को देख दुख हुआ कि कितना ही समझा लें, लोग नहीं सुधरेंगे। इतनी सुंदर जगह को गंदा करने का कोई सोच भी कैसे सकता है। खा-पीकर खाली रैपर्स और बोतलें वहीं फेंकी और आगे बढ़ गए। जिन दूसरे पर्यटकों के लिए ये गंदगी छोड़कर जा रहे हैं, क्या खुद इसी जगह बैठना पसंद करेंगे। दूसरों का नहीं, तो कम से कम इस प्रकृति का ही ख्याल कर लें, जिसे निहारने इतनी दूर से वहां पहुंचते हैं। खाली बोतलों और कचरे को अपनी गाड़ी में ही रखें और जहां डस्टबिन दिखे, वहां उसमें डाल दें। यह हाल हर पॉपुलर हिल स्टेशन का है।

नागरिक बोध

सिरमौर की जनजातीय गणना

हिमाचल में ट्राइबल समुदाय में बढ़ोतरी का एक और मील पत्थर राज्यसभा में हाटी शब्द को परिमार्जित कर गया। हाटी समुदाय को जनजातीय दर्जा देने के प्रस्ताव को लोकसभा के बाद राज्यसभा की मंजूरी के बाद अब केवल राष्ट्रपति के हस्ताक्षर का इंतजार है। इस तरह आइंदा हिमाचल के जनजातीय समुदाय में करीब पौने दो लाख की आबादी बढ़ जाएगी, जबकि सिरमौर जिला के चार विधानसभा क्षेत्रों की 154 पंचायतों को इससे संबंधित अधिकार प्राप्त होंगे। एक लंबी सियासी लड़ाई की परिणति में अंततः सिरमौर के एक बड़े भाग को सामाजिक, सांस्कृतिक व आर्थिक न्याय मिल रहा है। इस फैसले की अंतिम मोहर लगाने के बाद जो परिवर्तन आपेक्षित हैं, उनमें केंद्रीय व राज्य की ट्राइबल नीतियों के लाभ, सरकारी नौकरियों में आरक्षण का स्थान तथा विभिन्न परियोजनाओं में प्राथमिक आधार पर आबंटन का आधार बढ़ जाएगा। जाहिर है इसे उपलब्धि मानने के सबब से कहीं अधिक राजनीतिक जीत के रूप में प्रचारित किया जाएगा। भाजपा की तत्कालीन जयराम सरकार के प्रयास और केंद्र में मोदी सरकार के आशीर्वाद से हाटी समुदाय ने आजादी के बाद अपने अस्तित्व की सदी हासिल की है। अब तक किन्नौर, भरमौर, पांगी और लाहुल-स्पीति आदि क्षेत्रों को जनजातीय आधार पर आंका गया था, जबकि अतीत में शांता कुमार कांगड़ा के गद्दियों को भी ट्राइबल दर्जा मुहैया करवाने के सूत्रधार बने थे। ऐसे में अब हिमाचल का एक खास तपका जनजातीय आधार पर न केवल पहचान, बल्कि राजनीतिक, भौगोलिक व सामाजिक दबदबा कायम कर सकता है। हालांकि भौगोलिक दुरुहता के आधार पर कांगड़ा का छोटा व बड़ा भंगाल तथा शिमला का डोडरा-क्वार क्षेत्र अभी भी अपने पिछड़ेपन के कारण जनजातीय दर्जा पाने की ठोस वजह रखते हैं, लेकिन इनकी मांग बेअसर रही है। दूसरी ओर सिरमौर जिला लगभग पूरी तरह जनजातीय रंग में रंग गया है। सिरमौर के साथ लगते शिमला जिला के भी कई इलाके कमोबेश ऐसी ही परिस्थितियों से जूझ रहे हैं, तो प्रश्न उस विवेक से रहेगा जो केवल सीमित परिपाटी में ऐसे विषयों का मूल्यांकन करती रही है। हिमाचल में कबायली राजनीति में एक साथ पौने दो लाख लोगों का शामिल होना, निश्चित रूप से राजनीतिक शक्ति में नया धुरव पैदा करेगा। ऐसे में आगे चलकर लोकसभा सीटों का परिसीमन होता है, तो हिमाचल में कम से कम एक ट्राइबल बढ़ सकती है। दूसरी ओर ट्राइबल सब प्लान के तहत बजटीय आबंटन से कई विकासात्मक तथा सामाजिक उत्थान के कार्य संभव होंगे। हिमाचल में चंबा के बाद सिरमौर जिला का एक इलाका ट्राइबल प्लानिंग से अपनी आर्थिक उन्नति कर सकता है। कहना न होगा कि केवल जनजातीय दर्जा देने मात्र से समाज या क्षेत्र का उत्थान संभव है, बल्कि देखना यह होगा कि केंद्र इस मद में कितना धन आबंटित करता है। जनजातीय क्षेत्र या जनजातीय समुदाय की स्थायी बेहतरी के लिए योजनाओं-परियोजनाओं की प्राथमिकता से ही आर्थिक और सामाजिक आधार पुख्ता होगा, वरना जनजातीय प्रमाणपत्र के आधार पर सरकारी नौकरी का आवेदन आगे चलकर किस्तों में केवल रोजगार के कुछ अवसर ही पैदा करेगा। जनजातीय दर्जे के बीच हिमाचल के सामाजिक उत्थान का परिदृश्य किन्नौर, लाहुल-स्पीति से पांगी-भरमौर तक सुदृढ़ हुआ है। हिमाचल की प्रशासनिक व राजनीतिक परिदृश्य में इन क्षेत्रों व इनसे जुड़े लोगों का प्रभाव बढ़ा है। इतना ही नहीं ट्राइबल समुदाय ने अपनी आर्थिक क्षमता से मनाली, सोलन, धर्मशाला व पालमपुर जैसे शहरों में खास रुतबा बनाया है। अनारक्षित विधानसभा क्षेत्रों में भी जनजातीय उम्मीदवारों को तरजीह मिल रही है, तो इससे सामाजिक समरसता का परिचय मिलता है। बहरहाल सिरमौर के हाटी समुदाय को जनजातीय दर्जा मिलना, आगे चलकर प्रदेश की तरक्की में एक नई हलचल तो जरूर पैदा करेगा।

खतरनाक 'डोक्सुरी' चीन में देगा दस्तक! ड्रैगन ने तबाही से निपटने को कसी कमर; इस साल का यह पांचवा तूफान

बीजिंग ।

प्रशांत महासागर में बीते रविवार को उठा 'डोक्सुरी' तूफान चीन में तबाही मचाने के लिए तैयार है। यहां तेज हवाओं के साथ जबरदस्त बारिश हो रही है। बताया जा रहा है कि आज इस साल का पांचवा तूफान डोक्सुरी चीन में दस्तक दे सकता है, जिससे यहां भूस्खलन हो सकता है। हालांकि, इससे निपटने के लिए चीन ने कमर कस ली है।

लोगों को दी गई सलाह

चीन में इस तूफान के खतरे को देखते हुए अलर्ट जारी किया गया है। तटीय इलाकों से हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। नाविकों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। साथ ही कुछ तटीय शहरों में इस तूफान की वजह से कार्यालयों, स्कूलों और कॉलेजों को बंद कर दिया गया है। वहीं, सोमवार को भी चीन के कई हिस्सों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया था।

और खतरनाक होगा तूफान

चीन के मौसम विभाग के अनुसार, तूफान गुरुवार को दोपहर 12 बजे ताइवान जलडमरूमध्य से फुजियान प्रांत की ओर उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ गया था। इसलिए, तूफान की रफ्तार 180 किलोमीटर (112 मील) प्रति घंटे से अधिक है। यह तूफान शुक्रवार तक और खतरनाक हो जाएगा।

फिलीपींस में मचा चुका तबाही

जानकारी के अनुसार, डोक्सुरी ने एक समय खतरनाक रूप ले लिया था, लेकिन बुधवार को उत्तरी फिलीपींस के समुद्र तट पर भारी तबाही मचाने के बाद इसकी कुछ ताकत कम हो गई। इससे नदियों के तट टूट गए और हजारों घरों की बिजली गुल हो गई।

तीन तटीय शहरों को ज्यादा खतरा

मीडिया रिपोर्ट की माने तो फुजियान प्रांत के तीन तटीय शहरों ने गुरुवार को स्कूलों, व्यवसायों और कारखानों को बंद कर दिया है। वहीं जियामेन में बाढ़ नियंत्रण अधिकारियों ने अलर्ट रहने की चेतावनी दी है। अंदाजा लगया जा रहा है कि यह शहर सबसे ज्यादा प्रभावित हो सकता है।

1949 में आया था शक्तिशाली तूफान

देश की आपदा एजेंसी के अनुसार, डोकसूरी तूफान अभी तक फिलीपींस में पांच लोगों की जान ले चुका है।

न्यूज ब्रीफ

अब चीन की लड़की बॉयफ्रेंड से मिलने पाकिस्तान पहुंचीः इस्लामाबाद लेने पहुंचा प्रेमी; सोशल मीडिया पर दोस्ती हुई, फिर प्यार हो गया

पेशावर। सीमा और अंजू के बाद एक और लड़की सरहद पार करके अपने प्रेमी के पास पहुंची। इस बार चीन की एक लड़की बॉयफ्रेंड के पास पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा पहुंची। 21 साल की गाओ फेंग 3 महीने का विजिट वीजा लेकर गिलगित के रास्ते पाकिस्तान पहुंची है। गाओ का बॉयफ्रेंड जावेद (18) अफगानिस्तान बॉर्डर से लगे बाजौर का रहने वाला है। वह गाओ फेंग को लेने इस्लामाबाद गया था। वहां से उसको अपने मामा के घर ले गया। पुलिस का कहना है कि दोनों की दोस्ती स्नैपचैट पर हुई थी, जिसके बाद उन्हें एक-दूसरे से प्यार हो गया। ग्वालियर की रहने वाली अंजू थॉमस 21 जुलाई को राजस्थान के भिवाड़ी से पाकिस्तान के दीरबाला पहुंची थी। 34 साल की अंजू अपने 29 साल के बॉयफ्रेंड नसरुल्लाह के साथ पाकिस्तान में रह रही है। उसने धर्म परिवर्तन करके इस्लाम अपना लिया और नाम बदलकर फातिमा रख लिया है। 2019 में फेसबुक पर दोनों के बीच दोस्ती हुई थी। अंजू की यह दूसरी शादी है, वह दो बच्चों की मां भी है। उसके पिता ने मीडिया से कहा कि अब अंजू उनके लिए मर चुकी है। पाकिस्तान से अपने 4 बच्चों के साथ सीमा गुलाम हैदर भागकर भारत आईं थी। इन दोनों की लव स्टोरी भी खूब सुर्खियां बंटोर रही हैं। सीमा पाकिस्तान से नेपाल के रास्ते भारत आई थी। इनकी दोस्ती पबजी गेम खेलते समय हुई। सीमा ने पूछताछ में बताया था कि वह 13 मई को अवैध तरीके से भारत में घुसी थी। उसका कहना था कि मैंने सचिन से नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर में शादी की थी। हिंदू धर्म भी अपना लिया है। इसके बाद भी दुनिया प्रूफ मांगती है, तो अब मैं कोर्ट मैरिज करूंगी और गंगा भी नहाऊंगी।

ब्रिटिश कालीन बंगलों का मामला, भारतीय मूल के मंत्रियों ने पीएम के भाई को दी मुकदमे की धमकी

सिंगापुर । सिंगापुर में भारतीय मूल के दो वरिष्ठ मंत्रियों ने प्रधानमंत्री ली शीन लूंग के भाई ली सीन यांग के खिलाफ मानहानि का मुकदमा करने की धमकी दी है। दरअसल ली शीन यांग ने भारतीय मूल के मंत्रियों पर ब्रिटिश कालीन बंगलों को लेकर सिंगापुर के गृह मंत्री के षणमुगम और विदेश मामलों के मंत्री विवियन बालकृष्णन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। आरोपों को दोनों मंत्रियों ने खारिज कर दिया है और छवि बिगाड़ने का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री के भाई के खिलाफ मानहानि का मुकदमा करने की धमकी देते हुए माफी मांगने और हर्जाने की मांग की है। गुरुवार को सिंगापुर के गृह मंत्री के षणमुगम ने फेसबुक पर पोस्ट करते हुए लिखा कि ली यांग ने मुझ पर और डॉ. बालकृष्णन पर सिंगापुर लैंड अथॉरिटी से निजी फायदा लेने और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। षणमुगम ने लिखा कि रिडआउट रोड पर बंगला नंबर 26 और 31 में सिंगापुर लैंड अथॉरिटी के बिना अनुमति के पेड़ काटने और बंगलों के पुनर्निर्माण के लिए सिंगापुर लैंड अथॉरिटी द्वारा भुगतान करने का आरोप लगाया गया है।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र के 62वें सामाजिक विकास आयोग की अध्यक्षता संभाली, 50 सालों में पहली बार मिला मौका

न्यूयॉर्क । संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने संयुक्त राष्ट्र के 62वें सामाजिक विकास आयोग के अध्यक्ष का पद संभाल लिया है। बीते करीब 50 सालों में यह पहला मौका है, जब भारत को इसकी अध्यक्षता मिली है। इससे पहले साल 1975 में भारत ने इस आयोग की अध्यक्षता की थी। कंबोज ने गुरुवार को अध्यक्षता संभालने के बाद ट्वीट करते हुए लिखा कि सामाजिक विकास आयोग की अध्यक्षता करने में भारत को बहुत गर्व महसूस हो रहा है। भारत अपने मूल सिद्धांतों के साथ नेतृत्व करने, वैश्विक समुदाय के कल्याण और समृद्धि के लिए काम करने के प्रति प्रतिबद्ध है। संयुक्त राष्ट्र में भारतीय मिशन ने एक बयान में कहा कि रुचिरा कंबोज, सामाजिक विकास के मामलों में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने पर फोकस करेंगी। बता दें कि सामाजिक विकास आयोग के 62वें सत्र की अध्यक्षता का चुनाव 15 फरवरी को हुआ था और इससे पहले साल 1975 में भारत ने इस आयोग की अध्यक्षता की थी। लक्जमबर्ग, उत्तरी मेसेडोनिया, डोमिनिकन रिपब्लिक और चुनाव के बाद तय होने वाले अफ्रीकी देश इस आयोग के उपाध्यक्ष हैं। इन देशों ने भी भारत की अध्यक्षता का समर्थन किया है। सामाजिक विकास आयोग के 62वें सत्र का केंद्रीय विषय सतत विकास के लिए 2030 के एजेंडे के क्रियान्वयन में तेजी और गरीबी उन्मूलन के व्यापक लक्ष्य को पाने के लिए सामाजिक नीतियों से विकास और सामाजिक न्याय को बढ़ावा देना है।

नॉर्थ कोरिया ने दिखाईं परमाणु मिसाइलें, ड्रोन्स

अमेरिका तक हमले में सक्षम बैलिस्टिक मिसाइल भी शामिल; विक्ट्री डे पर हुई मिलिट्री परेड

प्योंगयांग।

नॉर्थ कोरिया में विक्ट्री डे के मौके पर मिलिट्री परेड का आयोजन किया गया। इस परेड में परमाणु क्षमता वाली मिसाइलों के साथ नए ड्रोन्स और कई बैलिस्टिक मिसाइलें दिखाई गईं। इनमें अमेरिका तक वार करने में सक्षम ह्वासोंग-17 और 18 को भी शामिल किया गया। इन मिसाइल्स का हाल ही में सफल परीक्षण किया गया था। नॉर्थ कोरिया के स्टेट मीडिया के मुताबिक, कोरियन वॉर के 70 साल पूरे होने के मौके पर ये परेड रखी गई थी। इसमें तानाशाह किम ने अपनी सेना के साथ शक्ति प्रदर्शन किया। किम के साथ रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु और चीनी डेलिगेशन भी नजर आया, जिन्हें बतौर मेहमान बुलाया गया था।

रूस बोला- कोरियन पैनिनसुला में तनाव के लिए अमेरिका जिम्मेदार

परेड में एक स्पीच के दौरान रूसी रक्षा मंत्री ने क्षेत्र में तनाव के लिए अमेरिका को जिम्मेदार ठहराया। किम ने शोइगु के सम्मान में लंच का आयोजन किया। इस दौरान नॉर्थ कोरियाई नेता ने रूसी लोगों और उसकी सेना के साथ एकजुट होकर आगे बढ़ने का प्रण लिया। इससे पहले गुरुवार सुबह को किम जोंग ने रूस और चीन के डेलिगेशन के लिए डिफेंस ऐग्जीबिशन रखी थी।

सोवियत संघ टूटने के बाद पहली बार नॉर्थ कोरिया पहुंचे रूसी रक्षा मंत्री

किम जोंग ने रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगू से मुलाकात की थी और दोनों नेताओं के बीच सैन्य मसलों और सुरक्षा को लेकर चर्चा हुई थी। इसके बाद रक्षा मंत्री शोइगू ने भी स्पीच दी थी। उन्होंने कहा था कि नॉर्थ कोरिया की आर्मी दुनिया की सबसे ताकतवर आर्मी बन गई है। ये पहला मौका है, जब सोवियत यूनियन के टूटने के बाद कोई रूसी रक्षा मंत्री नॉर्थ कोरिया पहुंचा है। नॉर्थ कोरिया में कोरोना पाबंदियां हटने के बाद ये पहला मौका, जब कोई विदेशी डेलिगेशन प्योंगयांग पहुंचा।

अमेरिका बोला- नॉर्थ कोरिया से हथियार ले रहा रूस

रूसी डेलिगेशन की यात्रा को लेकर व्हाइट हाउस

प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा- ये दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब रूस दूसरे देशों से हथियार खरीदने की कोशिश कर रहा है। इसमें अब कुछ सीक्रेट नहीं रहा है। पुतिन दूसरे देशों से जंग में मदद मांग रहे हैं और इसमें नॉर्थ कोरिया भी शामिल है। तानाशाह ने हमेशा से जंग में रूस का पक्ष लिया है और अब वो हथियार और मिसाइल भी सप्लाई कर रहा है। हालांकि, रूस और उत्तर कोरिया, दोनों ने ही इन दावों को खारिज कर दिया।

3 साल तक चले कोरियन वॉर में मारे गए थे 30 लाख लोग

25 जून 1950 को उत्तर और दक्षिण कोरिया के बीच युद्ध शुद्ध हुआ। 38 पैरालेल लाइन के जरिए कोरिया को दो हिस्सों में बांटा गया था। उत्तर कोरिया को रूस समर्थन दे रहा था। इसके बाद 1951 में चीन भी उसके साथ आ गया। इस पर अमेरिका ने साउथ कोरिया के साथ आने का फैसला लिया। दोनों देशों के बीच तीन साल तक लड़ाई चली। इस दौरान करीब 30 लाख लोग मारे गए थे। इसे फॉरगॉटेन वार भी कहा जाता है। 3 साल बाद 27 जुलाई 1953 को नॉर्थ और साउथ के बीच समझौता हुआ, जिसके बाद जंग रुक सकी थी। हालांकि, तब से दोनों देशों के बीच तनाव बना हुआ है।

नॉर्थ कोरिया ने दिखाए थे परमाणु हथियार

इससे पहले मार्च में नॉर्थ कोरिया ने कई इंटर कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल सहित दूसरी मिसाइलों की टेस्टिंग की थी। देश ने पहली बार अपने परमाणु हथियार दुनिया के सामने पेश किए थे। इस दौरान नॉर्थ कोरिया ने और भी खतरनाक परमाणु हथियार बनाने की बात कही थी। न्यूक्लियर एक्सपर्ट्स का मानना है कि नॉर्थ कोरिया के हथियार बेशक छोटे हैं फिर भी इन्हें इंटर कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइलों पर लगाकर अमेरिका और साउथ कोरिया में तबाही मचाई जा सकती है।

सीरिया में शिया मस्जिद के पास बम विस्फोट

6 की मौत, 23 घायल; पास खड़ी टैक्सी के परखच्चे उड़े, दुकानों के शीशे टूटे

दमिश्क ।

सीरिया में गुरुवार रात हुए एक विस्फोट में कम से कम छह लोग मारे गए और 23 अन्य घायल हो गए। बम एक मोटर साइकिल में रखा गया था। विस्फोट इतना तेज था कि पास खड़ी टैक्सी के परखच्चे उड़ गए। पास में दुकानों के शीशे टूट गए। विस्फोट दमिश्क के ग्रामीण इलाके में असायदा जैनब शहर को निशाना बनाकर किया गया। आंतरिक मंत्रालय ने टेलीग्राम पर एक बयान में कहा, घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। साथ ही संबंधित पुलिस और अधिकारी विस्फोट स्थल पर पहुंच गए हैं।

सईदा जैनब के मकबरे के पास हुआ विस्फोट

39 साल के एक प्रत्यक्षदर्शी इब्राहिम ने बताया, हमने एक बड़ा विस्फोट सुना और लोग भागने लगे। फिर एंबुलेंस आ गईं और सुरक्षा बलों ने इलाके को घेर लिया। उन्होंने कहा कि विस्फोट पैगंबर मोहम्मद की पोती और शिया इस्लाम के संस्थापक नेता इमाम अली की बेटी सईदा जैनब के मकबरे से लगभग 600 मीटर (गज) की दूरी पर एक सुरक्षा भवन के पास हुआ। इस्लामिक स्टेट शिया धर्मस्थलों को बनाता है निशाना आधिकारिक मीडिया ने एक सुरक्षा अधिकारी के हवाले से बताया कि मंगलवार को उसी इलाके में एक कार में हुए विस्फोट में दो नागरिक घायल हो गए। न केवल सीरिया में बल्कि पड़ोसी इराक में भी इस्लामिक स्टेट समूह (आईएस) के सुन्नी मुस्लिम चरमपंथियों द्वारा शिया धर्मस्थलों को लगातार हमलों का निशाना बनाया जाता है। 2011 में भड़के देश के गृह युद्ध के दौरान सईदा जैनब मकबरे पर कई घातक बम विस्फोट हुए थे। तब से, फिरोजा चीनी मिट्टी और ईरानी शैली में सोने के गुंबद के साथ मस्जिद परिसर का बचाव शिया लड़ाकों, ज्यादातर लेबनानी और इराकी द्वारा किया जाता है। आईएस ने कहा कि फरवरी 2016 में मकबरे से 400 मीटर की दूरी पर दोहरे आत्मघाती हमले के पीछे उसका हाथ था, जिसमें 134 लोग मारे गए थे।

'ग्लोबल वार्मिंग का दौर अब खत्म, बॉयलिंग का समय शुरू', जलवायु परिवर्तन पर बोले एंटोनियो गुटेरेस

वाशिंगटन ।

भारत इस साल जी 20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। दिल्ली में आयोजित होने वाले जी 20 शिखर सम्मेलन और उच्च स्तरीय महासभा सत्र को लेकर संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस का कहना है कि जलवाय परिवर्तन पर कार्रवाई करने के लिए यह महत्वपूर्ण अवसर है। ग्लोबल वार्मिंग का युग अब खत्म हो चुका है। यह अब ग्लोबल बॉयलिंग बन चुका है।

मानव इतिहास का सबसे गर्म महीना जुलाई

गुटेरेस ने कहा कि मानवता गर्म सीट पर है। बता दें, मौसम विज्ञान संगठन और यूरोपीय आयोग की एक समिति ने कहा है कि जुलाई 2023 मानव इतिहास का सबसे गर्म महीना हो सकता है। उत्तरी अमेरिका, एशिया, अफ्रीका और यूरोप के साथ-साथ यह पूरी धरती के लिए खतरनाक है। गुटेरेस ने कहा कि जलवायु परिवर्तन यह खतरनाक है। यह तो सिर्फ शुरुआत है। ग्लोबल वार्मिंग का युग अब खत्म हो चुका है। ग्लोबल बॉयलिंग का युग आ चुका है। प्रदुषित हवा के कारण हम सांस नहीं ले सकते।

गर्मी असहनीय होती जा रही है।

बढ़ते तापमान के कारण कार्रवाई की आवश्यकता

गुटेरेस ने विश्व के सभी नेताओं से कहा है कि जलवायु परिवर्तन को लेकर अब कोई झिझक नहीं होनी चाहिए। कोई बहाना नहीं चलेगा। अब दूसरों का इंतजार करने का समय चला गया है। बढ़ते तापमान के कारण हमें त्वरित कार्रवाई की आवश्यकता है। हमारे पास कई महत्वपूर्ण अवसर हैं। अफ्रीका जलवायु शिखर सम्मेलन। जी20 शिखर सम्मेलन। संयुक्त राष्ट्र जलवायु महत्वाकांक्षा शिखर सम्मेलन। सीओपी 28। भारत ने पिछले साल एक दिसंबर को जी 20 की अध्यक्षता संभाली थी। 9-10 सितंबर को नई दिल्ली में जी 20 शिखर सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

पाक यूनिवर्सिटी की छात्राओं के 5500 पोर्न क्लिप मिले: सिक्योरिटी ऑफिसर इन्हें बनवाता था, प्रोफेसर ड्रग्स बेचता था

लाहौर।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के बहावलपुर की इस्लामिया यूनिवर्सिटी के सिक्योरिटी ऑफिसर के मोबाइल से यहां की छात्राओं के पोर्न वीडियो क्लिप मिले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में इन वीडियो की संख्या करीब 5500 बताई गई है। आरोपी छात्राओं को अच्छे मार्क्स का लालच देकर न्यूड वीडियो बनवाता था। इस यूनिवर्सिटी के 113 स्टूडेंट ड्रग एडिक्ट भी मिले हैं। पुलिस को पता चला है कि यूनिवर्सिटी का एक प्रोफेसर इन्हें ड्रग्स बेचता था।

पुलिस ने यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर डॉक्टर अबुजर, सिक्योरिटी ऑफिसर सैयद एजाज शाह और अल्ताफ नाम के एक शख्स को अरेस्ट किया है। पुलिस को एजाज के 2 फोन से ये पोर्न क्लिप मिली हैं। पुलिस ने 22 जुलाई को यूनिवर्सिटी में रेड की थी। यूनिवर्सिटी प्रशासन का कहना है कि यह संस्था और छात्रों के खिलाफ साजिश है। वहीं, पुलिस का कहना है कि यूनिवर्सिटी हमारा टारगेट नहीं है, हम ड्रग स्मगलर्स को पकड़ना चाहते हैं। न्यूड वीडियो मामले में सिक्योरिटी ऑफिसर के साथ यूनिवर्सिटी के अन्य प्रोफेसर और स्टाफ भी शामिल हैं, जो स्टूडेंट्स को ब्लैकमेल कर वीडियो एजाज को भेजने के लिए कहते थे।

स्टूडेंट्स को डांस और सेक्स पार्टी के लिए फोर्स करते थे

पुलिस का कहना है कि स्टूडेंट्स और महिला कर्मचारियों को यूनिवर्सिटी में डांस और सेक्स पार्टी के लिए भी फोर्स किया जाता था। मामले की जांच साउथ पंजाब का एजुकेशन डिपार्टमेंट भी करेगा। इसकी जांच रिपोर्ट तीन दिन में सौंपी जाएगी।

आरोपी एजाज आर्मी का रिटायर्ड ऑफिसर

पुलिस ने बताया कि आरोपी एजाज आर्मी का रिटायर्ड ऑफिसर है। इसकी नियुक्ति यूनिवर्सिटी के पूर्व चांसलर ने की थी।

दो ड्रग पैडलर पकड़े

पुलिस ने एक महिला सहित 2 ड्रग पैडलर को हिरासत में लिया है। आरोपियों से 1.5 किलोग्राम चरस, 20 ग्राम क्रिस्टल और 300 ग्राम चरस बरामद हुई है। ये आरोपी एजुकेशनल इंस्टीट्यूट में नशीले पदार्थ सप्लाई किया करते थे।

गर्ल्स स्टूडेंट और टीचर्स से रेप

इस ड्रग्स रैकेट पर डिटेल्ड रिपोर्ट पब्लिश की है। पुलिस इस मामले की जांच जून से कर रही थी, हालांकि सबूत न मिलने की वजह से आरोपियों के खिलाफ एक्शन लेना मुमकिन नहीं था। पुख्ता जानकारी मिलने के बाद 28 जून को यूनिवर्सिटी के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से काफी ड्रग्स बरामद हुए। फाइनेंस अफसर को एक वैन से पकड़ा गया। उसके साथ यूनिवर्सिटी का चीफ सिक्योरिटी ऑफिसर भी मौजूद था। इसके पास से भी ड्रग्स मिले। इन दोनों के फोन चेक किए गए तो पुलिस के होश उड़ गए। इनमें यूनिवर्सिटी की स्टूडेंट्स और फीमेल टीचर्स के अश्लील वीडियोज थे।

जम्मू-कश्मीर में नेटवर्क बढ़ाने की फिराक में अल-कायदा

यूएन रिपोर्ट में खुलासा- तालिबान से दोस्ती बढ़ा रहा; इंडियन सब-कॉन्टिनेंट में 200 लड़ाके मौजूद

संयुक्त राष्ट्र ।

आतंकी संगठन अल-कायदा जम्मू-कश्मीर, बांग्लादेश और म्यांमार में अपनी पैठ जमाने की कोशिश कर रहा है, जिससे वो आतंकी ऑपरेशन्स को अंजाम दे सके। यूएन की एक रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। इसके लिए संगठन अफगानिस्तान में तालिबान से रिश्ते बेहतर करने पर फोकस कर रहा है। अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट के ऑपरेशन्स पर नजर रखने वाली यूएनएससी की टीम ने ये रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट के मुताबिक, इंडियन सब-कॉन्टिनेंट में अल-कायदा के एक संगठन (अल-कायदा इन इंडियन सब-कॉन्टिनेंट) के 200 लड़ाके मौजूद हैं। इनका लीडर आतंकी ओसामा महमूद है। वहीं अफगानिस्तान में इस संगठन के 400 लड़ाके हैं। यूएन के एक मेंबर स्टेट ने दावा किया है कि क्षेत्र में आईएसआईएस के खोरासान प्रॉविंस से जुड़ने के लिए तैयार है।

पाकिस्तान में हमले करने के लिए टीटीपी की मदद कर रहा एक्यूआईएस

वहीं एक स्टेट ने दावा किया है कि ये संगठन टीटीपी में शामिल होकर तालिबान का समर्थन हासिल करने की कोशिश कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, लगातार टीटीपी को पाकिस्तान में ज्यादा से ज्यादा आतंकी हमले करने में मदद कर रहा है।

अफगानिस्तान में आईएसआईएल - के के 6 हजार आतंकी

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आईएसआईएल - के से जुड़े करीब 6 हजार

आतंकी और उनके परिजन अफगानिस्तान में हैं। वे लगातार अपनी क्षमताएं बढ़ा रहे हैं। अलकायदा और आईएसआईएल - के को मिलाकर अफगानिस्तान में कुल 20 आतंकी संगठन सक्रिय होने का अनुमान है। इनका लक्ष्य मौका मिलते ही नए क्षेत्रों में अपनी पैठ बनाना है। अगस्त 2021 में अफगानिस्तान की सत्ता पर कब्जा करने वाले तालिबान और अल-कायदा के बीच संबंध गहरे संबंध हैं। हालांकि, यूएन रिपोर्ट के मुताबिक, अल-कायदा अफगानिस्तान में गुप्त रूप से काम करता है, जिससे तालिबान पर ये आरोप न लग सके कि वो अफगानिस्तान का इस्तेमाल आतंकी गतिविधियों को बढ़ाने में कर रहा है। इससे दुनिया में उसे अफगानिस्तान की सरकार के तौर पर मंजूरी मिलने में मदद मिलेगी।

कैसे बना आतंकी संगठन आईक्यूआईएस

आईक्यूआईएस की शुरुआत 2014 में पूर्व अल-कायदा चीफ अयमान अल-जवाहिरी ने की थी। पाकिस्तान मूल का असीम उमर इसका शुरुआती सदस्य था। तब अल-जवाहिरी की तरफ से एक वीडियो भी सामने आया था, जिसमें उसने भारत के खिलाफ जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों की बात कही थी। अब इसकी अगुवाई ओसामा महमूद कर रहा है, जो पाकिस्तान मूल का बताया जाता है। अफगान मिलिट्री ऑपरेशन में उमर मारा गया था। इसके बाद 2019 में महमूद ने इसकी बागडोर अपने हाथ में ले ली थी।

भारत में आतंकी संगठन आईक्यूआईएस कितना एक्टिव

दिल्ली में 2015 में तीन आतंकियों की गिरफ्तारी के बाद आईक्यूआईएस की भारत में मौजूदगी का पहली बार पता चला था। दिल्ली पुलिस ने बाद में आईक्यूआईएस के आतंकी मौलाना अब्दुल रहमान कासमी को गिरफ्तार किया था।

पंजाब सरकार ने बारह हजार अस्थायी अध्यापकों को किया नियमित

सरकारी स्कूलों के 20 हजार विद्यार्थियों को मिलेगी मुफ्त बस सेवा

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शिक्षा विभाग के 12 हजार 710 अस्थायी अध्यापकों को नियमित कर उन्हें नियुक्ति के पत्र सौंपकर अध्यापक वर्ग से किया अपना वादा पूरा कर दिया है। उन्होंने ऐलान किया कि पायलट प्रोजेक्ट के तहत सरकारी स्कूलों के 20 हजार विद्यार्थियों के लिए मुफ्त बस सेवा शुरू की जाएगी। शुक्रवार को मुख्यमंत्री मान ने कहा कि पद संभालने के बाद उन्होंने सभी कानूनी और प्रशासनिक अड़चनों को पार कर अस्थाई अध्यापकों की सेवाओं को रेगुलर किया है। मान ने कहा कि इस फैसले का मंतव्य अध्यापकों के सुरक्षित भविष्य को यकीनी बनाना है, क्योंकि उनका विश्वास है कि अगर अध्यापकों का भविष्य सुरक्षित है तो ही वे विद्यार्थियों की किस्मत को बदल सकते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की तरफ से किए गए ठोस प्रयासों स्वरूप ही आज यह ऐतिहासिक दिन देखने को मिल रहा है। भगवंत मान ने कहा कि वह एक अध्यापक के पुत्र होने के नाते अध्यापकों की समस्याओं को अच्छी तरह जानते हैं और अध्यापकों को पेश सभी समस्याओं को समाधान करना उनका फर्ज है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब से इन अध्यापकों के नाम आगे से कच्चेशब्द हमेशा के लिए हट जाएगा। उन्होंने कहा कि इन अध्यापकों को हर साल पांच प्रतिशत वेतन वृद्धि के साथ-साथ छुट्टियों सहित अन्य लाभ भी दिए जाएंगे। मान ने कहा कि राज्य सरकार ने एक और ऐतिहासिक पहलकदमी करते हुए फैसला किया है कि अध्यापक सिर्फ अध्यापन कार्य से संबंधित सेवा निभाएंगे और उनकी किसी गैर-अध्यापन कार्य के लिए ड्यूटी नहीं लगाई जाएगी। मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने राज्य में जनगणना के लिए 66 हजार अध्यापकों की मांग की गई थी, जिस पर उन्होंने स्पष्ट शब्दों में इन्कार कर दिया। केंद्र सरकार को इस मंतव्य के लिए बेरोजगार नौजवानों को भर्ती करने के लिए कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बड़े-बड़े घरों में रहने वाले नेता ऐसे फैसले नहीं ले सकते क्योंकि वह जमीनी हकीकतों से अवगत नहीं हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जल्द ही सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए मुफ्त बस सेवा शुरू करेगी। इसके लिए पायलट प्रोजेक्ट में 20 हजार विद्यार्थियों, जिसमें 12 हजार छात्राएं और 8 हजार छात्र शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि इस स्कीम के लिए 21 करोड़ रुपए का बजट पास किया जा चुका है, जिससे सरकारी स्कूलों में प ?ने वाली छात्राओं को सुविधाएं प्रदान करना है। मान ने कहा कि इन बसों को जीपीएस सिस्टम के साथ लैस किया जाएगा, जिससे अभिभावक बसों की आवाजाही पर नजर रखी जा सकें। उन्होंने कहा कि सरकार का यह कदम सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाली छात्राओं की सुरक्षा सुरक्षित करने में अहम भूमिका निभाएगा।

शहर की 20 कॉलोनियां हुई अवैध से वैध

कैथल (हिंस)। हरियाणा सरकार ने पूरे प्रदेश में 131 कॉलोनियों को अवैध से वैद्य किया है। इसमें कैथल शहर की 20 कॉलोनियां भी शामिल हैं। जबकि इसके अलावा फरीदाबाद की 59 कॉलोनियों को वैध किया है। अवैध कॉलोनियों को वैध करने के मामले में फरीदाबाद पहले और कैथल दूसरे स्थान पर है। यह जानकारी नगर परिषद की चेयरपर्सन सुरभि गर्ग ने उनके कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में दी है। सुरभि गर्ग ने बताया कि कैथल नगर परिषद की तरफ से 33 अवैध कॉलोनियों को वैध करने का प्रस्ताव सरकार को भेजा गया था। इसमें से 20 कॉलोनियों को सरकार ने वैध कर दिया है। शेष 13 कॉलोनियों कुछ कमियों के चलते वैध नहीं हो पाई है। इन कॉलोनियों को वैध करने के लिए सरकार ने 30 सितंबर तक का समय दिया है। इससे पहले इन कॉलोनियों को वैध करने का प्रस्ताव त्रुटियां दूर करने के बाद सरकार के पास भेज दिया जाएगा। सुरभि गर्ग ने कहा कि शहर की 20 कॉलोनियों को वैध होना पार्षदों व नगर परिषद के अधिकारियों की मेहनत का फल है। पत्रकारों द्वारा शहर के अंदर की कॉलोनियों के वैध न होने को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में चेयरपर्सन ने कहा कि उन्होंने इन सभी कॉलोनियों को भी अवैध से वैध करने के लिए प्रस्ताव भेजा था।

डल्लेवालिया गैंग के तीन शूटर गिरफ्तार

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने मोगा पुलिस के साथ किए गए संयुक्त ऑपरेशन के दौरान गोपी डल्लेवालिया गैंग के तीन शूटरों को गिरफ्तार करके संतोख सिंह कत्ल केस की गुत्थी को सुलझाने में बड़ी सफलता हासिल की है। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने शुक्रवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में निर्मल सिंह उर्फ निम्मा, अप्रैल सिंह उर्फ शेरा और जसकरन सिंह उर्फ करन के तौर पर हुई है। पुलिस टीमों ने इनके कब्जे में से 10 जीवित कारतूसों समेत तीन .32 कैलीबर पिस्तौल और अपराध में इस्तेमाल की हुंडई वर्ना कार भी बरामद की है। चार हमलावरों ने 16 जुलाई को मोगा में संतोख सिंह के घर में दाखिल होकर उसकी गोली मार कर हत्या कर दी थी। एआईजीएजीटीएफ संदीप गोयल के नेतृत्व में एजीटीएफ की टीम ने मोगा पुलिस के साथ मिलकर तीन व्यक्तियों जो शूटर हैं और नामी गोपी डल्लेवालिया गैंग से संबंधित हैं, को जालंधर के महितपुर इलाके से गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि प्राथमिक जांच के अनुसार गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी डल्लेवालिया और गौरव शर्मा उर्फ गोरू बच्चा इस घृणित कत्ल के मास्टरमाईंड हैं। गैंगस्टर गोपी डल्लेवालिया भगोड़ा है और उसके विरुद्ध कत्ल, कत्ल की कोशिश, जबरन वसूली, हथियार एक्ट आदि जैसे 12 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। एआईजी सन्दीप गोयल ने बताया कि बाकी मुलजिमों को पकड़ने के लिए पुलिस टीमें छापेमारी कर रही हैं और आगे जांच जारी है।

सेना प्रमुख ने लद्दाख के अग्रिम इलाकों का किया दौरा

लेह (हिंस)। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने शुक्रवार को लद्दाख के अग्रिम इलाकों का दौरा किया। इस दौरान जनरल पांडे को ने सैनिकों से वार्ता की और सैन्य अधिकारियों ने उन्हें लद्दाख के अग्रिम इलाकों के दौरे के दौरान परिचालन तैयारियों के बारे में जानकारी दी गई। शुक्रवार को सेना ने एक ट्वीट के माध्यम से जानकारी दी कि सेना प्रमुख मनोज पांडे ने सैनिकों से बातचीत के दौरान उन्होंने उनकी अटूट प्रतिबद्धता के लिए उनकी सराहना की और उन्हें अत्यधिक व्यावसायिकता और सकारात्मक भावना के साथ काम करना जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उल्लेखनीय है कि भारत-चीन सीमा पर जारी तनाव के बीच सेना प्रमुख का यह दौरा हो रहा है।

पंचायती राज के माध्यम से होता है गांवों का विकास : ओमप्रकाश धनखड़

फरीदाबाद (हिंस)। आगामी 7 व 8 अगस्त को भारतीय जनता पार्टी द्वारा फरीदाबाद के सूरजकुंड स्थित होटल राजहंस में 7 प्रदेशों के क्षेत्रीय पंचायती राज परिषद के दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर भाजपा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री बीएल संतोष, राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री शिवप्रकाश और राष्ट्रीय महामंत्री कैलाश विजयवर्गीय एवं भाजपा प्रदेश संगठन मंत्री रवींद्र राजू के मार्गदर्शन में शुक्रवार को बैठक हुई। अध्यक्षता हरियाणा भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ ने की। इस बैठक में फरीदाबाद के साथ-साथ दिल्ली व आसपास क्षेत्रों के वरिष्ठ पार्टी पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक को संबोधित करते हुए ओमप्रकाश धनखड़ ने बताया कि फरीदाबाद में पहली बार इतने बड़े स्तर पर पंचायती राज परिषद के सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन राष्ट्रीय स्तर पर तीन भागों में बांटे गए है, जिसमें उत्तर क्षेत्र के लिए हरियाणा का चयन किया गया है, जबकि पूर्व के लिए कलकत्ता तथा दक्षिण-पश्चिमी के लिए दमन शामिल है। धनखड़ ने आगे बताया कि दो दिवसीय कार्यक्रम की देखरेख का जिम्मा प्रदेश महामंत्री व पूर्व विधायक लाडवा डॉ. पवन सैनी संभाल रहे हैंष जिन्होंने कार्यकर्ताओं को विभाग अनुसार सम्मेलन को सफल बनाने के लिए जिम्मेदारियां सौंपी हैं।

चुनाव के समय भाजपा नेताओं के बहकावे में नहीं आएं आमजन : पायलट

टोंक (हिंस)। पूर्व उप मुख्यमंत्री और स्थानीय विधायक सचिन पायलट ने आरोप लगाया है कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार को आमजन के मुद्दों की कोई चिंता नहीं है। कुछ महीनों बाद होने वाले चुनाव में उनकी पार्टी के नेता भ्रमित कर विवादित बयान देकर भावनाएं भड़काएंगे और वोट बटोरने की कोशिश करेंगे। अब समय आ गया है कि जनता उनके बहकावे में नहीं आए। पायलट के मुख्य आतिथ्य एवं कृषि विपणन राज्य मंत्री मुरारीलाल मीणा की अध्यक्षता में शुक्रवार को कृषि उपज मंडी प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में मिनी फूड पार्क, सोनवा सहित लगभग 51 करोड़ के निर्माण कार्यों का शिलान्यास व शुभारंभ किया गया। साथ ही लाभार्थियों को चैक एवं आवंटन पत्रों का वितरण किया गया। इस मौके पर पायलट ने कहा कि किसान देश के रीढ़ की हड्डी है। किसान वर्ग इन मंडियों से सीधा जुड़ा हुआ है। कांग्रेस पार्टी ने हमेशा किसानों

की उन्नति के लिए काम किया है। मंडी व्यवस्था को मजबूत करने का काम कांग्रेस पार्टी ने किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार किसान विरोधी काले कानून लेकर आई। यदि ये काले कानून वापस नहीं लिए जाते तो मंडी व्यवस्था पूरी तरह से चौपट हो जाती। किसान व्यापारी बर्बाद हो जाते। उन्होंने कहा कि पिछले नौ सालों से केंद्र में भाजपा की सरकार है। इन नौ सालों में भाजपा कालेधन, महंगाई, बेरोजगारी को समाप्त नहीं कर पाई। भाजपा के शासन में महंगाई चरम पर बढ़ गई है। रोजमर्रा की चीजों के दाम आसमान छू रहे है। सरकारी एजेन्सियों का दुरूपयोग किया जा रहा है। भाजपा को जनता के मुद्दों की कोई चिन्ता नहीं है। उन्होंने कहा कि कुछ महीनों बाद चुनाव होने वाले है। भाजपा के नेता लोगों को भ्रमित कर, विवादित बयान देकर, जनता की भावनाओं को भड़काकर वोट बटोरने की कोशिश करेंगें। उन्होंने कहा कि हमें ऐसे लोगों से सावचेत रहना है और देश-प्रदेश, किसानों, नौजवानों की प्रगति, खुशहाली के लिए केंद्र व राज्य में कांग्रेस की सरकार बनानी है।

अवैध निर्माण करने वालों के खिलाफ हो कड़ी कार्रवाई : बलकार सिंह

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के स्थानीय निकाय मंत्री बलकार सिंह ने कहा है कि सरकार राज्य के लोगों को बुनियादी सुविधाएं, साफ-सुथरा और प्रदूषण रहित वातावरण मुहैया करवाने के लिए लगातार प्रयासरत है। म्युनिस्पल भवन चंडीगढ़ में शुक्रवार को विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान स्थानीय निकाय मंत्री ने नगर निगम के अलग-अलग विकास कार्यों, मरम्मत के कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को आदेश दिए कि राज्य के सभी जिलों में चल रहे विकास कार्यों को निर्धारित समय और सही गुणवत्ता के साथ पूरा कराया जाए। बलकार सिंह ने नगर निगमों के अधिकारियों को हिदायतें देते हुए कहा कि उनके संबंधित क्षेत्रों में कोई गैर कानूनी निर्माण नहीं होना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई भी व्यक्ति गैर कानूनी निर्माण करता है तो उसको तुरंत रोका जाए और गैर कानूनी निर्माण करने के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। मंत्री ने बैठक में उपस्थित अधिकारियों को कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान का सपना राज्य के लोगों को साफ- सुथरा और प्रदूषण रहित वातावरण मुहैया करवाना है, जिससे राज्य के लोगों का जीवन स्तर उठाया जा सके। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि लोगों को अन्य सुविधाएं मुहैया करवाने के उद्देश्य से पंजाब सरकार पहले ही सीएलयू और कालोनियों के ले-आउट स्वीकृत करने के लिए जिला स्तर पर ही म्युनिस्पल कारपोरेशन के कमिश्नरों और अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नरों को अधिकृत किया गया है, जिससे लोगों को बड़ी राहत मिल रही है। उन्होंने राज्य में चल रहे विकास कार्यों का जायजा लेने के उपरांत कहा कि अधिकारी निजी तौर पर कार्यों की निगरानी करें, जिससे सरकारी कामों में कुशलता और गुणवत्ता को यकीनी बनाया जा सके।

अनशन के साथ 24वें दिन भी लिपिकों की रही हड़ताल

झज्जर (हिंस)। लघु सचिवालय स्थित पार्क परिसर में क्लेरिकल एसोसिएशन के आह्वान पर लिपिक वर्ग की भूख हड़ताल 24वें दिन शुक्रवार को भी जारी रही। धरने की अध्यक्षता गणेश कुमार व मंच संचालन श्रीभगवान ने किया। लघु सचिवालय स्थित पार्क परिसर में सभी विभागों के लिपिक वर्गीय कर्मचारियों द्वारा दिए जा रहे धरने में शुक्रवार को शिक्षा विभाग के दीपक भारद्वाज, बाला, संतोष, प्रितम, मुकेश व राहुल ने भूख हड़ताल की। सरकार द्वारा जारी नो वर्क नो पे के पत्र पर भी सरकार के खिलाफ रोष जताया गया और कहा कि मांग पूरी न होने तक हड़ताल जारी रखी जाएगी। हम ऐसे पत्र से डरने वाले नहीं हैं। एसोसिएशन की ओर से साफ कर दिया है कि जब तक सरकार 35400 वेतनमान नहीं लागू करती जब तक हमारा धरना जारी रहेगा। जिला संयोजक सुरेंद्र

सिंह ने बताया कि राज्य के सभी जिलों में सभी विभागों के सहायकों व लिपिक वर्ग द्वारा सामाजिक कार्यों में सहयोग देते हुए शांतिपूर्ण हड़ताल अपने सम्मान जनक वेतनमान 35400 के लिए जारी है और मांग न मानने तक अनवरत जारी रहेगी। इसके साथ-साथ उन्होंने सरकार द्वारा एसोसिएशन के साथ की गई तीन चरणों में की गई बातचीत में सरकार द्वारा मांग पर अमल नहीं करने पर सरकार के खिलाफ रोष जताया गया। उन्होंने बताया कि राज्य के कई जिले बाढ़ की चपेट में हैं, जिसमें एसोसिएशन की ओर से सरकार को पूरा सहयोग दिया जा रहा है। उन्होंने साफ कहा है कि भविष्य में भी हड़ताल जारी रखते हुए प्रशासन का पूर्ण सहयोग किया जाएगा। अगर सरकार मांग मान लेती है तो हमारे परिवारों के साथ-साथ सभी वर्गों का भी भला होगा। उन्होंने कहा कि 35400 की हमारी मांग काफी लंबे समय से लंबित है, जिसके लिए एसोसिएशन द्वारा प्रदेश के सभी सांसदों, विधायकों, पूर्व विधायको जिला उपायुक्तों व अन्य सरकारी प्रतिनिधियों को ज्ञापन देने के बावजूद सरकार हमारी मांगों को लेकर बातचीत नहीं कर रही हैं।

वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना : पशुपतिनाथ मंदिर दर्शन के लिए तीर्थ यात्री रवाना

जयपुर (हिंस)। वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना-2023 के तहत नेपाल के काठमांडू में पशुपतिनाथ मंदिर दर्शन के लिए श्री गंगानगर के सौ वरिष्ठ नागरिकों को शुक्रवार को हवाई यात्रा के लिए रवाना किया गया। देवस्थान मंत्री शकुन्तला रावत ने यात्रियों को हरी झंडी दिखाकर यात्रा के लिए दिल्ली रवाना किया। मंत्री रावत ने जलमहल, आमेर रोड स्थित बलदेव परशुराम धर्मशाला में आयोजित यात्रा शुभारंभ कार्यक्रम में कहा कि वरिष्ठ नागरिक तीर्थयात्रा योजना के तहत वर्ष 2023-24 के लिए यह पहली हवाई यात्रा है। श्री गंगानगर जिले के चयनित सौ यात्री दिल्ली से हवाई यात्रा के जरिए काठमांडू जाएंगे और भगवान पशुपतिनाथ के मंदिर में दर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि यह शुभ संयोग है कि यात्रा की शुरुआत श्रावणमास में हुई है। मुख्यमंत्री के विजन के अनुरूप ही वरिष्ठ नागरिकों को तीर्थ स्थलों के दर्शन कराने हेतु हवाई यात्रा सुविधा सफलतापूर्वक संचालित की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष योजना के तहत तीर्थ स्थलों के दर्शनों के लिए 36 हजार वरिष्ठ नागरिक रेल यात्रा एवं चार वरिष्ठ नागरिक हवाई यात्रा करेंगे। मंत्री रावत ने पशुपतिनाथ मंदिर दर्शन के लिए जा रहे वरिष्ठ नागरिकों से बस में पहुंचकर बातचीत की।

सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं पर सबसे पहले गरीब का अधिकार : सीएम

नारनौल (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं पर सबसे पहले गरीब का अधिकार है। केंद्र व हरियाणा सरकार ने अपने साढ़े 8 वर्ष से अधिक के कार्यकाल में अंतिम व्यक्ति की सेवा के साथ विकास के अनेक कार्य किए हैं। मुख्यमंत्री शुक्रवार को महेंद्रगढ़ जिला में अटेली विधानसभा क्षेत्र के कनीना कस्बे की अनाजमंडी में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार गरीबों के लिए कार्य कर रही है। सबका साथ-सबका विकास के साथ हमारी सरकार कार्य कर रही है। सरकार की सोच है कि विकास के साथ-साथ हम अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाएं ताकि राष्ट्र का विकास हो और विश्व की तरक्की हो। मुख्यमंत्री मनोहर लाल का कनीना पहुंचने पर विभिन्न संगठनों ने पगड़ी बांधकर व पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। करीब डेढ़ घंटे तक चले जन संवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने अपनी बात रखी और लोगों से भी विभिन्न योजनाओं का फीडबैक लिया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कनीना कस्बे में अब तक विकास कार्यों का लेखा जोखा भी रखा। कार्यक्रम में पहुंचे लोगों ने भी मेरिट पर भर्ती और घर बैठे योजनाओं का लाभ मिलने पर हाथ उठाकर मुख्यमंत्री की बात का समर्थन किया। मुख्यमंत्री ने जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान कनीना कस्बे में आंगनबाड़ी केंद्रों के बारे में भी फीडबैक लिया। मुख्यमंत्री ने कस्बे के सभी 11 आंगनबाड़ी में पंजीकृत गर्भवती महिलाएं व बच्चों की संख्या व इस केंद्रों का वास्तविक लाभ उठाने वाले पात्रों की जांच करने के लिए उपायुक्त को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस केंद्रों की जांच कर उपायुक्त एक सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करे। इसी तरह कनीना नगर पालिका क्षेत्र में पिछले छः साल में हुए 21 करोड़ 45 लाख रुपए के विकास कार्यों की सूची भी नगर पालिका के कार्यालय पर लगाई जाएगी। जिस पर जनता अपना फीडबैक भिजवाए। इस मौके पर अटेली के विधायक सीताराम यादव, मुख्यमंत्री के ओएसडी जवाहर यादव, एडीजीपी सीआईडी आलोक मित्तल, उपायुक्त मोनिका गुप्ता, बीजेपी जिला प्रधान दयाराम यादव सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

आईफ्लू को लेकर चिकित्सा विभाग सतर्क

सीएमएचओ और पीएमओ को विशेष सावधानी बरतने के निर्देश

जयपुर (हिंस)। प्रदेश में आई फ्लू के मामले बढ़ने के बाद चिकित्सा विभाग अलर्ट मोड पर आ गया है। चिकित्सा विभाग ने आई फ्लू से बचाव के लिए विशेष सावधानी बरतने के दिशा निर्देश जारी किए है। चिकित्सा विभाग की ओर से सभी सीएमएचओ और पीएमओ को दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह के निर्देश पर बारिश के मौसम में फैल रहे कंजेक्टिवाइटिस (आईफ्लू) नामक आंखों के संक्रमण की बीमारी से बचाव और रोकथाम के लिए चिकित्सा विभाग ने चिकित्सा विभाग के सभी अधिकारियों को दिशा निर्देश जारी किए हैं। निर्देश में कहा गया है कि उप स्वास्थ्य केंद्र स्तर तक आई फ्लू से बचाव और रोकथाम की जानकारी का प्रचार प्रसार किया जाए। इस बीमारी के उपचार के लिए आवश्यक दवाइयां प्रत्येक चिकित्सा संस्थान में उपलब्धता सुनिश्चित करें। जन स्वास्थ्य निदेशक डॉ. रवि प्रकाश माथुर के मुताबिक आई फ्लू एक प्रकार का संक्रमण है, जो वायरस या बैक्टीरिया से फैलता है। यह बीमारी मानसून के मौसम और जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पन्न होती है। आंखों में लालपन, सूजन, लीड्स में सूजन और खुजली इस संक्रमण के प्रमुख लक्षण हैं। आंखों में पीलापन और पानी बहना भी इसके लक्षण हैं। आई फ्लू के कारण बच्चों में आंखों के संक्रमण के साथ बुखार भी आ सकता है। आई फ्लू के उपचार के लिए हमेशा आंखों को साफ रखना चाहिए। हाथों को बार-बार धोना आवश्यक है। संक्रमण होने पर काले चश्मे का उपयोग किया जाना जरूरी है, ताकि यह संक्रमण दूसरों में नहीं फैले। संक्रमण होने पर तुरंत नजदीकी चिकित्सा केंद्र पर डॉक्टर से संपर्क करें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति की तीसरी वर्षगांठ

इक्कीसवीं सदी के आत्मनिर्भर भारत की ओर बढ़ता कदम

बीकानेर (हिंस)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (एनईपी) को तीन साल हो गए हैं। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 से पहले देश में 1968 एवं 1986 में शिक्षा नीतियां बनाई गईं। बदलती जीवन शैली के आधार पर शिक्षा नीति में भी बदलाव करते हुए नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू किया गया। केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-3 (नाल) के प्राचार्य नरसीलाल बिंजारनिया और केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-2 के प्राचार्य उम्मेद सिंह ने संयुक्त रूप से बताया कि नीति को अमल में लाया जा रहा है। इस नीति का उद्देश्य एक ऐसी शिक्षा प्रणाली को तैयार करना है जो भारत के सभी बच्चों को लाभान्वित कर सके। कक्षा तीन से कक्षा छठी के बच्चों में आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता का ज्ञान प्रदान करने के लिए निपुण भारत कार्यान्वयन

प्रक्रिया पर जोर दिया जा रहा है। इससे बच्चों की बुनियादी शिक्षा मजबूत होगी। उन्होंने बताया कि नीति इक्कीसवीं सदी के आत्मनिर्भर भारत की ओर बढ़ता कदम है। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास विकास के लिए विद्यालय में प्रवेश के लिए नई आयु सीमा निर्धारित की है। उन्होंने यह भी बताया कि 450 केंद्रीय विद्यालयों में बाल वाटिका का आरंभ किया जा रहा है। वर्तमान में केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-2 बीकानेर में बालवाटिका आरंभ है। साथ ही साथ निपुण भारत कार्यक्रम के तहत कौशल विषयों को लागू कर बच्चों में नए-नए कौशलों का विकास किया जा रहा है। विद्यांजली पोर्टल पर बच्चों के समस्त विकास चरणों को अपलोड किया जा रहा है। सीखने का बेहतर माहौल तैयार करना, शिक्षकों को प्रशिक्षण देने का प्रबंध करना भी नीति में शामिल है। इस अवसर पर जवाहर नवोदन विद्यालय गजनेर के प्राचार्य एम.एल.वर्मा, उपनिदेशक जनसम्पर्क हरिशंकर आचार्य, हरिशंकर भी मौजूद थे।

दिल्ली हाईकोर्ट ने एनआरएआई-एफएचआरएआई पर 1-1 लाख का जुर्माना लगाया : सर्विस चार्ज से जुड़े नियम कानून का पालन न करने पर हुई कार्रवाई

नई दिल्ली।

दिल्ली हाईकोर्ट ने सर्विस चार्ज से जुड़े नियम कानून पालन न करने को लेकर नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया और फेडरेशन ऑफ होटल एंड रेस्तरां एसोसिएशन ऑफ इंडिया पर 1-1 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है।

24 जुलाई को दिए आदेश में कोर्ट ने कहा कि इस जुर्माने का पेमेंट भारत सरकार के उपभोक्ता मामले के विभाग को किया जाए। इस मामले की अब अगली सुनवाई 5 सितंबर को होगी।

सर्विस चार्ज को लेकर कंज्यूमर हेल्पलाइन में 4 हजार से अधिक शिकायतें

सरकार ने पिछले साल सर्विस चार्ज नहीं वसूलने को लेकर दिशा निर्देश जारी किए थे। इसके बाद से नेशनल कंज्यूमर हेल्पलाइन पर जबरन सर्विस चार्ज वसूलने को लेकर 4 हजार से ज्यादा शिकायते दर्ज कराई गई हैं। इससे पहले 12 अप्रैल को कोर्ट ने एनआरएआई-एफएचआरएआई से मांगी थी ये जानकारियां- दोनों एसोसिएशन 30 अप्रैल 2023 तक अपने सभी होटल और रेस्टोरेंट की पूरी लिस्ट दाखिल करें जो वर्तमान याचिकाओं का समर्थन कर रहे हैं। उन होटल और रेस्टोरेंट का प्रतिशत बताए जो अपने बिल में अपडेट करके सर्विस चार्ज लेते हैं। क्या सर्विस चार्ज शब्द की टर्मिनोलॉजी बदले पर एसोसिएशन को आपत्ति होगी ताकि कस्टमर्स को यह भ्रम पैदा न हो कि यह कोई सरकारी चार्ज नहीं है। उन सभी होटल और रेस्टोरेंट का प्रतिशत बताए जो सर्विस चार्ज को स्वैच्छिक और अनिवार्य नहीं बनाने के इच्छुक हैं।

दोनों एसोसिएशन ने कोर्ट के आदेश का पालन नहीं किया

दोनों एसोसिएशन को कोर्ट के आदेश का पालन करना जरूरी थी, लेकिन किसी भी एसोसिएशन ने तय समय तक हलफनामा दाखिल नहीं किया। इसको लेकर दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि एसोसिएशन 12 अप्रैल के आदेश का पूरी तरह पालन नहीं कर रहे हैं, इन्होंने हलफनामा दाखिल नहीं किया ताकि कोर्ट में सुनवाई आगे न बढ़े।

न्यूज ब्रीफ

चावल एक्सपोर्ट बैन से दुनिया भर में महंगाई बढ़ी: आईएमएफ ने कहा- बैन हटाने के लिए भारत से बातचीत करेंगे

नई दिल्ली। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड ने कहा है कि वे भारत से चावल की कुछ निश्चित किस्मों के एक्सपोर्ट पर लगाए गए बैन को हटाने के लिए बातचीत करेगा। भारत के एक्सपोर्ट बैन करने के फैसले से दुनिया भर में चावल की कीमतों पर बुरा असर पड़ रहा है। इसका मतलब यह कि दुनिया भर में महंगाई बढ़ रही है। भारत सरकार ने 20 जुलाई को आने वाले त्योहारी सीजन को देखते हुए गैर बासमती चावल के एक्सपोर्ट पर बैन लगा दिया था। देश में चावल की कीमतों में तेजी को रोकने और डोमेस्टिक सप्लाई बढ़ाने के लिए सरकार ने यह कदम उठाया था। इसके बाद खाद्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा था कि गैर-बासमती उसना चावल और बासमती चावल की निर्यात नीति में कोई बदलाव नहीं होगा। सरकार ने कहा कि कुल निर्यात में दोनों किस्मों का हिस्सा बड़ा है। देश से निर्यात होने वाले कुल चावल में गैर-बासमती सफेद चावल की हिस्सेदारी लगभग 25प्रतिशत है। आईएमएफ के चीफ इकोनॉमिस्ट पियरे-ओलिवियर गौरींचस ने कहा कि मौजूदा स्थिति में इस तरह के प्रतिबंधों से बाकी दुनिया में फूड प्राइसेस में अस्थिरता पैदा होने की आशंका है और इसके बाद बाकी देश भी इसके बाद बदले की कार्रवाई कर सकते हैं। भारत की ओर से चावल के एक्सपोर्ट पर बैन लगाने के करीब एक हफ्ते बाद दुनिया भर में चावल की काफी कमी देखी जा रही है। वहीं स में रह हरे भारतीय लोगों को इसके लिए काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। अमेरिका के अलग-अलग शहरों से आ रहीं विडियो वहां चावल के कमी को बता रहीं हैं। वाशिंगटन में रहने वाली अरुणा बताती हैं, मैं सोना मंसूरी (बैन किए गए चावल में से एक प्रकार) के लिए 10 से ज्यादा स्टोर्स पर गई लेकिन सुबह 9 बजे जाने के बाद भी शाम 4 बजे मुझे एक पैकेट चावल 3 गुणा दाम पर लेकर आना पड़ा।

वॉट्सऐप ने वीडियो मैसेज फीचर रोल आउट किया: 60 सेकंड तक का रियल टाइम वीडियो रिकार्ड करके भेज सकते हैं यूजर्स

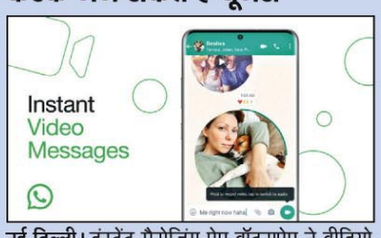

नई दिल्ली। इंस्टेंट मैसेजिंग ऐप वॉट्सऐप ने वीडियो मैसेज फीचर रोल आउट किया है। इस फीचर की मदद से यूजर्स शार्ट वीडियो मैसेज सेंड कर सकते हैं। वॉट्सऐप की पेरेंट कंपनी मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने फेसबुक सहित अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म के जरिए इसके बारे में जानकारी दी। उन्होंने लिखा, हम वॉट्सऐप चैट में एक वीडियो मैसेज को तुरंत रिकॉर्ड करने और शेयर करने की कैपेसिटी एड कर रहे हैं। इससे क्विक ऑडियो मैसेज भेजने के जैसे ही आसान है। इसके साथ ही उन्होंने इस फीचर का एक वीडियो भी शेयर किया। वॉट्सऐप के इस फीचर के जरिए यूजर्स 60 सेकंड तक की रियल टाइम वीडियो को रिकॉर्ड करके भेज सकते हैं। कंपनी का दावा है कि ये मैसेज भी एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड रहेंगे।

इराक में भारत निर्मित कफ सिरप में जहरीले रसायन मिलने का दावा, डब्लूएचओ ने कही ये बात

नई दिल्ली । भारत के दवा निर्यात से जुड़ी एक और नकारात्मक खबर सामने आ रही है। एक एजेंसी ने इराक भेजी गई भारत निर्मित कफ सिरप में जहरीले रसायन मिलने का दावा किया है। एक मीडिया एजेंसी की ओर से कराए गए सर्वेक्षण में पता चला है कि भारत में बनी और इराक में बेची जाने वाली एक सर्दी की सिरफ (कफ सिरप) में जहरीले रसायन हैं। भारतीय दवा से कुछ देशों में बच्चों की मौत की घटना के बाद भारतीय दवा निर्यात के यह खबर एक नए झटके की तरह है। एक स्वतंत्र अमेरिकी प्रयोगशाला वालिश्योर एलएलसी के अनुसार मार्च में बगदाद में एक फार्मेसी में खरीदी गई कोल्ड आउट की एक बोतल में 2.1प्रतिशत एथिलीन ग्लाइकॉल पाया गया है यह व्यापक रूप से स्वीकृत सीमा का लगभग 21 गुना है। यह यौगिक एक निश्चित मात्रा से अधिक होने पर मनुष्यों के लिए घातक और जहर के समान है। बता दें कि पिछले साल गाम्बिया और उजबेकिस्तान में भारत निर्मित कफ सिरप के कारण बड़े पैमाने पर बच्चों की मौत होने का दावा किया गया था। जांच करने वाली एजेंसी ने परीक्षण के परिणाम 8 जुलाई को विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ-साथ इराकी और भारतीय अधिकारियों के साथ भी साझा किए हैं। डब्ल्यूएचओ ने जांच करने वाली एजेंसी को बताया है कि वालिश्योर एलएलसी के परीक्षण के परिणामों को स्वीकार्य पाया गया है ।

एंड्रॉइड ऐप पर अब ट्विटर की जगह एक्स

वेब वर्जन में सोमवार को बदलाव किया था, आईओएस में अभी तक अपडेट नहीं

नई दिल्ली।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर को एक्स के रूप में सोमवार को रीब्रांड किया गया है। इसके वेब वर्जन पर पहले ही लोगो बदल दिया गया था, अब कंपनी ने अपने एंड्रॉइड ऐप को नए लोगो और नाम के साथ बदलकर अपडेट कर दिया है। हालांकि, कंपनी ने अभी यह नहीं बताया है कि वह अपने आईओएस एप्लिकेशन को कब अपडेट करेगी। अभी तक ट्विटर की पहचान नीली चिड़िया थी।

तीन दिन में दूसरी बार लोगो बदला

24 जुलाई को लोगो बदलकर एक्स करने के बाद 26 जुलाई को देर रात लोगो के डिजाइन में एलन मस्क ने छोटा सा बदलाव किया था। मस्क ने एक्स लोगो को ज्यादा बोल्ड और शार्प कर दिया है। मस्क ने कहा था, लोगो समय के साथ डेवलप होगा। वहीं मस्क ने ट्विटर का नाम एक्स करने पर कहा था, आने वाले महीनों में ट्विटर सभी तरह की फाइनेंशियल सर्विस प्रोवाइड करेगी। ऐसे में ट्विटर नाम का कोई मतलब नहीं है। मस्क ने ये भी कहा था कि ट्विटर नाम तब तक ठीक था जब प्लेटफॉर्म पर 140 कैरेक्टर तक ही पोस्ट किए जा सकते थे। लेकिन अब आप लगभग कुछ भी पोस्ट कर सकते हैं। इसमें कई घंटों का वीडियो भी शामिल है। मस्क ने हाल ही में पोस्ट की कैरेक्टर लिमिट बढ़ाकर 25,000 की थी। उधर, एलन मस्क ने ट्विटर के ऑफिशियल हैंडल ट्विटर को बदलकर कर दिया है।

अभी तो यह बदलाव की शुरुआत

एक्स की सीईओ लिंडा याकारिनो के अनुसार, एआई पावर्ड एक्स हमें उन तरीकों से कनेक्ट करेगा जिनकी हम अभी कल्पना करना शुरू कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा- हमने पिछले 8 महीनों में हमने अपने रैपिड फीचर लॉन्च के जरिए एक्स को आकार लेते देखना शुरू कर दिया है, लेकिन यह तो केवल शुरुआत है। अक्टूबर 2022 में मस्क ने ट्विटर खरीदा था।

1999 से मस्क का लेटर एक्स से नाता

एलन मस्क का एक्स लेटर से नाता साल 1999 से है। तब उन्होंने एक ऑनलाइन बैंकिंग कंपनी एक्स.कॉम बनाई थी। इसे बाद में एक अन्य कंपनी के साथ मर्ज कर दिया जो पेपाल बनी। साल 2017 में मस्क ने पैपाल से यूआरएल एक्स.कॉम को फिर से खरीदा था। उन्होंने कहा था कि इस डोमेन का उनके लिए बहुत भावुक मूल्य है। उनकी एक और कंपनी स्पेसएक्स में भी एक्स की झलक दिखती है। उनकी नई एआई कंपनी का नाम भी एक्सएआई है। 2020 में, मस्क ने अपने एक बेटे का नाम रखा था। ठ का उच्चारण ऐश होता है।

ट्विटर सीईओ बनने के बाद मस्क के 4 बड़े फैसले:

एलन मस्क ने पिछले साल 27 अक्टूबर 2022 को 44 बिलियन डॉलर में ट्विटर खरीदा था। इसके बाद कई बड़े फैसलों को लेकर मस्क चर्चा में रहे...

1. आधे से ज्यादा कर्मचारियों को निकाला

ट्विटर खरीदने के बाद मस्क ने सबसे पहले कंपनी के चार टॉप ऑफिशियल्स को निकाला था। इनमें सीईओ पराग अग्रवाल, फाइनेंस चीफ नेड सेगल, लीगल एग्जीक्यूटिव्स विजया गड्डे और सीन एडगेट शामिल थे। जब मस्क ने ट्विटर की कमान संभाली थी, तो उसमे करीब 7500 एम्प्लॉई थे, लेकिन अब 2500 के करीब ही बचे हैं।

2. कई ब्लॉक अकाउंट को अन-ब्लॉक किया

नवंबर 2022 में मस्क ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत कई ब्लॉक अकाउंट को अनब्लॉक कर दिया था। उन्होंने ट्विटर पर ट्रम्प की वापसी को लेकर एक पोल किया था। उन्होंने पूछा था, क्या प्रेसिडेंट ट्रंप का अकाउंट बहाल किया जाना चाहिए। हां या ना। 1.5 करोड़ से ज्यादा यूजर्स ने वोटिंग में हिस्सा लिया और 52प्रतिशत लोगों ने हां में जवाब दिया था।

3. ब्लू सब्सक्रिप्शन सर्विस लॉन्च की

एलन मस्क ने दुनियाभर में ब्लू सब्सक्रिप्शन लॉन्च किया है। भारत में वेब यूजर्स के लिए ब्लू सब्सक्रिप्शन कॉस्ट 650 रुपए है। मोबाइल के लिए सब्सक्रिप्शन चार्ज 900 रुपए महीना है। इसमें ब्लू टिक, लंबे वीडियो पोस्ट समेत कई सारे फीचर्स मिलते हैं।

4. कैरेक्टर लिमिट बढ़ाई, पोस्ट पढ़ने की लिमिट

मस्क ने पोस्ट की कैरेक्टर लिमिट 280 से बढ़ाकर 25,000 कर दी है। पोस्ट पढ़ने की लिमिट भी अप्लाय की है। वेरिफाइड यूजर एक दिन में सिर्फ दस हजार पोस्ट पढ़ सकते हैं। अनवेरिफाइड यूजर एक हजार पोस्ट, वहीं नए अनवेरिफाइड यूजर रोजाना सिर्फ 500 पोस्ट ही पढ़ सकते हैं।

रूस और अफ्रीका के बीच व्यापार 18 अरब डॉलर के पार पहुंचा, अफ्रीकी देशों के साथ बैठक के बाद बोले पुतिन

नई दिल्ली।

रूस-यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष के कारण वैश्विक स्तर पर अलग-थलग पड़े रूस ने अफ्रीकी देशों के सम्मेलन में रूस और अफ्रीकी के संबंधों पर अपना पक्ष रखा है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को कहा कि रूस और अफ्रीका के बीच व्यापार 2022 में 18 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि 2022 के पहले छह महीनों में लगभग अफ्रीकी देशों के साथ व्यापार 35 प्रतिशत बढ़ गया।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने गुरुवार को अफ्रीकी संघ के अध्यक्ष और कोमोरोस संघ के अध्यक्ष अजाली असौमानी और अफ्रीकी संघ आयोग के अध्यक्ष मूसा फाकी महामत के साथ त्रिपक्षीय बैठक की। रूस के राष्ट्रपति ने कहा, रूस अफ्रीका के लिए एक विश्वसनीय खाद्य आपूर्तिकर्ता बना हुआ है।

पुतिन बोले- अफ्रीका में सफलतापूर्वक काम कर रही हैं रूसी कंपनियां

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने कहा, 2022 में रूसी खाद्य निर्यात 4.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। कई बड़ी रूसी कंपनियां अफ्रीका में सफलतापूर्वक काम कर रही हैं। हमारे सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों में ऊर्जा, भूमिगत उपयोग और कृषि शामिल हैं। अनुसंधान और प्रौद्योगिकी, शिक्षा और संस्कृति में सहयोग के अच्छे अवसर हैं। कोमोरोस संघ के साथ अपने संबंधों के बारे में बात करते हुए, पुतिन ने कहा कि वह उनके संबंधों को अत्यधिक महत्व देते हैं, जो पारस्परिक सम्मान के सिद्धांतों और एक-दूसरे के हितों के संतुलन पर आधारित हैं और कई क्षेत्रों में विकास की क्षमता है।

वेदांता के मुखिया बोले- चिप बनाने के लिए मिला नया पार्टनर, एएमडी भी करेगा 40 करोड़ डॉलर का निवेश

नई दिल्ली ।

वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने भारत में चिप निर्माण की कंपनी की योजना के बारे में बड़ा खुलासा किया है। वेदांता के चेयरमैन ने शुक्रवार को कहा कि कंपनी को भारत में अपनी सेमीकंडक्टर इकाई स्थापित करने के लिए एक तकनीकी साझेदार मिल गया है और वह समझौता करने की प्रक्रिया में है। उन्होंने सेमीकॉन इंडिया 2023 कार्यक्रम में बोलते हुए यह भी कहा कि वेदांता सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले फैब के निर्माण के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। अग्रवाल ने भारत को एशिया का सेमीकॉन हब बनाने के लिए समर्पित प्रयासों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गुजरात सरकार की सराहना की। उन्होंने कहा, भारत की सिलिकॉन वैली बनाने के लिए गुजरात सबसे सही जगह है।

फॉक्सकॉन 19.5 अरब डॉलर के सौदे से हट गया था पीछे

वेदांता ने इससे पहले ताइवान की फॉक्सकॉन के साथ भारतीय बाजारों के लिए सेमीकंडक्टर संयुक्त उद्यम बनाने के लिए बातचीत कर रही थी। हालांकि, फॉक्सकॉन ने 19.5 अरब डॉलर के सौदे से हाथ खींच लिए थे, जिससे कंपनी की चिप बनाने की योजना अधर में आ गई थी। दुनिया की सबसे बड़ी कॉन्ट्रैक्ट इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माता फॉक्सकॉन और वेदांता ने पीएम मोदी के गृह राज्य गुजरात में सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले प्रोडक्शन प्लांट स्थापित करने के लिए पिछले साल एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

भारत में चिप बनाने के लिए एएमडी भी करेगा 40 करोड़ डॉलर का निवेश

अमेरिकी चिप निर्माता एडवांस्ड माइक्रो डिवाइसेज ने शुक्रवार को कहा कि वह अगले पांच वर्षों में भारत में लगभग 400 मिलियन डॉलर (40 करोड़ डॉलर) का निवेश करेगी। कंपनी बेंगलुरु के तकनीकी केंद्र में अपना सबसे बड़ा डिजाइन केंद्र बनाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गृह राज्य गुजरात में शुक्रवार से शुरू हुए वार्षिक सेमीकंडक्टर सम्मेलन में एएमडी के मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी मार्क पेपरमास्टर ने यह घोषणा की।

कचरे से प्लास्टिक चुनने वाली 11 महिलाओं ने पाई-पाई जोड़कर खरीदा लॉटरी टिकट, जीत गईं 10 करोड़ रुपये

नई दिल्ली ।

केरल के मलप्पुरम में स्थानीय नगरपालिका की प्लास्टिक चुनने वाली इकाई से जुड़ी 25 महिला श्रमिकों ने 25-25 रुपये इकट्ठा कर 250 रुपये का लॉटरी टिकट खरीदा था, अब इस लॉटरी टिकट ने उनकी किस्मत बदल दी है। दरअसल महिलाओं के इस समूह ने 10 करोड़ रुपये का जैकपॉट जीत लिया है। जब 10 करोड़ रुपये जीतने की खबर मिली, प्लास्टिक चुन रही थीं महिलाएं बुधवार को 11 महिलाएं अपने फीके हरे रंग के ओवरकोट, रबर के दस्ताने पहने हुए थीं और परप्पनांगडी नगरपालिका गोदाम में घरों से एकत्र किए गए प्लास्टिक कचरे को अलग कर रही थीं, तभी उन्हें 10 करोड़ रुपये का जैकपॉट जीतने की खबर मिली। केरल लॉटरी विभाग ने घोषणा की कि पैसे इकट्ठा करने के बाद महिलाओं ने लॉटरी टिकट खरीदा था क्योंकि उनमें से कोई भी 250 रुपये का टिकट अकेले खरीदने में सक्षम नहीं था। इस लॉटरी के जरिए उन्होंने मानसून बम्पर के तहत 10 करोड़ रुपये जीत लिए हैं। लॉटरी विजेताओं से मिलने और उन्हें बधाई देने के लिए गुरुवार को बड़ी संख्या में लोग नगर निगम गोदाम परिसर में जुटे। एक विजेता महिला बोली- यह राशि हमारी समस्याओं को कम करने में मदद करेगी विजेताओं में से एक महिला राधा ने कहा, उत्साह और खुशी की कोई सीमा नहीं थी जब हमें आखिरकार पता चला कि हमने जैकपॉट जीत लिया है। हम सभी जीवन में कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं और पैसा हमारी समस्याओं को हल करने के लिए कुछ हद तक राहत देगा। परप्पानांगडी नगर पालिका की ओर से शुरू किए गए हरित पहल के तहत गठित हरित कर्म सेना के साथ काम करने वाली महिलाओं को 7,500 रुपये से 14,000 रुपये वेतन मिलता है। हरित कर्म सेना घरों और प्रतिष्ठानों से गैर-बायोडिग्रेडेबल कचरे के संग्रह का काम करती है, जिसे रीसाइक्लिंग के लिए श्रेडिंग इकाइयों में भेजा जाता है।

पीएम मोदी ने सेमीकॉन इंडिया इवेंट का इनॉगरेशन किया

बोले- पहले लोग सवाल पूछते थे, वाय इन्वेस्ट अब वाय नॉट इन्वेस्ट कहते हैं

गांधीनगर।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के गांधीनगर में सेमीकॉन इंडिया इवेंट का इनॉगरेशन किया। इससे पहले उन्होंने सेमीकॉन इंडिया एग्जीबिशन देखा। इस दौरान उनके साथ केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और राजीव चंद्रशेखर सहित अन्य लोग मौजूद रहे। पीएम मोदी ने कहा, पिछले साल सेमीकॉन इंडिया के पहले एडिशन में सवाल पूछा जा रहा था वाय इन्वेस्ट। अब सवाल बदल गया है। कहा जा रहा है वाय नॉट इन्वेस्ट। पीएम ने कहा- आज ग्लोबल इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग में भारत का शेयर बढ़ चुका है। 2014 में भारत का प्रोडक्शन 3 बिलियन डॉलर यानी करीब 24 हजार करोड़ रुपए से कम था। आज ये 100 बिलियन डॉलर यानी करीब 8.2 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया है। वहीं ग्लोबल सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरर एएमडी ने कहा कि वह 32 हजार करोड़ का निवेश करेगा।

इवेंट में शामिल कंपनियों की चार बड़ी बातें:

माइक्रोन के निवेश से 15,000 नौकरियां पैदा होंगी: माइक्रोन के सीईओ संजय मेहरोत्रा ने कहा, भारत के सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री में माइक्रोन का निवेश पहला बड़ा निवेश होगा। हमारा अनुमान है कि माइक्रोन की भारत की योजनाएं अगले कुछ सालों में 5000 डायरेक्ट नौकरियां और कम्यूनिटी के अंदर 15,000 नौकरियां पैदा करेंगी। ताइवान भारत का सबसे विश्वसनीय भागीदार: फॉक्सकॉन के चेयरमैन यंग लियू ने कहा- दुनिया में बनने वाले 10 हाईटेक उपकरणों में से चार फॉक्सकॉन में बनते हैं। फॉक्सकॉन के पास सेमीकंडक्टर क्षेत्र में उपकरण, पैकेजिंग, डिजाइन सर्विस और डिजाइन हाउस आदि का अनुभव है। उन्होंने ये भी कहा कि ताइवान भारत का सबसे विश्वसनीय भागीदार है और रहेगा। भारत निवेशकों के लिए सबसे अच्छा ऑप्शन: वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने कहा, भारत आज निवेशकों के लिए सबसे अच्छा ऑप्शन है। भारत में लैंड एक्यूजेशन बहुत आसान है। आपके लिए भारत में निवेश करना कभी भी गलत साबित नहीं होगा। भारत एंटरप्रेन्योर के लिए देश है। वेंदांता गुजरात में जल्द ही सेमीकंडक्टर प्लांट लगाने वाला है। 32 हजार करोड़ रुपए निवेश करेगा एएमडी : ग्लोबल सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरर एएमडी ने अगले पांच सालों में भारत में लगभग 400 मिलियन डॉलर (करीब 32 हजार करोड़) का निवेश करने की अपनी योजना का ऐलान किया है। एएमडी ने कहा, यह निवेश भारत सरकार की सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री पर विभिन्न पॉलिसी का समर्थन है।

तीन दिन चलेगा सेमीकॉन इंडिया इवेंट

सेमीकॉन इंडिया इवेंट आज से शुरू होकर 30 जुलाई तक चलेगा। फॉक्सकॉन चेयरमैन यंग लियू, माइक्रोन के चीफ एक्सिकिटिव ऑफिसर संजय मेहरोत्रा और एडवांस्ड माइक्रो डिवाइसेज के चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर मार्क पेपरमास्टर तीन दिन के इस इवेंट के वक्ताओं में शामिल हैं। इससे पहले 25 जुलाई को गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्रभाई पटेल ने आम लोगों के लिए सेमीकॉन इंडिया एग्जीबिशन ओपन किया। इस दौरान उनके साथ केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे। सफलताओं के बारे में बताने का अच्छा तरीका है सेमीकॉन इंडिया इवेंट से पहले न्यूज एजेंसी से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा, मुझे बहुत खुशी है कि सेमीकॉन इंडिया का दूसरा एडिशन गांधीनगर में हो रहा है। मैं बहुत खुश हूं, 15 महीने पहले जब पहला सेमीकॉन इंडिया बेंगलुरु में लॉन्च किया गया था, तो ग्लोबल कंपनियों के बीच बहुत सारे सवाल थे - क्या भारत सफल होगा क्या भारत फिर से विफल होगा चूंकि भारत सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री के क्षेत्र में पिछले 70 सालों में बार-बार विफल रहा है। गांधीनगर में दूसरा एडिशन उन जबरदस्त सफलताओं को बताने का एक अच्छा तरीका है जो हमें पिछले 15 महीनों में मिली हैं।

जुलाई में सेमीकंडक्टर पॉलिसी अनाउंस हुई थी

जुलाई 2022 में गुजरात सरकार ने सेमीकंडक्टर पॉलिसी 2022-27 की अनाउंसमेंट की थी, जिसके तहत सरकार ने राज्य में सेमीकंडक्टर या डिस्प्ले फैब्रिकेशन मैन्युफैक्चरिंग में इन्वेस्ट करने के इच्छुक लोगों के लिए बिजली, पानी और भूमि शुल्क पर भारी सब्सिडी देने का प्रस्ताव रखा था।

साउथ सुपरस्टार प्रभास का फेसबुक पेज हुआ हैक

तेलुगु सुपरस्टार प्रभास बहुत लोकप्रिय हैं। प्रभास के भारत और विदेशों में ढेर सारे प्रशंसक हैं। प्रभास सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिव नहीं रहते हैं। वह अपनी पर्सनल लाइफ की कोई भी अपडेट सोशल मीडिया पर शेयर करते नजर नहीं आते हैं। इसी बीच प्रभास एक नई बात को लेकर सुर्खियों में आ गए हैं। बताया जा रहा है कि प्रभास का फेसबुक पेज हैक हो गया है। इस बात की जानकारी खुद प्रभास ने दी है। गुरुवार 27 जुलाई की रात प्रभास का फेसबुक पेज हैक हो गया। हैकर्स ने उनके फेसबुक से दो वायरल वीडियो 'अनलकी ह्यूमन' और 'बॉल फेल्स अराउंड द वर्ल्ड' शेयर किए थे। घटना के बाद प्रभास ने ट्विटर पर जानकारी दी कि फेसबुक पेज हैक हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि टीम समस्या का समाधान कर रही है। प्रभास के वर्कफ्रंट की बात करें तो आदिपुरुष की असफलता के बाद अब प्रभास एक्शन-थ्रिलर फिल्म सालार पार्ट1: सीजफायर में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन प्रशांत नील ने किया है। फैंस कयास लगा रहे हैं कि 'सालार' 'केजीएफ यूनिवर्स' का हिस्सा है। फिल्म में प्रभास के साथ श्रुति हासन और पृथ्वीराज सुकुमारन मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म 28 सितंबर को सिनेमाघरों में आएगी। साथ ही वह जल्द ही 'प्रोजेक्ट के' यानी 'कल्कि 2898' में नजर आएंगे। इसमें अमिताभ बच्चन और दीपिका पादुकोण मुख्य भूमिका में हैं।

भाग मिल्खा भाग के 10 साल पूरे होने के खास मौके पर मेकर्स फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग का आयोजन

फरहान अख्तर स्टारर भाग मिल्खा भाग के 10 साल पुरे होने के खास मौके को बेहद खास अंदाज में सेलिब्रेट किया। जी हां इस मौके को सेलिब्रेट करते हुए राकेश ओमप्रकाश मेहरा सहित फिल्म के मेकर्स ने मुंबई में 26 जुलाई को एक स्पेशल स्क्रीनिंग का आयोजन किया। इसके जरिए एक बार फिर मेकर्स ने भारतीय स्प्रिंट के दिग्गज दिवंगत मिल्खा सिंह को श्रद्धांजलि दी। दिग्गज एथलीट मिल्खा सिंह का पिछले साल निधन हो गया था और इस विशेष स्क्रीनिंग के साथ वे उन्हें दिल से श्रद्धांजलि दी गयी जिन्हें देश के द फ्लाइंग सिख के रूप में भी जाना जाता है। ये फिल्म भारतीय स्प्रिंट लीजेंड लेट मिल्खा सिंह के जीवन पर आधारित एक स्पोर्ट्स ड्रामा थी। जबकि इस फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया था, यह स्पेशल स्क्रीनिंग वास्तव में लोगों को इसकी रिलीज के इतने सालों बाद स्क्रीन्स पर इस प्रेरणादायक कहानी से जुड़ी पुरानी यादों को ताजा कर दिया। आरओएमपी पिक्चर्स के स्पोक्सपर्सन के रूप में, पी.एस. भारती ने कहा, भाग मिल्खा भाग के दस साल पूरे हुए है। यह वास्तव में मेरे और पूरे देश के लिए एक बहुत ही खास फिल्म है। देश के फ्लाइंग सिख, लेट मिल्खा सिंह हमारे देश का गौरव हैं और 26 जुलाई को होने वाली फिल्म की खास स्क्रीनिंग के साथ हम इस लेजेंड को एक ट्रिब्यूट दिया है जो लाखों लोगों के लिए प्रेरणा है। वहीं वायकॉम18 स्टूडियोज के सीओओ अजीत अंधारे कहते हैं, भाग मिल्खा भाग के 10 साल भारतीय सिनेमा को फिर से परिभाषित करने की स्टूडियोज की 10 साल की यात्रा से भी मेल खाते हैं। इस दशक का जश्न मनाने का इससे बेहतर तर-ीका क्या हो सकता है कि भाग मिल्खा भाग को याद किया जाए। फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग के साथ हमने भारत के चहिते फ्लाइंग सिख दिवंगत मिल्खा सिंह को श्रद्धांजलि दी हैं। यह प्रतिष्ठित फिल्म उनकी कभी न कम होने वाली भावना की प्रतिध्वनि है, जो लाखों लोगों के दिलों में एक अमिट छाप छोड़ती है। इस फिल्म ने आकर्षक और समृद्ध कहानी बनाने की हमारी कमिटमेंट को साबित किया है। दस साल बाद भी ये कहानी लोगों को प्रेरित करती हैं और एक दिग्गज के जीवन का जश्न मनाती हैं। 2013 में रिलीज हुई इस फिल्म में दिवंगत मिल्खा सिंह की प्रेरक यात्रा को दशार्या गया है और कैसे वह वर्ल्ड चैंपियन, ओलंपियन और भारत के सबसे प्रतिष्ठित एथलीटों में से एक बनने के लिए कई मुश्किलों को पार करते हैं। बेहतरीन गीतों से भरपूर, कास्ट का शानदार प्रदर्शन, मिल्खा सिंह के रूप में फरहान अख्तर और राकेश ओमप्रकाश मेहरा द्वारा निर्देशित यह फिल्म वास्तव में एक मास्टरपीस थी। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी अपनी छाप छोड़ी और 2013 की पांचवीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली बॉलीवुड फिल्म रही।

मुख्यमंत्री कहने पर ट्रोल हुई उर्वशी रौतेला

एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। अक्सर वह अपनी पोस्ट को लेकर ट्रोल हो जाती हैं। अब उनके एक हालिया ट्वीट को लेकर नेटिजन्स उनसे ना-राजगी जाहिर कर रहे हैं। उनका ट्वीट वायरल हो गया है। उर्वशी ने अभिनेता पवन कल्याण को आंध्र प्रदेश का मुख्यमंत्री बता दिया। दोनों फिल्म 'ब्रो' में स्क्रीन शेयर कर रहे हैं जो आज 28 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। उर्वशी की इस गलती की वजह से इंटरनेट पर नेटिजेंस उनका मजाक उड़ा रहे हैं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी हैं। एक नेटिजन ने कहा, "ट्वीट करते समय सावधान रहें, नशे में ट्वीट न करें।" वहीं पवन कल्याण नाम के एक फर्जी अकाउंट से एक यूजर ने कहा, "प्रिय उर्वशी रौतेला, ट्विटर पर मुझे आंध्र प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाने के लिए धन्यवाद।" उर्वशी रौतेला, पवन कल्याण और साईं धर्म तेज स्टारर "ब्रो" के एक गाने में भी नजर आएंगी। फिल्म के प्री-रिलीज इवेंट में उर्वशी ने दोनों सितारों के साथ पोज दिया और अपने ट्विटर अकाउंट पर उनके साथ तस्वीरें पोस्ट कीं। उन्होंने पवन कल्याण को आंध्र प्रदेश का मुख्यमंत्री बता दिया।

राजा कुमारी ने जवान के टाइटल ट्रैक पर किया परफॉर्म

न्यूयॉर्क में हिप-हॉप आर्टिस्ट राजा कुमारी ने एक कॉन्सर्ट में जवान के टाइटल ट्रैक पर परफॉर्म किया। इस ट्रैक का इस्तेमाल जवान के प्रीव्यू के दौरान और पठान स्टार के करेक्टर को दर्शकों के सामने पेश करने के लिए किया गया था। राजा कुमारी ने अनिरुद्ध रविचंद्रन द्वारा कंपोज सॉन्ग की कुछ लाइन्स गायी और एक लाइव कॉन्सर्ट में फैंस को हैरान कर दिया। शाहरुख खान के इंटाग्राम फैन पेज पर राजा कुमारी का एक वीडियो शेयर किया गया, जो अब वायरल हो रहा है। जवान की बात करें तोएटली द्वारा निर्देशित, जवान रेड चिलीज एंटरटेनमेंट की प्रस्तुति है, जो गौरी खान द्वारा निर्मित और गौरव वर्मा द्वारा सह-निर्मित है। यह फिल्म 7 सितंबर 2023 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में रिलीज होगी। फिल्म का नया पोस्टर लॉन्च किया गया। इसमें स्टार विजय सेतुपति हैं, जिनके किरदार को मौत का सौदागर बताया गया है। जवान में सान्या मल्होत्रा, रिद्धि डोगरा, दीपिका पादुकोण और सुनील ग्रोवर नजर आएंगे।

अब पार्टी में मेरे दोस्त कम चिढ़ाते हैं: राघव

आप पार्टी के युवा राजनेता राघव चड्ढा ने एक इंटरव्यू में बताया कि परिणीति संग सगाई के बाद उनका जीवन कैसे बदल गया है। इंटरव्यू में राघव चड्ढा ने खुलासा किया, निश्चित रूप से, पार्टी में मेरे दोस्त, सह-कार्यकर्ता और मेरे सीनियर्स अब मुझे थोड़ा कम चिढ़ाते हैं। स-ांसद ने कहा, पहले वे मुझसे शादी करने के लिए कहते थे, अब वे मुझे थोड़ा कम परेशान करते हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि मैं जल्द ही शादी करने वाला हूं। हालांकि, इंटरव्यू में राघव चड्ढा ने अपनी शादी के बारे में ज्यादा जानकारी देने से परहेज किया। बता दें कि बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा जल्द ही युवा राजनेता राघव चड्ढा के साथ शादी के बंधन में बंधने वाली हैं। फैंस के मोस्ट फेवरेट कपल ने इसी साल मई में सगाई कर अपने रिश्ते को ऑफिशियल किया था। तब से कई दफा दोनों को एक साथ क्वालिटी टाइम स्पैंड करते देखा गया है।

पहली बार खलनायक की भूमिका में नजर आयेंगी आलिया

नेटफ्लिक्स फिल्म हार्ट ऑफ स्टोन से अभिनत्री आलिया भट्ट हॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं। अभिनेत्री अपने करियर में पहली बार खलनायक की भूमिका निभा रही है, यह भी देखना बाकी है कि वह आउट-एंड-आउट एक्शन दृश्यों को कैसे निभाती है। प्रशंसक फिल्म में उनकी भूमिका देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं। फिल्म में अभिनेत्री गैल गैडोट और जेमी डोर्नन के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगी। नेटफ्लिक्स फिल्म हार्ट ऑफ स्टोन के साथ अपनी पहली हॉलीवुड फिल्म में आलिया भट्ट अपने करियर में पहली बार एक खलनायक की भूमिका निभा रही हैं। आज इसका पहला पोस्टर जारी किया है। एक्शन फिल्म में अभिनेत्री के किरदार का नाम केया धवन होगा। इस हाई-स्टेक जासूसी के केंद्र में आलिया है, जो एक रहस्यमय हैकर का किरदार निभा रही है जो सभी बाधाओं को नियंत्रित करती है। राचेल स्टोन (गैल गैडोट) एक अनुभवहीन तकनीकी विशेषज्ञ है, जो प्रमुख एजेंट पार्कर (जेमी डोर्नन) की अध्यक्षता वाली एक विशिष्ट एमआई6 इकाई में है। उसकी एमआई6 टीम को यह नहीं पता कि स्टोन वास्तव में चार्टर के लिए काम करता है - एक गुप्त शांति स्थापना संगठन, जो अन्य जासूसों से भी गुप्त है, जो वैश्विक खतरों को बेअसर करने के लिए अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करता है। एक अभूतपूर्व फील्ड एजेंट जो मिशन पर कायम रहता है, संख्याओं का पालन करता है, और किसी पर भरोसा नहीं करता है। जब रहस्यमय हैकर कीया धवन (आलिया भट्ट) द्वारा एक नियमित मिशन को पटरी से उतार दिया जाता है, तो रेचेल की दो जिंदगियां टकरा जाती हैं। चूँकि वह चार्टर की रक्षा के लिए दौड़ती है और बाधाओं को हराने का प्रयास करती है।

सुजैन खान ने अभिनेत्री के बारे में नारायण मूर्ति के बयान का समर्थन किया

इंफोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति का एक पुराना वीडियो इस समय वायरल हो रहा है। जिसमें वह करीना कपूर के बारे में बात कर रहे हैं। उन्होंने इस वीडियो में कहा है कि प्लेन में करीना का अपने फैंस के साथ व्यवहार उन्हें पसंद नहीं आया। इस वायरल वीडियो पर ऋतिक रोशन की पूर्व पत्नी सुजैन खान ने कमेंट किया है। नारायण मूर्ति का ये वीडियो पुराना है। यह अब इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। एक बार नारायण मूर्ति और करीना एक ही विमान में यात्रा कर रहे थे। इस दौरान करीना ने अपने फैंस के साथ जिस तरह का बर्ताव किया वह उन्हें पसंद नहीं आया। नारायण मूर्ति वीडियो में कहते नजर आ रहे हैं, 'मैं लंदन से वापस आ रहा था जब फ्लाइट में करीना कपूर मेरे बगल में बैठीं। कई लोग उनके पास आए और हेलो कहा। लेकिन करीना ने फैंस को जवाब देने की जहमत नहीं उठाई। उस समय मैं उन लोगों से बात कर रहा था जो मेरे पास आए थे।' नारायण मूर्ति के इस वीडियो को इंस्टाग्राम पेज पर शेयर किया गया है। वीडियो पर सुजैन खान ने कमेंट किया है। उन्होंने टिप्पणी में लिखा, 'आप सही हैं, मिस्टर मूर्ति।' इसके साथ ही उन्होंने ताली बजाने वाली इमोजी भी पोस्ट की। करीना कपूर ने ऋतिक रोशन के साथ 'कभी खुशी कभी गम' और 'मैं प्रेम की दीवानी हूं' जैसी फिल्मों में साथ काम किया। कहा जाता है कि करीना और रितिक एक-दूसरे को पसंद करने लगे थे। उस वक्त रितिक शादीशुदा थे।

वेब सीरीज मेड इन हेवन 2 में फिर नजर आएगी कल्कि

एक्ट्रेस कल्कि कोचलिन जल्द ही वेब सीरीज मेड इन हेवन 2 में एक बार फिर से फैजा के किरदार में नजर आएंगी। एक्ट्रेस पूर्व में देव डी और ये जवानी है दीवानी जैसी फिल्मों में नजर आ चुकीं है। हाल में एक शो द मेल फेमिनिस्ट में सिद्धार्थ आलमबायन को दिए इंटरव्यू में कल्कि ने बताया कि बचपन से ही उन्होंने अपने साथ यह भेदभाव देखा है। लोग समझते थे कि मैं ड्रग्स लेती हूं, क्योंकि मेरे ग्रुप में मैं अकेली बेहद गोरी लड़की थी। अब भला इसमें मेरी क्या गलती कि मेरा रंग बेहद गोरा है। उन्होंने बताया कि हद से ज्यादा गोरे होने के कारण लोग मेरे करेक्टर पर भी सवाल उठाते थे, लेकिन जैसे ही मैं तमिल में जवाब देती, तो लोग मुझे अक्का और सिस्टर कहने लगते। मेरी भाषा सुनकर उनकी सोच बदल जाती थी। बता दें कि बॉलीवुड में अपना करियर बनाने के लिए एक्ट्रेस को काफी संघर्ष करना पड़ा था। गोरे रंग की वजह से उन्हें लोगों की कई बातें सुननी पड़ी थीं। अब हाल ही में उन दिनों को याद करते हुए कल्कि ने अपना दर्द बयां किया।

वरुण के साथ बॉलीवुड में अपनी पहली फिल्म में नजर आयेगी कीर्ति सुरेश

दक्षिण भारतीय अभिनेत्री कीर्ति सुरेश बॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। फिल्म, जिसका अस्थायी शीर्षक वीडी18 है, का निर्माण मुराद खेतानी (सिने1 स्टूडियोज) और प्रिया एटली (ए फॉर एप्पल स्टूडियोज) द्वारा किया जा रहा है। इसे जवान के निर्देशक एटली कुमार प्रस्तुत करेंगे। इस मुख्या भूमिका वरुय धवन निभाएंगे। दोनों तमिल फिल्म निमार्ता कालीस द्वारा निर्देशित एक्शन से भरपूर नाटकीय मनोरंजन फिल्म में अभिनय करेंगे। कीर्ति अपने बॉलीवुड लॉन्च वाहन में कुछ तत्वों की तलाश में थीं, और वरुण धवन की यह फिल्म उनकी प्राथमिकताओं के साथ पूरी तरह से मेल खाती है। वह भावनाओं, नाटक और एक्शन से भरी इस व्यावसायिक फिल्म में एक मजबूत और ग्लैमरस किरदार निभाएंगी। दक्षिण में खुद को स्थापित करने के बाद अपनी असाधारण अभिनय क्षमता और प्राकृतिक आकर्षण के साथ, कीर्ति पूरे भारत में अपने पंख फैलाने के लिए पूरी तरह तैयार है, और एवीडी18 उस दिशा में पहला कदम है। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग अगले महीने मुंबई में शुरू होने वाली है। निमार्ताओं ने स्पष्ट रूप से 31 मई, 2024 को प्रदर्शित होने वाली इस फिल्म को नवंबर तक पूरा करने के लिए तीन महीने की योजना बनाई है। वरुण, जिन्हें आखिरी बार अमर कौशिक की फिल्म भेड़िया में एक वेयरवोल्फ की भूमिका निभाते हुए देखा गया था, कथित तौर पर इस फिल्म में एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाएंगे। वर्तमान में, वह नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित और जान्हवी कपूर द्वारा अभिनीत अपनी अगली फिल्म बवाल की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं।

फिल्म ओएमजी-2 पर विवाद, पुजारियों ने की महाकाल मंदिर के दृश्य हटाने की माँग

मुंबई (ईएमएस)। महाकाल मंदिर के पुजारियों ने फिल्म ओएमजी -2 से मंदिर के दृष्य हटाने की मांग की है। गौरतलब है कि फिल्म आने से पहले यह दूसरी बार आपत्ति आई है। मिली जानकारी के अनुसार अक्षय कुमार अभिनीत फिल्म ह्यओएमजी-2 पर महाकाल मंदिर के पुजारियों ने 10 दिन में दूसरी बार आपत्ति जताई है। पुजारियों का कहना है कि इस फिल्म से महाकाल मंदिर में शूट किए गए सभी दृश्य को तत्काल हटा लेना चाहिए। फिल्म को अगर ए सर्टिफिकेट दिया गया और अश्लीलता परोसने के साथ महाकाल मंदिर के शॉट दिखे तो देशभर में फिल्म निमार्ता, निर्देशक और एक्टर अक्षय कुमार के खिलाफ प्रदर्शन होगा। साथ ही एफआईर भी दर्ज कराई जाएगी। बता दें कि विगत 11 जुलाई को ओ माय गॉड-2 का टीजर रिलीज हुआ था। सेंसर बोर्ड ने फिल्म की रिलीज डेट पर रोक लगाते हुए फिल्म को रिव्यू कमेटी के पास भेजा था। सेंसर बोर्ड के इस एक्शन पर 18 जुलाई को पुजारियों ने कहा था कि अच्छा होगा कि पहले से ही आपत्तिजनक शॉट्स - डायलॉग्स हटा लिए जाएं और केवल साधु-संतों को दिखाकर फिल्म रिलीज की जाए। बाद में विवाद सामने आया तो फिल्म का विरोध करेंगे। बता दें कि अमित राय के निर्देशन में बनी फिल्म ओएमजी-2 में अक्षय कुमार के अलावा यामी गौतम और पंकज त्रिपाठी हैं। फिल्म में अरुण गोविल भगवान राम के किरदार में नजर आएंगे। महाकाल मंदिर के पुजारी, महाकाल सेना और अखिल भारतीय पुजारी संघ के अध्यक्ष महेश पुजारी ने कहा, फिल्म को यदि सेंसर बोर्ड से ए प्रमाणपत्र मिला, तो यह अश्लील फिल्म है।

फिल्म हाय नन्ना से साउथ डेब्यू कर रहे हैं अंगद

बालीवुड एक्टर अंगद बेदी फिल्म हाय नन्ना जैसे मेगा प्रोजेक्ट के साथ दक्षिण भारतीय फिल्म में अपनी श-ुरूआत करने के लिए उत्साहित हैं। इस फिल्म में उनकी लस्ट स्टोरीज 2 की सह-कलाकार मृणाल ठाकुर और तेलुगु सुपर अभिनेता नानी हैं। पारि-वारिक मनोरंजक होने की उम्मीद वाली यह फिल्म साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। अंगद कहते हैं, वास्तव में इसे लेकर काफी उत्साहित हूं। इतने सालों तक फिल्म इंडस्ट्री में रहने के बाद दोबारा डेब्यू करना अच्छा लग रहा है। यह सिनेमा के लिए एक अद्भुत समय है, खासकर जब किसी फिल्म के लिए प्यार और सराहना हर जगह से आ रही है, चाहे वह किसी भी भाषा में बनी हो। मुझे इतनी दिल छू लेने वाली कहानी के साथ इतने बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा बनकर खुशी हो रही है। हाय नन्ना शौरयुव द्वारा निर्देशित एक इमोशनल ड्रामा फिल्म है, जो पिता-बेटी के रिश्ते के इर्द-गिर्द घूमती है। उम्मीद है कि यह फिल्म इसी साल 21 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का संगीत हेशम अब्दुल वहाब द्वारा तैयार किया जा रहा है, जो पहले द ग्रेट इंडियन किचन और वायरस जैसी फिल्मों में काम कर चुके हैं।

सूडोकु नवताल- 6506

कठिनतम

	9				6			
	1					2		
5			7				3	
			4					6
		3				9		
4					8			
	7				9			8
		2					1	
			3				4	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6505 का हल

6	5	8	9	1	4	2	7	3
1	2	7	3	5	8	6	4	9
3	4	9	7	2	6	1	5	8
2	3	6	1	4	5	9	8	7
8	9	5	2	7	3	4	1	6
4	7	1	6	8	9	3	2	5
7	6	4	5	3	1	8	9	2
9	8	2	4	6	7	5	3	1
5	1	3	8	9	2	7	6	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7253

म	अ	बे	ता	ब	ब	आ	खू	ग	ल	मु
रा	वि	ली	प्रे	क	न्या	स	न	ज	कां	ल
चु	मे	ष	दु	दी	छ	मि	ब	ब	वृ	जि
म	नौ	ब	न	नि	वा	स	हा	ल	ष	म
र्द	आ	मी	ल	म	या	न	गं	न	खु	च
य	ल	न	च	रा	क	ली	गा	ण	द	र
द	स	नी	ग	मे	न	र	में	बा	ग	स
क	सू	ऊ	ई	द	ली	क	फ	चो	र्ज	क
रा	म	र्य	ला	रा	म	की	या	औ	र	आ
क	गॉ	ल	वं	लि	जी	कुं	शा	म	प	द
आ	ई	ना	र्क	शी	क	र्त	य	दी	त	म

शब्दजाल में अमृता सिंह की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

बेताब, दुनिया, सनी, मर्द, खुदगर्ज, मुलजिम, खून बहा गंगा में, चमेली की शादी, सूर्यवंशी, आईना

शब्दजाल - 7252 का हल

ब्रा	य	न	ला	रा	द	जे	क्स	का	लि	स
दा	वि	ल	ग	व	रा	हु	ल	द्र	वि	ड़
गि	म	हे	ला	ज	य	व	र्ध	ने	क	क
री	इं	र	स	चि	न	तें	दु	ल	क	र
मै	खु	ज	कु	लू	लं	का	यु	ग	व	ए
थ्यू	द	ल	मा	य	ख	पू	व	हि	र	ड
है	लो	म	र	म	प	र	रा	र	र	म
ड	र्ज	ल्जा	सं	धा	उ	क	ज	लो	श	गि
न	बा	म	ग	ब्रा	ह	ल	सिं	श	प	ल
तें	दु	आ	का	व	जी	र्त	ह	बें	हा	क्रि
क	दु	ल्हे	रा	नी	ल	गा	य	क	प	स्ट

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6206

	2				6	
3	24	6	37	2	32	
						3
5	33	1	29	4	30	
7		5	4			2
	38	4	31	3	29	
4		7			2	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6205 का हल

7	1	3	4	6	5	2
4	38	6	34	2	32	7
6	4	7	1	5	2	3
5	29	1	33	4	36	6
3	1	2	6	7	4	5
1	24	4	35	3	28	1
2	6	5	7	1	3	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

जसप्रीत बुमराह पूरी तरह फिट : बीसीसीआई सचिव शाह ने कहा – भारतीय टीम में जल्द वापसी करेंगे; वर्ल्ड कप शेड्यूल में चेंज होगा

मुम्बई ।
बीसीसीआई सेक्रेटरी जय शाह ने वेन्यू के स्टेट एसोसिएशन की इमरजेंसी मीटिंग बुलाई। इसमें उन्होंने कहा कि भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पूरी तरह फिट हो चुके है। वह जल्द नेशनल टीम में वापसी करेंगे। भारत-पाक मैच को रिशेड्यूल कराने पर शाह ने मीडिया से कहा कि इस मुद्दे पर दो से तीन दिन में फैसला ले लिया जाएगा। फाइनल डिसीजन लेने से पहले इंटरनेशनल क्रिकेट काउन्सिल और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के साथ चर्चा की जाएगी।

नवरात्री के कारण अहमदाबाद में 15 अक्टूबर को भारत पाक मुश्किल

भारत और पाकिस्तान के बीच वनडे वर्ल्ड कप मैच को एक दिन पहले आयोजित किया जा सकता है। 15 अक्टूबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दोनों टीमों के बीच मैच होना है। इसी दिन नवरात्रि का त्योहार भी शुरू हो रहा है। जिसे देखते हुए सिक्योरिटी एजेंसी ने मैच की तारीख या वेन्यू बदलने का सुझाव दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह मैच अब 14 अक्टूबर को हो सकता है। मैच अगर 14 अक्टूबर को शिफ्ट हुआ तो इंग्लैंड-अफगानिस्तान का मैच 15 अक्टूबर को कराया जा सकता है।

तारीख बदली तो फैंस को परेशानी होगी

सिक्योरिटी एजेंसी का सुझाव मानकर अगर मैच का वेन्यू या तारीख बदली गई तो अहमदाबाद में ट्रैवल प्लान बना चुके फैंस को बहुत ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। टूर्नामेंट के मैचों की टिकट बिक्री अब तक शुरू नहीं हुई है, लेकिन फैंस ने अहमदाबाद में होटल के कमरे बुक करना शुरू कर दिया है।

आईसीसी के शेड्यूल जारी करते ही देश-विदेश से हजारों फैंस ने अहमदाबाद में होटल रूम बुक कर लिए। होटल मालिकों ने उम्मीद के अनुसार किराया बढ़ा दिया। जिसे देखते हुए फैंस ने 15 अक्टूबर के आस-पास की तारीखों के लिए हॉस्पिटल तक के कमरे बुक कर लिए।

आयरलैंड टूर का हिस्सा हो सकते है बुमराह

बुमराह अगले महीने होने वाले आयरलैंड टूर का हिस्सा हो सकते है, जहां टीम 3 टी-20 मैच की सीरीज खेलेगी। उन्होंने अपना आखिरी मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 25 सितंबर 2022 को खेला था और उसके बाद साउथ अफ्रीका सीरीज के लिए टीम में चुने गए थे। स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण वो सीरीज से बाहर हो गए और उनकी जगह मोहम्मद सिराज को टीम में शामिल किया गया था। तब से वह रिकवरी कर रहे हैं।

बुमराह ने इसी साल मार्च में सर्जरी कराई थी

बुमराह ने इसी साल मार्च में न्यूजीलैंड जाकर पीठ की सर्जरी कराई थी। चोटिल होने के कारण ही वे टी-20 वर्ल्ड कप 2022, आईपीएल 2023, वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 2023 में भी टीम का हिस्सा नहीं बन सके थे।

न्यूज ब्रीफ

टी-20 वर्ल्ड कप 2024...पपुआ न्यू गिनी ने किया क्वालिफाई: 15 टीमें हुईं पक्की, 5 का बर्थ खाली; पहली बार 20 टीमें लेंगी हिस्सा

मुम्बई । पपुआ न्यू गिनी ने 2024 टी-20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई कर लिया है। ईस्ट एशिया-पेसिफिक क्वालिफायर में शुक्रवार को खेले गए मैच में पीएनजी ने फिलीपींस को 100 रनों से हराया। इंटरनेटशनल क्रिकेट काउंसिल 2024 टी-20 वर्ल्ड कप अगले साल वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जाना है। टी-20 वर्ल्ड कप का यह 9वां एडिशन होगा। अगले साल खेले जाने वाले टी-20 वर्ल्ड कप में कुल 20 टीमें हिस्सा लेंगी। इस टूर्नामेंट के लिए अब तक कुल 15 टीमें क्वालिफाई कर चुकी हैं। अब सिर्फ पांच टीमों को लिए स्थान खाली है। बाकी पांच टीमों का फैसला अमेरिका क्वालिफायर, एशिया क्वालिफायर और अफ्रीका क्वालिफायर से होगा। अमेरिका से एक, एशिया और अफ्रीका से दो-दो टीमों को 2024 टी-20 वर्ल्ड में खेलने का मौका मिलेगा। फिलीपींस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए पीएनजी ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट खोकर 229 रन बनाया। पीएनजी के लिए टोनी उरा ने सबसे ज्यादा 57 रन की पारी खेली। जवाब में फिलीपींस छह विकेट पर महज 129 रन बना सका। पीएनजी ईस्ट एशिया-पेसिफिक क्वालिफायर के पॉइंट्स टेबल में टॉप पर है। मेजबान वेस्टइंडीज और अमेरिका के अलावा भारत, इंग्लैंड, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, श्रीलंका, दक्षिण अफ्रीका, नीदरलैंड, आयरलैंड,स्कॉटलैंड और पपुआ न्यू गिनी ने 2024 टी-20 वर्ल्ड कप में जगह बनाई है। पहली बार टी-20 वर्ल्ड कप में 20 टीमें हिस्सा लेंगी। इससे पहले, 2007 से 2012 तक खेले गए चार वर्ल्ड कप में 12 और 2014 से 2022 तक खेले गए चार वर्ल्ड कप में 16 टीमें हिस्सा लेती थीं।

युवा भारोत्तोलकों को खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने किया प्रोत्साहित, एशियाई जूनियर यूथ वेटलिफ्टिंग का शुभारंभ

ग्रेटर नोएडा । केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने गुरुवार को देश में पहली बार आयोजित हो रही एशियाई जूनियर और यूथ वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप का शुभारंभ किया। गौतमबुद्ध यूनिवर्सिटी में शुक्रवार से शुरू हो रही यह चैंपियनशिप पांच अगस्त तक आयोजित होगी, जिसमें भारत की 30 सदस्यीय टीम शिरकत करेगी। अनुराग ठाकुर ने इस दौरान भारतीय टीम में शामिल वेटलिफ्टरों का उत्साहवर्धन किया। टीम में ज्यादातर वेटलिफ्टर खेलो इंडिया स्कीम से शामिल हुए हैं। अनुराग ठाकुर ने भारत की ओर से इस चैंपियनशिप की मेजबानी पर खुशी जताई, जिसमें 15 से अधिक देशों के तकरीबन 200 वेटलिफ्टर शिरकत कर रहे हैं। उन्होंने इस बात की भी सराहना की कि इतने कम समय के अंतराल में भारतीय भारोत्तोलन संघ के अध्यक्ष सहदेव यादव ने इतनी प्रतिष्ठित चैंपियनशिप के आयोजन को संभव कर दिखाया। खेल मंत्री ने ओलंपिक रजत पदक विजेता मीराबाई चानू और कांस्य पदक विजेता करणम मल्लेश्वरी की युवाओं का मार्गदर्शन बनने के लिए सराहना की।

उत्तराखंड के पांच वर्षीय तेजस ने रचा इतिहास, फिडे रेटिंग हासिल करने वाले विश्व के सबसे युवा खिलाड़ी बने

चेन्नई । उत्तराखंड के पांच वर्षीय तेजस तिवारी शतरंज की वैश्विक संचालन संस्था फिडे की रेटिंग हासिल करने वाले विश्व के सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। उनकी फिडे स्टैंडर्ड रेटिंग 1149 है। फिडे के अनुसार, तेजस ने उत्तराखंड के रुद्रपुर में पहली दिवंगत धीरज सिंह रघुवंशी ओपन फिडे रेटिंग शतरंज टूर्नामेंट के दौरान अपनी पहली रेटिंग (1149) हासिल की। मात्र साढ़े तीन साल की उम्र में अपने परिवार के सदस्यों को खेलते हुए देखकर तेजस की शतरंज में रुचि जगी। उन्होंने चार साल की उम्र में जिला और राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में खेलना शुरू किया था और जल्द ही वह राज्य के बाहर राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में शिरकत करने लग गए। तेजस ने चार साल और तीन महीने की उम्र में अपना पहला फिडे रेपिड टूर्नामेंट खेला था। उन्होंने 2022 में उत्तराखंड राज्य ओपन टूर्नामेंट के अंडर आठ वर्ग में शीर्ष स्थान हासिल किया। तेजस को कोचिंग देने वाले उनके पिता शरद तिवारी ने कहा, 'वह हल्द्वानी के दीक्षांत इंटरनेशल स्कूल में यूकेजी में पढ़ता है ।

नाइजीरिया चार साल बाद महिला फीफा विश्व कप के अंतिम-16 में, ऑस्ट्रेलिया को 3-2 से हराया

ब्रिसबेन ।
नाइजीरिया ने पिछड़ने के बाद दमदार वापसी करते हुए बृहस्पतिवार को यहां महिला फुटबॉल विश्व कप में बड़ा उलटफेर करते हुए सह मेजबान ऑस्ट्रेलिया को 3-2 से हरा दिया। इस जीत के साथ ही नाइजीरिया ने चार साल बाद प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई और ग्रुप-बी में शीर्ष स्थान पर रहा। इससे पहले वह वर्ष 2019 में प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचा था।

पहले हाफ में गोल की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया ने की। एमिली वैन एगमोंद ने पहले हाफ के इंजुरी समय (45+1वें मिनट) में बॉक्स के अंदर से गोल करके ऑस्ट्रेलिया का मैच में खाता खोल दिया। हालांकि उसकी यह बढ़त ज्यादा देर नहीं रही और उचेना ने 45+6वें मिनट में गोल करके नाइजीरिया की मैच में वापसी करा दी। पहला हाफ 1-1 से बराबर रहा।

ओशोआला का महत्वपूर्ण गोल

दूसरे हाफ में नाइजीरिया की ओसेनाची ओहेल ने 65वें मिनट में गोल दागकर नाइजीरिया को 2-1 से आगे किया। इसके बाद नाइजीरियाई टीम ने अपना गोल करने का सिलसिला जारी रखा और ओशोआला ने 72वें मिनट गोल करके टीम को 3-1 की महत्वपूर्ण बढ़त दिलाई। हालांकि इसके बाद सह-मेजबान टीम के लिए अलाना कैनेडी मैच के इंजुरी समय (90+10वें मिनट) में गोल करने में सफल रहीं, लेकिन यह जीत या ड्रॉ के लिए काफी नहीं था। 11 बार की अफ्रीकन विजेता नाइजीरिया अपने अंतिम ग्रुप मैच में आयरलैंड की टीम के खिलाफ खेलेगी। लिंडसे होरान के गोल की मदद से अमेरिका ने महिला फुटबॉल विश्व कप में नीदरलैंड के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ पर रोका। नीदरलैंड के लिए पहले हाफ में जिल रूर्ड ने गोल किया। अमेरिका के लिए बराबरी का गोल होरान ने 62वें मिनट में हेडर पर दागा। इससे पहले नीदरलैंड की खिलाड़ियों की छींटाकशी से होरान काफी गुस्से में थीं। इस मैच के बाद अमेरिका और नीदरलैंड दोनों ग्रुप-ई में शीर्ष पर हैं। अमेरिका का गोल औसत बेहतर होने के कारण उसकी स्थिति मजबूत है। इस टूर्नामेंट के 2019 के फाइनल में अमेरिका ने नीदरलैंड को ही 2-0 से हराया था।

पुर्तगाल ने वियतनाम को किया बाहर

टेल्मा एनकार्नाको के शानदार खेल की मदद से पुर्तगाल ने महिला विश्व कप में वियतनाम को 2-0 से हराकर उसे इस टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। पुर्तगाल के पास अभी भी अगले चरण में पहुंचने का मौका है जिसे अमेरिका के खिलाफ जीत या ड्रॉ की जरूरत है। इसके साथ ही वियतनाम को नीदरलैंड पर जीत दर्ज करनी होगी। पुर्तगाल के लिए टेल्मा (सातवां मिनट) ने एक गोल किया जबकि फ्रांसिस्का द्वारा किए गोल गोल (21वां मिनट) में भी मदद की।

इंग्लैंड ने हैती को हराया

इंग्लैंड ने महिला फुटबॉल विश्व कप में हैती को 1-0 से हराया। इंग्लैंड ग्रुप-डी में डेनमार्क के साथ शीर्ष पर है। डेनमार्क 2007 के बाद पहली बार महिला विश्व कप खेल रहा है और पहले मैच में उसने चीन को 1-0 से पराजित किया।

विंटेज कार रोल्स रॉयस चलाते दिखे धोनी

रांची । टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी आजकल खेल से दूर हैं और अपने घर में समय बिता रहे हैं। धोनी का एक वीडियो भी आया है इसमें वह कूल अंदाज में विंटेज कार रोल्स रॉयस चलाते दिख रहे हैं। धोनी के विंटेज कार चलाने का वीडियो उनके प्रशंसक ने ही शेयर किया है जिसमें कैप्टन कूल पुरानी विंटेज 1980 रोल्स रॉयस चला रहे है। वो पूरे ध्यान से गाड़ी चलाते हुए एन्जॉय करते दिख रहे है। धोनी के पास नई और पुरानी गाड़ियों का भी अच्छा कलेक्शन है। हाल ही में उन्होंने 61 लाख रुपये की कीया इवी 6 खरीदी है। इससे पहले उन्होंने 75 लाख रुपये की हमर एच2 भी खरीदी थी। धोनी को बाइक और कार का बेहद शौक है। इसी कारण धोनी के रांची स्थित फार्म हाउस के गैराज में कई कार और बाइकें रखी है। इसका वीडियो भी हाल ही में सोशल मीडिया पर आया था।

पांचवां ऐशेज टेस्ट...पहला दिन

इंग्लैंड की पहली पारी 283 रन पर सिमटी, ब्रूक ने जमाई हाफ सेंचुरी; ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 61/1

लंदन ।
ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच ऐशेज सीरीज का पांचवां टेस्ट मैच लंदन के केनिंगटन ओवल मैदान में खेला जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। मैच के पहले दिन लंच तक इंग्लैंड की पहली पारी 283 रन पर सिमट गई। हैरी ब्रूक ने अर्धशतक जमाया। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी की शुरूआत की और स्टंप्स तक 1 विकेट के नुकसान पर 61 रन बना लिए हैं।उस्मान ख्वाजा 26 रन और मार्नस लाबुशेन 2 रन बना कर क्रीज पर है और दूसरे दिन पारी को आगे बढ़ाएंगे।

इंग्लैंड की पहली पारी पहले दिन सिमटी

इंग्लैंड के लिए पहले दिन लंच से पहले बेन डकेट ने 41 रन, जैक क्रॉले 22 रन और जो रूट ने 5 रन बनाए। मोईन अली ने 34 रन बनाए और हैरी ब्रूक के साथ 111 रन की साझेदारी की। कप्तान बेन स्टोक्स 3 रन ही बना सके। दूसरे छोर पर हैरी ब्रूक डटे रहे और 85 रन की पारी खेली। जॉनी बेयरस्टो 4 रन ही बना सके। बॉलिंग ऑलराउंडर क्रिस वोक्स ने 36 रन स्कोर किए। वहीं, मार्क वुड ने 28 रन बनाए। वुड और वोक्स के बीच 49 रन की पार्टनरशिप हुई। स्टुअर्ट ब्रॉड 7 रन बना कर आउट हुए। जेम्स एंडरसन 0 रन बना कर नाबाद रहे।

स्टार्क ने लिए 4 विकेट

ऑस्ट्रेलिया की ओर से पेसर मिचेल स्चार्क ने 4 विकेट झटके। स्टार्क ने स्टोक्स, ब्रूक, ब्रॉड और वोक्स को चलता किया। जोश हेजलवुड और स्पिनर टॉड मर्फी ने 2 विकेट लिए। वही, पैट कमिंस और मिशेल मार्श ने एक-एक सफलता मिली।ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी की शुरुआत की।ऑस्ट्रेलिया के ओपनर डेविड वॉर्नर 24 रन बना कर पवेलियन लौटे।

अर्जुन तेंदुलकर नये अवतार में, 6 पैक एब्स दिखाये

मुम्बई ।
महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर आजकल अपनी फिटनेस बेहतर बनाने पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक शर्टलेस सेल्फी भी साझा की है। इसके बाद से ही वह सोशल मीडिया पर छा गये हैं। इस तस्वीर में अर्जुन अपने सिक्स पैक एब्स दिखाते दिख रहे हैं। इससे पता चलता है कि वह अपनी फिटनेस को लेकर कितने सजग हैं। अर्जुन ने अपनी जो मिरर सेल्फी शेयर की है, उसमें वो पहले के मुकाबले काफी फिट नजर आ रहे हैं। प्रशंसक भी अर्जुन का ये अंदाज देखकर बेहद उत्साहित हैं। गौरतब है कि हाल के दिनों में फिटने का खेल जगत में रुतबा बढ़ गया है।

पूर्व कप्तान विराट कोहली ने इसमें अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने भारतीय क्रिकेट में फिटनेस के स्तर को ऊपर उठाने के लिए सभी को प्रेरित किया है। कोहली को देखकर ही क्रिकेटर भी आजकल अपनी फिटनेस पर काफी मेहनत कर रहे हैं। इसमें कई युवा खिलाड़ी शामिल है। अब अब अर्जुन भी इसी राह पर चल रहे हैं।

जहां तक खेल की बाद है। अर्जुन अभी देवधर ट्रॉफी में दक्षिणी जोन की ओर से खेल रहे हैं। उन्होंने पिछले साल गोवा की तरफ से रणजी ट्रॉफी खेली थी। अर्जुन ने इस साल आईपीएल में मुंबई इंडियंस की ओर से से खेला। यहां उन्हें 4 मैच ही खेलने को मिले थे जिसमें उन्होंने अपनी गेंदबाजी से सबका ध्यान खींचा था। एक मैच के दौरान अर्जुन को डेथ ओवर में अच्छी गेंदबाजी करने के लिए मुंबई इंडियंस की तरफ से ड्रेसिंग रूम प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड मिला था और उन्हें ये विशेष पुरस्कार सचिन ने दिया था।

जापान ओपन बैडमिंटन...सात्विक-चिराग की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में हारी: लगातार 12 जीत के बाद मिली हार; टोक्यो ओलिंपिक चैंपियन चीनी ताइपे जोड़ी ने मात दी

टोक्यो ।
सात्विक साईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी को बीएफडब्लू जापान ओपन सुपर 750 के मेंस डबल्स में शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में हार मिली। वर्ल्ड नंबर-2 जोड़ी को लगातार 12 जीत के बाद हार का सामना करना पड़ा। वहीं मेंस सिंगल्स मुकाबले में लक्ष्य सेन को जीत मिली। ओलिंपिक चैंपियन चीनी ताइपे जोड़ी ने सात्विक-चिराग को हराया हाल ही में कोरिया ओपन जीतने वाले सात्विक और चिराग की जोड़ी को टोक्यो ओलिंपिक चैंपियन यांग ली और ची-लिन वांग की चीनी ताइपे जोड़ी ने हराया। ली-वांग ने भारतीय जोड़ी को 21-15, 23-25, 21-16 से हराया।

चिराग-सात्विक की जोड़ी ने कोरिया ओपन का खिताब जीता था

चिराग शेट्टी और सात्विक साईराज की भारतीय जोड़ी ने रविवार (23 जुलाई 2023) को कोरिया ओपन का खिताब जीता था। चिराग-सात्विक की जोड़ी ने वर्ल्ड नंबर 1 फजर अल्फियान और मोहम्मद रियान की इंडोनेशियाई जोड़ी को 17-21, 21-13, 21-14 के अंतर से हराया था।

लक्ष्य ने जापान के वतानाबे को सीधे गेमों में मात दी

बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स के गोल्ड मेडलिस्ट 21 साल के लक्ष्य ने जापान के कोकी वतानाबे को सीधे गेमों में मात दी। लक्ष्य ने वतानाबे को 21-15, 21-19 से हराया। राउंड ऑफ 16 में भी लक्ष्य ने जापानी खिलाड़ी को हराया था। उन्होंने केंटा सुनेयामा को 21-14, 21-16 से हराया था। पीवी सिंधु को बुधवार को पहले राउंड में चीन की झांग यी मान ने 21-12, 21-13 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता दिखाया। यह मुकाबला 32 मिनट तक चला था। झांग यी मान ने दोनों गेम आसानी से जीत लिए थे। इससे पहले कोरिया ओपन 2023 में भी उन्हें पहले राउंड में ही हार का सामना करना पड़ा था। जापान ओपन का असर पेरिस ओलिंपिक के क्वालिफाइंग रैंकिंग पर पड़ेगा जापान ओपन का असर पेरिस ओलिंपिक के क्वालिफाइंग रैंकिंग पर पड़ सकता है। जापान ओपन के रिजल्ट पेरिस ओलिंपिक के क्वालिफाइंग राउंड 2024 की रैंकिंग में गिने जाएंगे। बैडमिंटन के लिए क्वालिफिकेशन विंडो इस साल 1 मई से शुरू हो चुकी है।

भारत-वेस्टइंडीज के बीच पहला वनडे टी-20 जैसा रहा

इंडिया को 5 विकेट से जीत मिली, ईशान किशन का अर्धशतक; कुलदीप ने झटके 4 विकेट

बारबाडोस ।
भारत और वेस्टइंडीज वनडे सीरीज का पहला मैच टी-20 जैसा रहा। दोनों टीमों ने 45.5 ओवर खेले। बारबाडोस के केनिंगटन ओवल मैदान पर भारत ने टॉस जीतकर फील्डिंग करने का फैसला लिया था। पहले बैटिंग करने उतरी वेस्टइंडीज टीम 23 ओवर में 114 रन पर ऑल आउट हो गई। 115 रन का टारगेट टीम इंडिया ने 22.5 ओवर में 5 विकेट पर हासिल कर लिया। यह टीम इंडिया की विंडीज पर लगातार नौवीं जीत है। विंडीज को भारत पर आखिरी जीत 2019 में चेन्नई के मैदान पर मिली थी। तब कैरेबियंस ने टीम इंडिया को 8 विकेट से हराया था। इस जीत से इंडिया ने 3 मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। सीरीज का दूसरा मुकाबला 29 जुलाई को ब्रिजटाउन में खेला जाएगा।

भारत के खिलाफ सबसे छोटे स्कोर पर आउट हुई वेस्टइंडीज टीम वेस्टइंडीज ने होम ग्राउंड पर भारत के खिलाफ सबसे छोटा स्कोर बनाया। इससे पहले, टीम 1997 में पोर्ट ऑफ स्पेन में भारत के खिलाफ 121 रन पर ऑल आउट हो गई थी। ओवरऑल रिकॉर्ड की बात करें तो यह विंडीज का भारत के खिलाफ दूसरा सबसे छोटा स्कोर है। इससे पहले टीम 2018 में तिरुवनंतपुरम में 104 रन के स्कोर पर ऑल आउट हुई थी।

ईशान का अर्धशतक, कुलदीप ने झटके 4 विकेट - टीम इंडिया की ओर से कप्तान रोहित शर्मा की जगह ओपन करने उतरे ईशान किशन और कुलदीप यादव ने मैच जिताऊ प्रदर्शन किया। ईशान किशन (52 रन) ने करियर का चौथा वनडे अर्धशतक जमाया, जबकि कुलदीप यादव ने 4 विकेट लिए। रवींद्र जडेजा ने भी 3 विकेट चटकाए।

12 साल बाद नंबर-7 पर बैटिंग करने उतरे रोहित शर्मा - वेस्टइंडीज को 114 रन पर ऑल आउट करने के बाद कप्तान रोहित शर्मा ने बैटिंग ऑर्डर में कई प्रयोग किया। पहले तो उन्होंने गिल-किशन की युवा जोड़ी को ओपन करने भेजा। उसके बाद कोहली की जगह पर सूर्यकुमार यादव, नंबर-4 पर पंड्या को बैटिंग करने का मौका

दिया। इतना ही नहीं, रोहित खुद शार्दूल ठाकुर के आउट होने के बाद नंबर-7 पर बैटिंग करने उतरे। रोहित 12 साल बाद इस पोजिशन पर बैटिंग करने उतरे हैं। इससे पहले, वे 2011 में नंबर-7 पर खेलने उतरे थे। एनालिसिस: भारतीय स्पिनर्स ने लिए 7 विकेट; कैरेबियंस ने लगातार विकेट गंवाए पहले बैटिंग करने उतरी वेस्टइंडीज के बल्लेबाज भारतीय स्पिनर्स के सामने जूझते नजर आए। कप्तान शाई होप (43 रन) को छोड़कर कोई अन्य बैटर कुलदीप-जडेजा की घूमती बॉलों का सामना नहीं कर सका। दोनों ने मिलकर 7 बैटर्स को पवेलियन का रास्ता दिखाया। 7 बैटर्स दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर सके। जवाब में 115 रनों का टारगेट भारतीय बैटर्स ने 22.5 ओवर में हासिल कर लिया। ओपन करने उतरे ईशान किशन ने अर्धशतक जमाया। सूर्यकुमार यादव ने 19 रन का योगदान दिया, जबकि रवींद्र जडेजा ने नाबाद 16 और कप्तान रोहित शर्मा ने 12 रन बनाए। विंडीज के गुडाकेश मोती को दो सफलताएं मिलीं।

ऐसे गिरे टीम इंडिया के विकेट

पहला: शुभमन गिल (7 रन)- सील्स की आउट स्विंग बॉल बल्ले का बाहरी किनारा लेकर स्लिप पर खड़े ब्रैंडन किंग के पास गई, किंग ने शानदार कैच पकड़ा। शरीर से दूर जाती बॉल को गिल बिना लाइन में आए खेल बैठे। दूसरा: सूर्यकुमार यादव (19 रन)- गुडाकेश मोती की बॉल मिडिल ऑफ स्टंप पर पिच हुई और ऑफ स्टंप की ओर जा रही थी। सूर्या इस बॉल को स्वीप करना चाहते थे, लेकिन बॉल पैड से टकराई। फील्ड अंपायर के आउट करार देने पर उन्होंने डीआरएस लिया, लेकिन थर्ड अंपायर ने फैसला नहीं बदला। तीसरा: हार्दिक पंड्या (5 रन)- यानिक कैरियो की बॉल को ईशान किशन ने बॉलर की दिशा में खेला, जिसे कैरियो पकड़ नहीं सके। ऐसे में पंड्या नॉन-स्ट्राइक एंड से आगे निकल आए, लेकिन किशन ने रन लेने से मना कर दिया। जब तक पंड्या क्रीज पर लौट पाते, तब तक कैरियो ने बॉल अंपायर के एंड पर स्टंप में मार दी। चौथा: ईशान किशन (52 रन)- डीप मिडविकेट पर कैच आउट हुए। मोती की बॉल पर बड़ा हिट लगाना चाहते थे, लेकिन बॉल को बाउंड्री पार नहीं करा सके। पांचवां: शार्दूल ठाकुर (1 रन)- ऑफ स्टंप की बॉल पर कट करना चाहते थे, लेकिन बॉल स्लिप पर चली गई, जहां एथनाज ने कैच किया।

सफलता की होड़ में उधड़ते मानवीय रिश्ते

पश्चिमी संस्कृति के प्रभाव ने हमारे देश में भौतिकवाद को प्रोत्साहन दिया है और अब तो पढ़े लिखे हों या नहीं सभी सुख-सुविधाओं के जाल में फंसते जा रहे हैं। भारतीय अध्यात्म ज्ञान के बारे में जानते सभी हैं पर उसे धारण करना लोगों को अब पिछड़ापन दिखाई देता है। नतीजा यह है कि समाज में आपसी रिश्ते एक औपचारिकता बनकर रह गए हैं।

सिर्फ सांसारिक शिक्षा काफी नहीं

अक्सर अनेक लोग शिकायत करते हैं कि उनके बच्चे उनसे दूर हो रहे हैं अथवा उनकी देखभाल नहीं करते। इसके दो कारण होते हैं एक तो यह कि नए सामाजिक परिवेश से तालमेल न बिठा पाने के कारण लोग अपने माता-पिता को त्याग देते हैं या फिर वह व्यवसाय के सिलिसले में उनसे दूर हो जाते हैं। दोनों ही स्थितियों का विश्लेषण करने पर अनुभव होगा कि आधुनिक युग के समस्त माता-पिता अपने बच्चों से यह अपेक्षा करते हैं कि वह इस मायावी दुनिया में उच्च से उच्च पद प्राप्त कर, अधिक से अधिक धनार्जन करें और भरपूर मान प्रतिष्ठा की दुनिया में चमककर उनका व अपना नाम रोशन करें। लोग बच्चों की कामयाबी के सपने देखते हैं और केवल सांसारिक शिक्षा तक ही अपने बच्चों को सीमित रखते हैं। किसी तरह अपना पेट पालो यही सिखाते हुए वह ऐसा अनुभव करते हैं कि जैसे कि वह दुनियां का कोई विशेष ज्ञान दे रहे हैं। यह तो एक सामान्य चतुराई है, जिसे सब जानते हैं।

सभी सुविधाओं के बाद भी अशांत रहता है मन

यह उन माता-पिता का भ्रम है कि शिक्षा तो सभी स्वतः ही प्राप्त करते हैं पर जिन बच्चों को उनके माता-पिता इसके साथ ही अध्यात्म ज्ञान, ईश्वर भक्ति और परोपकार करना सिखाते हैं वह अधिक योग्य निकलते हैं। जब तक आदमी के मन में अध्यात्म का ज्ञान नहीं होगा, तब तक वह न तो स्वयं कभी प्रसन्न रह पाता है और न ही दूसरों को प्रसन्न करता है। आज समस्त सुख सुविधाएं होने के बावजूद भी बहुत सभी लोगों का मन अशांत रहता है, क्योंकि मानव को परमात्मा के ज्ञान का प्रत्यक्ष बोधकर शांति, सत्य, अहिंसा एवं निःस्वार्थ प्रेम का वातावरण स्थापित करने का समय नहीं है। वह तो पैसे कमाने और सफलता की दौड़ में सबसे आगे निकलना चाहते हैं। मनुष्य जीवन में भक्ति और ज्ञान प्राप्त करने की सुविधा मिलती है पर उसका उपयोग नहीं कर हम उसे ऐसे ही नष्ट कर डालते हैं। ऐसे में वह ज्ञानी धन्य है जो दाल-रोटी खाकर पेट भरते हुए भगवान भजन और ज्ञान प्राप्त करने के लिए समय निकालते हैं।

पश्चिमी देशों में नीले रंग को युवा लड़कों से जोड़कर देखा जाता है। भौतिक और भौगोलिक क्षेत्र में रंग सबसे सुंदर पहलुओं में से एक हैं। हम चारों तरफ रंगों से घिरे हुए हैं, लेकिन कितनी बार हम असंख्य रंगों में कई बारीकियों को नहीं देख पाते हैं। नीले रंग को हमारे यहां भी खास महत्व दिया गया है। रंगों की रहस्यमय रंगीन दुनिया को जानने के लिए वैज्ञानिक और दार्शनिक हमेशा से ही जिज्ञासु रहे हैं। हाल के दिनों में इस पर बहुत काम हुआ है। हाल ही में हुई रिसर्च में कहा गया है कि अगर आपको तुरंत निर्णय लेने में दिक्कत आती है तो आपको ब्लू लाइट में बैठना चाहिए।

युवाओं का नीला रंग...

रंगों का अपना चमत्कार होता है। उसका शरीर मन और भावना के स्तर पर बहुत प्रभाव होता है। जैसा कि हम सब जानते है कि जीवन पर सूर्य की किरणों का गहरा असर होता है, वैसे ही रंगों का भी असर होता है। वह भी तो प्रकाश ही है। आप स्वयं अनुभव करेंगे कि जिस दिन आकाश बादलों से घिरा रहता है तब अग्नि मंद हो जाती है, शरीर सुस्ताने लग जाता है। धूप होती है, तो आदमी में स्फूर्ति होती है, सूरज के ताप का और प्रकाश का हमारे शरीर पर प्रभाव होता है, वैसे ही रंगों का प्रभाव भी हमारे शरीर और मन पर होता है। वर्तमान में रंगों पर बड़ा महत्वपूर्ण काम हुआ है, अनेक प्रयोग और तथ्य सामने आए हैं। अगर आपको तुरंत निर्णय लेने में दिक्कत आती है तो आपको ब्लू लाइट में बैठना चाहिए। यह बात एक रिसर्च में सामने आई है। छोटी अवधि के लिए नीले रंग की रोशनी से संपर्क आपको कठिन निर्णय लेने में मदद कर सकता है। नीले रंग के प्रकाश में 40 मिनट तक रहने के बाद आप कठिन निर्णय तीव्रता के साथ ले सकते हैं। यूनवर्सिटी ऑफ एरिजोना में इस अध्ययन के शोधकर्ताओं के मुताबिक पिछले अध्ययनों में केवल प्रकाश में रहने की अवधि के दौरान उसके प्रभाव पर ध्यान केंद्रित किया गया था, लेकिन यह अध्ययन बताता है कि नीले रंग के प्रकाश के आवरण के लाभकारी प्रभाव 40 मिनट बाद भी रहते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ एरिजोना के अध्ययन के निष्कर्षो के मुताबिक, आधा घंटे के लिए नीले रंग की रोशनी में एक छोटी अवधि का संपर्क अधिक महत्वपूर्ण प्रतिक्रिया देने के समय में औसत दर्जे का परिवर्तन करने के लिए पर्याप्त है। यह सुधार सीधे तौर पर प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स की सक्रियता में औसत दर्जे के परिवर्तन के साथ जुड़े हैं। नीलापन युक्त सफेद रोशनी कई व्यावसायिक क्षेत्रों जैसे पायलट काकपिट, ऑपरेशन कक्ष और सैन्य कार्यों में काफी इस्तेमाल की जाती है, जहां त्वरित निर्णय लेना महत्वपूर्ण है।

नीले रंग की खूबियां

नीला रंग अपनी विशेष खूबियों के कारण काफी महत्व रखता है। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए हम तमाम जतन करते हैं। इस मामले में रंग भी हमारी सहायता करते हैं, क्योंकि इनका संबंध स्वास्थ्य, समृद्धि और खुशियों से होता है। नीला रंग आध्यात्मिकता, अंतर्ज्ञान, प्रेरणा और आंतरिक शांति का रंग है। नीले रंग के उपचार में दोनों शारीरिक और मानसिक रूप से, ठंडा और तसल्ली के लिए प्रयोग किया जाता है। नीले रंग के प्रयोग से शांति का अनुभव होता है। नीले रंग का ध्यान करने से शांति मिलती है। इसी तरह बैंगनी रंग शक्ति के साथ सांसारिक और आध्यात्मिक दोनों जुड़ा हुआ है।

नीले रंग के लाभ

फेंगशुई में नीले रंग को प्रगति और सकारात्मक परिवर्तन का रंग बताया गया है। इसका उचित तरीके से प्रयोग किया जाए तो यह घर और उसमें रहने वाले सदस्यों को स्वास्थ्य लाभ कराता है, चिंता से मुक्ति देता है और आर्थिक व बौद्धिक प्रगति प्रदान करता है। नीला रंग जल तत्व का प्रतिनिधित्व करता है। इसलिए जल तत्व के सारे गुण इसमें समाहित हैं। नीला रंग पानी की ही तरह चंचल, गतिमान और जीवनदायिनी शक्ति प्रदान करता है। फेंगशुई कहता है कि अगर अपने आसपास के वातावरण में नीले रंग का प्रयोग किया जाए तो यह आपकी इच्छापूर्ति में मदद करता है। यह आपके ठहरे हुए व्यवसाय, करियर या निजी संबंधों को फिर से गति प्रदान करने में सहायक होता है।

ताजे विचार

हल्का नीला रंग उन लोगों के लिए विशेष लाभदायक हो सकता है, जो सृजनात्मक कार्यों से जुड़े हैं। यह रंग ताजा विचारों को प्रोत्साहित करता है। सीखने के इच्छुक लोगों को भी यह रंग अपेक्षित लाभ प्रदान करता है। गहरा नीला रंग शयनकक्ष के लिए उपयुक्त रंग माना जाता है। शयनकक्ष में गहरा नीला रंग तनावमुक्त, गहरी और सुकूनभरी नींद प्रदान करता है। इस रंग की एक और खासियत है कि यह ब्लड प्रेशर के मरीजों को स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। नीला रंग ब्लड प्रेशर को सामान्य रखने में मददगार होता है। ऐसा माना जाता है कि रंगों का जन्म लगभग 2000 ईसा पूर्व हुआ। धीरे-धीरे रंगों की छटा पूरे विश्व में फैल गयी। भारत में प्रारंम्भिक काल से ही रंगों का विशेष महत्व रहा है। मोहन जोदड़ों एंव हड़प्पा की खुदाई में सिंधु घाटी सभ्यता में रंगीन बर्तन एवं मूर्तियां पाई गई।

मिस्र में नीला रंग

प्राचीन मिस्र में रंगो का उपयोग 'उपचार रंग' के रूप में भी किया गया। मिस्र निवासी सूर्य की उपासना किया करते थे। उनका मानना था कि सूर्य के प्रकाश के बिना जीवन असंभव है। उन्होंने प्रकृति के रंगों के मुताबिक ही अपने मंदिरों को भी रंगा था। नीले आसमानी रंग से उनको काफी लगाव था। इनके कक्ष भी विभिन्न रंगों से सजे होते थे। आधुनिक चिकित्सा पद्धति को प्राचीन प्रकाश चिकित्सा से जोड़ कर देखा गया। रंगों की रहस्यमय रंगीन दुनिया को जानने के लिए वैज्ञानिक और दार्शनिक हमेशा से ही जिज्ञासु रहे। इसका सटीक अध्ययन सबसे पहले न्यूटन ने किया। उन्होंने यह कहकर सनसनी फैला दी कि रंग एक नहीं सात होते हैं। इसको प्रमाणित करने के लिए उन्होंने एक प्रयोग किया जिसमें एक अंधेरे कमरे में छोटे से छेद द्वारा सूर्य का प्रकाश आता था। यह प्रकाश एक प्रिज्म कांच द्वारा अपवर्तित होकर सफेद पर्दे पर पड़ता था। पर्दे पर सफेद प्रकाश के स्थान पर इद्रधनुष के सात रंग दिखाई दिए। ये रंग लाल, नारंगी, पीला, हरा, आसमानी, नीला तथा बैंगनी हैं। जब न्यूटन ने प्रकाश के मार्ग में एक और प्रिज्म पहले प्रिज्म से उलटा रखा, तो इन सात रंगों का प्रकाश मिलकर पुनः सफेद रंग प्रकाश बन गया। इन्हीं सात रंगों को इन्द्रधनुष नाम से जाना जाता है। सौ साल पहले पश्चिम में औद्योगिकरण की क्रांति ने कपड़ा उद्योग को तेजी से रफ्तार दी। जिससे रंगो की मांग बढ़ गई। प्राकृतिक रंगों के साधन भी सीमित थे। मांग और पूर्ति के आकड़े को देखते हुए कृत्रिम रंगो की खोज शुरू हुई। उन्हीं दिनों रॉयल कालेज ऑफ केमिस्ट्री, लंदन में विलियम पार्कीसन एनीलीन से मलेरिया की दवा कुनैन बनाने में जुटे हुए थे। कई प्रयोगो के बाद कुनैन तो बना नहीं लेकिन बैंगनी रंग जरूर बन गया। 1856 ई. में संयोगवश तैयार हुए इस रंग को मोव कहा गया। इस क्रम में 1860 में रानी रंग, 1862 में एनलोन नीला और काला 1865 में विस्माई भूरा, 1880 ई में सूती काला जैसे रासायनिक रंग उत्पन्न हुए। शुरुआत में यह रंग तारकोल की सहायता से बनाये जाते थे बाद में रासायनिक पदार्थो का प्रयोग किया जाने लगा। जर्मन रसायनशास्त्री एडोल्फ फोन ने 1865 में तमाम असफलताओं से जूझते हुए नील बनाने में सफलता प्राप्त की। जिसके लिए उन्हें 1905 ई. में नोबल पुरुस्कार से सम्मानित किया गया।

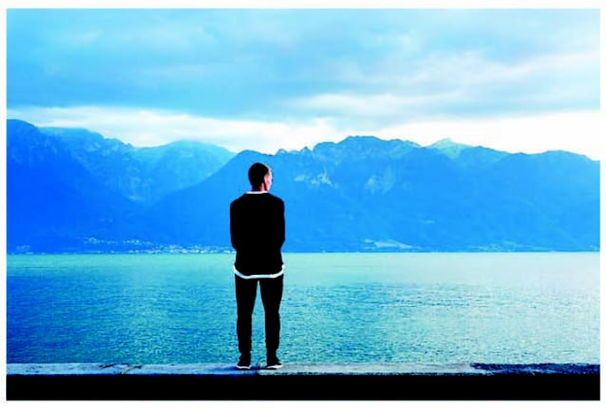

स्मार्ट लुक पाने के लिए चुनें सही चश्मा...

आजकल हर लड़के को चश्मा पहनना पसंद होता है। मार्केट में कई डिजाइन में चश्मे मिल जाते हैं, जो आपको स्मार्ट दिखने में मदद कर सकते हैं। वैसे अगर आप एक सही चश्मे का प्रयोग करते हैं तो उससे आप केवल स्मार्ट ही नहीं लगेंगे बल्कि इससे आपके अन्दर आत्मविश्वास भी आएगा। आप जब भी चश्मा लें तो पहले यह जरूर देख लें कि आपके चेहरे का आकार कैसा है। ज्यादातर चेहरे चार आकार के होते हैं। गोल, आयताकार, ओवल और हार्ट या डायमंड आकार। अगर आप अपने चेहरे के आकार को ध्यान में रख कर चश्मा लेते हैं तो आपको ज्यादा परेशानी नहीं होगी और आप अपने लिए एक सही चश्मे का चुनाव कर सकेंगे। अपने चेहरे के आकार के साथ-साथ आपको इस बात पर भी ध्यान देना चाहिए कि आप जो चश्मा ले रहे हैं वो कहीं आपके चेहरे से बड़ा तो नहीं है। अगर आपका चेहरा छोटा है और आप हर समय चश्मा पहने रखते हैं तो हो सकता है बड़े चश्मे आपके चेहरे पर अच्छे न लगें, लेकिन ऐसा नहीं है कि बड़े चश्मे आपके चेहरे पर अच्छे नहीं लगेंगे। आप चाहें तो कभी-कभी अपने लुक में बदलाव करने के लिए बड़े चश्मों का भी प्रयोग कर सकते हैं।

ऑफिस में बने रहें मिस्टर कूल...

ऑफिस में काम करते समय कई बार लोगों को किसी भी बात पर गुस्सा आ जाता है। किसी भी कारण तनाव का माहौल बन जाता है। काम के चलते कुछ न कुछ स्ट्रेस हो जाता है। ऑफिस में अपने डेस्क पर एक छोटे गमले पर हरा पौधा रखें। विशेषज्ञों का मानना है कि हरा पौधा देखने से मन को शांति मिलती है। एक छोटा हरा पौधा आपके चारों तरफ के माहौल में शांति फैलाता है। जब भी ऑफिस में आपको किसी बात पर गुस्सा आए या फिर काफी थकावट महसूस हो इस हरे पौधे की तरफ देखें एवं अच्छा सोचें। ऑफिस में काम को लेकर आए गुस्से पर काबू पाने के लिए अपनी कुर्सी से उठकर आसपास कुछ देर के लिए टहलें। ऐसा करने से काम से होने वाला स्ट्रेस दूर होता है। मांसपेशियां फैलती हैं और मन में पॉजिटिव विचार आते हैं। काम के फ्रस्टेशन को दूर करने के लिए अपनी कुर्सी पर बैठकर या फिर खड़े होकर आप अपनी बॉडी को स्ट्रेच करें। इसके अलावा आप कुछ हल्की एक्सरसाइज का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। ऑफिस में काम के बीच-बीच में ड्राइ फ्रूट्स खाने से काम से होने वाला स्ट्रेस कम होता है। साथ ही गुस्सा आने पर ड्राइ फ्रूट्स खाने से मेंटल प्रेशर कम होता है और गुस्सा जल्द ही ठंडा हो जाता है।

प्रेम और दया सबसे बेहतर रास्ता...

ईश्वर को खुश करने के लिए लोग तरह-तरह के उपाय करते हैं। मंत्र साधक लाखों बार मंत्र जप करते हैं, भक्ति मार्ग पर चलने वाले लोग मंदिर जाकर ईश्वर की पूजा करते हैं। धूप-दीप आरती से भगवान को प्रसन्न करने की भी कोशिश करते हैं। इतना करने के बाद भी यह पता नहीं होता कि ईश्वर हमें प्यार करता है या नहीं। प्रेम में सफलता तभी मिलती है जब हम जिसे प्यार करते हैं वह हमें प्यार करे। इसलिए हमेशा ऐसा काम करें जिससे ईश्वर आपको प्यार करे। यह काम पूजा-पाठ और मंत्र जप से भी आसान है। सभी धर्म एक बात पर सहमत है कि प्रेम और दया यह दो ऐसे साधन है जिसकी बदलौत हम ईश्वर को मजबूर कर सकते हैं कि वह हमें प्यार करें। प्रेम और दया ऐसी चीज है जिसके लिए न तो धन की जरूरत पड़ती है और न ही किसी दूसरे साधनों की। यह अपने आप में पूर्ण और पवित्र है।

प्रेम के बदले प्रेम

हम किसी के प्रति प्रेमपूर्ण व्यवहार करते हैं तो बदले में हमें भी प्रेम मिलता है। इसका कारण यह है कि जिसके प्रति हम प्रेम दर्शाते हैं उसके हृदय में मौजूद आत्मा जो ईश्वर का स्वरूप होती है वह प्रसन्न होती है और बदले में हमें अपने प्रेम की अनुभूति कराती है। गीता, कुरान अथवा बाइबल सभी में दया को ईश्वर को पाने का माध्यम बताया गया है। ईश्वर को फूल, फल अथवा मंत्र से ध्यान करने का उद्देश्य भी यही है कि हमारा मन निर्मल हो और मन में दया की भावना बढ़े। जिसने दया करना सीख लिया वह ईश्वर का पुत्र हो जाता है।

परमात्मा के समकक्ष

ईसा मसीह, भगवान राम, कृष्ण, बुद्ध, महावीर, साईं सभी ने अपने जीवन में दया का अनुपम परिचय दिया। अपने इसी गुण के कारण ईश्वर ने इन्हें प्यार किया और ईश्वरीय शक्ति इनमें समाहित हो गयी।

यस्य चित्तं द्रवीभूतं कृपया सर्वजंतुष।
तस्य ज्ञानेन मोक्षेण किं जटाभस्मलेपनैः।।

अर्थात जिसका हृदय सभी प्राणियों पर दया करने हेतु द्रवित हो उठता है, उसे ज्ञान, मोक्ष, जटा और भस्म लगाने की क्या जरूरत? भाव यह है कि हमें सभी प्राणियों पर दया करनी चाहिए, उनसे स्नेह करना चाहिए। जो ऐसा करता है, उसका स्थान परमात्मा के समकक्ष हो जाता है।

दया धर्म का मूल

किसी अन्य प्राणी को कष्ट में देखने पर उसके कष्ट दूर करने के उद्देश्य से उसकी सहायता करने की जिस इच्छा का मनुष्य के हृदय में जन्म होता है, वह दया या करुणा कहलाती है। गोस्वामी तुलसी दास जी ने राम चरित मानस में एक दोहे में कहा है-दया धर्म का मूल है पाप मूल अभिमान। तुलसी दया न छोड़िये जब लगि घट में प्राण।।

विचारणीय यह है कि यदि दया धर्म का मूल है तब धर्म को स्थायित्व प्रदान करने और सशक्त बनाये जाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति, जो धर्म में विश्वास रखता है अथवा जो धर्म की उन्नति चाहता है अथवा जो अपने को धर्म का रक्षक कहता है, को अपने अन्दर के दया भाव को जागृत कर उसका प्रयोग धर्म की जड़ों के सशक्तिकरण के लिए करना होगा। सभी प्राणियों पर दया करते हुए असहाय दलितों, वंचितों और गरीबों पर विशेष दया दृष्टि से उनका दर्द कम करना होगा। कोरे भाषण देकर धर्म की पैरबी करने, दयनीय जीवन जी रहे लोगों को अल्पकालिक लालच देकर अपने समुदाय में शामिल करने अथवा उनके इर्द-गिर्द पहरेदार खड़े करने से धर्म की जड़े मजबूत नहीं होंगी।

जीवन के प्रति सजग भाव

जिस मनुष्य में जीवन के प्रति सहज भाव है उसे कहीं जाने की आवश्यकता नहीं है। संत रविदास ने कहा है कि 'मन चंगा तो कठौती में गंगा'। इसके विपरीत बाजार के आर्थिक स्वामी तथा प्रचार प्रबंधक अपने शोर से लोगों के मन को ही भटकाते हैं। जिस धर्म का पालन सही ढंग से एकांत में हो सकता है उसे उन्होंने चौराहे पर चर्चा का विषय बना दिया है। भारत ही नहीं अपितु पूरे विश्व में यही स्थिति है। हर धर्म के ठेकेदार अपने निर्धारित विशिष्ट रंगों के वस्त्र पहनकर यह प्रमाणित करते हैं कि वह अपने समाज के माननीय है। यह अलग बात है कि किसी भी धर्म के मूल प्रवर्तक ने अपने समाज के लिए किसी खास रंग की पहचान नहीं बनाई। इस तरह धर्म को लेकर एक तरह से भ्रम की स्थिति बन गई है। अगर हम प्राचीन ग्रंथों के आधार पर धर्म के सिद्धांत की पहचान करें तो वह आचरण के आधार पर बना हुआ होता है। उसको कोई निश्चित कर्मकांड नहीं है। यही कारण है कि धार्मिक रूप से हमारे यहां एकता है पर कर्मकांडों में स्थान और क्षेत्र के आधार पर भिन्नता पाई जाती है। जहां तक स्वयं धर्म के आधार पर चलने का प्रश्न है तो उस पर अवश्य विचार करना चाहिए। प्रातःकाल उठकर योगसाधना तथा पूजा आदि कर मन को स्वस्थ तथा प्रसन्न चित्त बनाना चाहिए। उससे पूरा दिन अच्छा निकलता है। धर्म को लेकर लोगों से अधिक चर्चा नहीं करना चाहिए क्योंकि अधिकतर लोग इस बारे में अपना ज्ञान बघारते हैं। हमारे आसपास धर्म के मार्ग पर चलने वाले लोग उंगलियों पर गिनती करने लायक ही होते हैं।

आपकी जींस असली है या नकली?

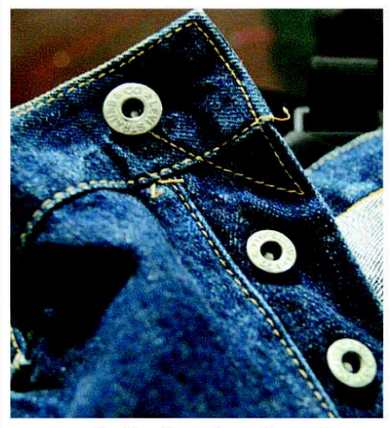

आज के दौर में हर इंसान फैशन के साथ ब्रांडेड कपंनी के कपड़ों के पीछे भागता है जिसके लिए वह बड़ी कीमत देने को भी तैयार रहता है। ब्रांडेड कपड़े परफेक्ट लुक के साथ उभरते भी है। इसलिए लोग इनके पीछे ज्यादा भागते है, लेकिन अक्सर देखा जाता है कि सही कीमत देने के बाद भी हम ब्रांडेड कपड़ों की खरीददारी करते समय धोखा खा ही जाते है। क्योंकि असली जैसी दिखने वाली ब्रांडेड चीज भी नकली हो सकती है। इसलिए आज हम आपको ऐसी जानकारी से अवगत करा रहे हैं। ब्रांड लेविस की जीन्स के बारे में जिसकी असलियत की पहचान कर आप धोखा खाने से बच सकते हैं। तो जाने जींस के असली नकली की पहचान आप किस प्रकार कर सकते हैं।

बटनों में खास मार्क

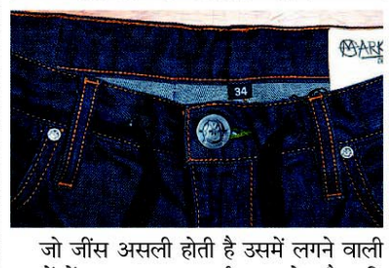

जो जींस असली होती है उसमें लगने वाली बटनों में खास तरह का मार्क लगा होता है। यदि आपकी जींस में उपयोग किया जाने वाला बटन प्लेन है तो तुरंत ही समझ जाइए की वह जींस नकली ब्रांड की है। हमेशा जींस में आपको लेविस का मार्क खास तरह से लगा हुआ मिलेगा।

555 नंबर

ब्रांड जीस की सही पहचान जानने के लिएउसके बटन में इस बात पर गौर करे कि उसमें लिखा जाने वाला नं. 555 है या नही। अगर नहीं है तो आपकी जींस लेविस ब्रांड का नहीं है। वैसे तो बाजार में आपको अपनी ओर खींचने के लिए कई तरह के अलग अलग ब्रांड के जींस दिखाए जाते हैं। जो ज्यादातर नकली भी होते हैं।

डब्ल्यू33 एल 34

लेविस ब्रांड के जींस की सबसे बड़ी खासियत ये होती है कि इसमें दिए लोगो में डाले गए अंक की लंबाई और चौड़ाई, खास तरह से लिखी होती है। इसमें डब्ल्यू33 एल 34 लिखा मिलेगा यदि आपकी जींस में इस प्रकार का नंबर नही है तो आपकी जींस नकली ब्राडं की है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**